@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 28 मई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 188 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सरकार बनते ही अग्निवीर योजना को फाड़कर फेंक दूंगा: राहुल गांधी

सिम्मी कौर बब्बर

पटना, 27 मई। राहुल गांधी ने कहा कि मैं आपको गारंटी देता हूं कि इस चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। क्योंकि उन्होंने युवाओं को नौकरी नहीं दी। अग्निवीर योजना लाकर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। जातीय जनगणना पीएम मोदी ने नहीं करवाया। हमने जातीय गणना कराने की मांग की तो मोदी जी चुप हो गए। कहने लगे कि देश में कोई जाति ही नहीं है। केवल अमीर और गरीब दो ही जातियां हैं। मेरा सवाल है कि अगर देश में जाति नहीं है तो आप अपनी जाति ओबीसी क्यों बताते हो। राहुल गांधी ने जनता से इंडी गठबंधन को वोट देने की अपील की। राहुल गांधी जनसभा में अग्निवीर योजना का जिक्र कर रहे थे। तभी भीड़ में विकास कुमार पर उनकी नजर गई। उन्होंने मंच पर विकास कुमार को बुलाया। राहुल गांधी ने कहा कि यह विकास कुमार हैं। इन्होंने अग्निवीर योजना के जरिए नौकरी पाई। राहुल ने विकास से पूछा कि कैसा लग रहा है अग्निवीर योजना से नौकरी पाकर। विकास ने कहा कि मुझे यह योजना अच्छा नहीं लग रहा। इसके बाद राहुल गांधी ने दावा किया कि हमारी सरकार दो तरह के शहीद का दर्जा पसंद नहीं करेगी। हमलोग इस योजना को फाड़कर कूड़ेदान में फेंक देगे। ताकि युवा सामान्य सेना की तरह देश सेवा कर सकें। हमारी सरकार बनते ही 20 लाख सरकारी नौकरियां आपके हवाले कर देंगे। जैसे बिहार में तेजस्वी यादव ने नौकरी दी तो चाचा जी भाग गए। राहुल गांधी ने कहा कि इंडी गठबंधन की सरकार बनते ही किसानों के कर्ज माफ कर दिए जाएंगे। युवाओं को बेहतरीन नौकरी और ट्रेनिंग मिलेगी। पीएम मोदी ने अग्निवीर योजना लाकर सेना का अपमान किया। राहुल गांधी ने कहा कि कभी चीन और पाकिस्तान की बात होगी। फिर अंबानी की शादी दिखाने लगेंगे। लेकिन, मजदूरों के मुद्दे पर कोई बात नहीं करता है। गरीब होते जा रहे हैं और अमीर-अमीर होते जा रहे हैं। देश में सिर्फ 25 से 30 लोग हैं जो अमीर होते जा रहे हैं। बाकी करोड़ों लोग गरीब है। देश में बेरोजगारी चरम पर है। कांग्रेस पार्टी इन समस्याओं को एक झटके में ठीक कर देगी। सबसे पहले हमारा काम होगा कि हम करोड़ों लाखपति बनाने जा रहे हैं। हर गांव और शहर में गरीबों की लिस्ट बनेगी। जो भी इस देश में गरीबी रेखा से नीचे है, उसका नाम इस लिस्ट में जोड़ा जाएगा। हर परिवार से एक महिला का नाम जोड़ा जाएगा। चार जून

को इंडी गठबंधन की सरकार बनेगी। पांच जुलाई को करोड़ों गरीब के बैंक खाते में एक-एक लाख रुपये चला जाएगा। खटाखट-खटाखट पैसा जाएगा। मीडिया वाले कहेंगे तो एक लाख की जगह दो लाख रुपये दे दिए जाएंगे। ने 10 साल राहुल गांधी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी तक अदाणी जी के लिए काम किया। अदाणी विदेश से कोयला खरीदता है। भारत आते ही कोयला की कीमत को बढ़ा देता है। सरकार कोयले को महंगे दाम में उसकी मदद करने के लिए बढ़ा देती है। पीएम मोदी ने गरीब, दलित, मजदूर और किसानों का 16 लाख करोड़ रुपया अदाणी को माफ कर दिया। राहुल गांधी ने कहा कि अंबानी-अदानी चीन का माल भारत में बेचते हैं। नरेंद्र मोदी आपके जीएसटी का पैसा अंबानी-अदाणी समेत 22 लोगों को देते हैं। राहुल गांधी ने एनडीए सरकार आम आदमी का जेब काट रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नोटबंदी घोटाला, वैक्सीन घोटला, बिहार में सृजन और बालिकागृह घोटाला करने वाले तेजस्वी को जेल भेज रहे हैं। यह दिल्ली या झारखंड नहीं बिहार है। हाथ लगाकर तो दिखाइए जतना सच बता देगी। तेजस्वी यादव ने इंडी गठबंधन के प्रत्याशी सुदामा प्रसाद को वोट देने की अपील की।

31 मई को एसआईटी के सामने पेश होंगे प्रज्ज्वल रेवन्ना

बंगलूरू, 27 मई। कर्नाटक की हासन लोकसभा सीट से सासंद और जेडी-एस से निष्कासित नेता प्रज्ज्वल रेवन्ना पर लगे यौन शोषण के आरोपों के बाद कर्नाटक की राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। बता दें कि 27 अप्रैल को रेवन्ना विदेश चले गए थे। ठीक एक महीने बाद प्रज्ज्वल रेवन्ना का कहना है कि वह 31 मई को सुबह 10 बजे मामले की जांच कर रही एसआईटी के सामने पेश होंगे। रेवन्ना ने कहा 'मैं 31 मई की सुबह 10 बजे व्यक्तिगत रूप से एसआटी के सामने पेश हो जाऊंगा। मैं जांच में एसआईटी की मदद करूंगा और खुद पर लगे आरोपों का जवाब दूंगा। मुझे अदालत पर पूरा भरोसा है।' हासन सासंद के अनुसार उन्हें भगवान, अपने समर्थकों और अपने परिवार की दुआओं पर पूरा भरोसा है। प्रज्ज्वल ने कहा 'मुझ पर भरोसा रखें, मैं एसआईटी के सामने पेश होकर इस मामले को समाप्त करने की पूरी कोशिश करूंगा।' बता दें पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल पर कई महिलाओं से यौन शोषण का आरोप है। वह हासन लोकसभा सीट से एनडीए के प्रत्याशी हैं। हासन लोकसभा क्षेत्र में मतदान के ठीक एक दिन बाद, 27 अप्रैल को प्रज्ज्वल जर्मनी चले गए थे। सीबीआई ने उनके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है। एजेंसी के द्वारा प्रज्ज्वल के ठिकानों का पता लगाया जा रहा है। यौन शोषण और दुष्कर्म के मामले में विशेष अदालत ने हासन सांसद के खिलाफ 18 मई को गिरफ्तारी का वारंट जारी किया था।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में नई अर्जी दी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 27 मई। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका लगाई है। इसमें उन्होंने अपनी अंतरिम जमानत को सात दिन और बढ़ाने की मांग की है। केजरीवाल ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि उन्हें पीईटी और सीटी स्कैन के अलावा कुछ और परीक्षण कराने हैं। उन्होंने इन सभी जांचों के लिए सात दिन का समय मांगा है। आम आदमी पार्टी ने बयान जारी करते हुए कहा कि गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल वजन सात किलो तक घट गया। उनका कीटोन लेवल बहुत ऊंचा है। ये किसी गंभीर बीमारी के लक्षण हो सकते हैं। ऐसे में केजरीवाल की तरफ से याचिका दायर कर अंतरिम जमानत को सात दिन बढ़ाने की मांग की गई है। गौरतलब है कि दिल्ली शराब नीति केस में घिरे केजरीवाल को

सुप्रीम कोर्ट से इसी महीने की शुरुआत में राहत मिली थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के विरोध सर्वोच्च न्यायालय ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आप संयोजक को 1 जून तक अंतरिम जमानत देने का फैसला किया था। केजरीवाल को (अब समाप्त हो चुकी) दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 में कथित अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत देते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उदारवादी दृष्टिकोण उचित है। उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। वह समाज के लिए खतरा नहीं है। उन पर गंभीर आरोप जरूर हैं पर वे अभी तक उन्हें दोषी नहीं ठहराया गया है। कोर्ट ने केजरीवाल को निर्देश दिया कि वह किसी भी गवाह से बात नहीं करेंगे। आधिकारिक फाइलों तक उनकी पहुंच नहीं होगी। केजरीवाल को एक जमानत राशि के साथ 50,000 रुपये का जमानत बांड भरना होगा।

दिल्ली का तापमान 45 पार: गर्म हवा के थपेड़ों से लोग हुए बेहाल

नई दिल्ली, 27 मई। राजधानी में झुलसाने वाली गर्मी कहर बरपा रही है। भीषण लू से लोग परेशान हैं। गर्म हवा के थपेड़ों से लोग बेहाल दिखे। दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, चार साल बाद 27 मई के दिन पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा है। इससे पहले 2020 में इस दिन अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दिल्ली शहरी केंद्रों में मुंगेशपुर, नजफगढ़ व नरेला इलाके में 48 डिग्री सेल्सियस के पार पारा पहुंचा। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए लू का रेड अलर्ट जारी किया है। ऐसे में अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस जाने का अनुमान है। भीषण गर्मी का सितम बढ़ रहा है। आलम यह है कि एसी, कूलर व पंखे भी जवाब दे रहे हैं। सोमवार को सुबह से चिलचिलाती गर्मी देखने को मिली। गर्मी से बचने के लिए लोग सुबह से ही अपने घरों में कैद रहे। दोपहर से पहले ही गर्मी से लोगों के पसीने छूटने लगे। जो लोग बाहर थे, वह छाया की तलाश में दिखे। सुबह से ही गर्म हवा के थपेड़े चलते रहे। अधिकतर इलाकों में भीषण लू की स्थिति बनी। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, दिल्ली का अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। यह सामान्य से पांच डिग्री अधिक है। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस के साथ 29.3 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, अधिकतम आर्द्रता का स्तर 63 फीसदी रहा। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए लू का रेड अलर्ट जारी किया है। ऐसे में आसमान साफ रहेगा इससे तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार जाने की आशंका है। जबकि न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी होगी, ऐसे में न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक जाने के आसार हैं।

नए आपराधिक कानून प्रणाली पूरी तरह से तकनीक पर निर्भर: शाह

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 27 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि एक जुलाई से लागू होने वाले नए आपराधिक कानूनों में प्रौद्योगिकी (ञ्जद्गष्द्बठ्ठश्चद्यश्चद्द4) एक महत्वपूर्ण कारक होगी। उन्होंने कहा कि समन एसएमएस द्वारा भेजे जाएंगे, 90 फीसदी गवाह वीडियो कॉल के जरिए पेश होंगे और अदालतें प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर आदेश जारी करेंगी। उन्होंने एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा, मैं आपको विश्वास के साथ कह सकता हूं कि तीन साल बाद हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली दुनिया की सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली होगी। नए कानूनों में देशद्रोह कानून को नए अवतार में लाया जा रहा है और इसके दोषी को उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। लोकसभा में बीती 21 दिसंबर को तीन नए आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक को मंजूरी मिली थी। ये कानून मौजूदा कानूनों

भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की जगह लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन कानूनों को मंजूरी दे दी थी। अब यह कानून एक जुलाई से लागू होंगे। शाह ने इंटरव्यू के दौरान पहली बार नए आपराधिक कानून प्रणाली पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली लगभग पूरी तरह से तकनीक पर आधारित है। उदाहरण के लिए, सभी अदालती मामले ऑनलाइन हो जाएंगे और एफआईआर, कोर्ट डायरी और फैसले का डिजिटलीकरण किया जाएगा। पहले ही, अधिकारियों ने पिछले पांच वर्षों में देश भर में नौ करोड़ अपराधियों के फिंगरप्रिंट डाटा एकत्र किए हैं। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के जरिए हम बहुत बड़े सुधार लाएंगे। कानून लागू होने के बाद 90 फीसदी लोगों को कोर्ट नहीं जाना पड़ेगा। गवाह ऑनलाइन पेश होंगे। उन्होंने आगे कहा कि इससे पहले समन को किसी के घर पर भेजना होता था। अब समन एसएमएस द्वारा भेजे जाएंगे। ऐसे कई बदलाव नए कानूनों में शामिल किए गए हैं। यही हाल आरोपपत्र का भी था। पहले आरोपपत्र का मतलब दस्तावेजों का विस्तार करना होता था, लेकिन एक बार नए कानून लागू होने के बाद आरोपपत्र को पेन ड्राइव के जरिए रखा जाएगा और इसका जवाब भी पेन ड्राइव के जरिए डिजिटल तरीके से दिया जा सकता है। शाह ने कहा, सभी मामले ऑनलाइन हो जाएंगे। एफआईआर, कोर्ट डायरी, जजमेंट को भी डिजिटल किया जाएगा। हमने उन मामलों में फॉरेंसिक साक्ष्य अनिवार्य कर दिए हैं जहां न्यूनतम सात साल की अवधि के लिए कारावास का प्रावधान है। नए कानूनों को लागू करने की तैयारी के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने कहा कि तैयारियां तेजी से चल रही हैं और अधिकारियों का प्रशिक्षण लगभग पूरा हो चुका है।

भाजपा ने आपका वोट चुराया: सीएम सुक्खू

धर्मशाला, 27 मई। भारतीय जनता पार्टी ने आपका वोट चुराया है। भाजपा जब जनता के वोट से सत्ता की कुर्सी नहीं हासिल कर सकी तो राजनीतिक मंडी में उन्होंने कांग्रेस के छह विधायकों को खरीदा और यह बिके हुए विधायक अब भाजपा से प्रत्याशी बने हुए हैं। यह बात सोमवार को शाहपुर के चंबी मैदान में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कही।उन्होंने कहा कि इसलिए 1 जून को मतदान करते समय यह मत सोचना कि यह आम चुनाव है। मुख्यमंत्री की कुर्सी साढ़े तीन साल के लिए सुरक्षित है। यह सरकार बनाने के लिए चुनाव नहीं हो रहा। बल्कि भाजपा को सबक सिखाने के लिए चुनाव हो रहा है। जिन्होंने आपकी भावनाओं को खरीदा है। सुक्खू ने कहा कि धनबल को सरकार नहीं, बल्कि जनता हरा सकती है। इसलिए इन चुनावों में धनबल हारेगा और जनबल जीतेगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी ने निचले हिमाचल और एक साधारण परिवार से मुख्यमंत्री बनाया। मेरे परिवार में कोई भी राजनीति में नहीं था। मुख्यमंत्री का पद सौंपने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाएं पहुंचनी चाहिए। किसान, महिलाओं और युवाओं तक को सरकार की योजनाओं से लाभांवित करना है। उन्होंने कहा कि 15 माह में सरकार ने कर्मचारियों को ओपीएस दिया, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए। जयराम ठाकुर की सरकार ने पिछले पांच साल में महज 20 हजार नौकरियां निकालीं और वह भी हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट लटकीं। लेकिन वर्तमान सरकार ने तत्परता के साथ इन मामलों का हल किया और अब युवाओं को रोजगार मिल रहा है।

बेबी केयर अग्निकांड में दोनों आरोपियों को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 27 मई। दिल्ली के विवेक बिहार स्थित बेबी केयर सेंटर अग्निकांड मामले के दोनों आरोपियों कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड पर भेज दिया है। इस अग्निकांड में सात बच्चों की मौत हो गई थी। पकड़े गए दोनों आरोपी डॉक्टर हैं। कोर्ट ने आरोपी नवीन और आकाश को 30 मई तक पुलिस रिमांड पर भेजा है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि जांच के दौरान टीम ने जब अस्पताल के लाइसेंस की पड़ताल की तो उसकी अवधि समाप्त मिली। इसके अलावा दिल्ली सरकार के डीजीएचएस विभाग की ओर से अस्पताल को महज पांच बेड का अस्पताल चलाने की अनुमति थी। उसका उल्लंघन कर 12 बेड का अस्पताल चलाया जा रहा था। डीसीपी शाहदरा सुरेंद्र चौधरी के मुताबिक, जांच में पता चला कि अस्पताल की एनओसी भी 31 मार्च को समाप्त हो गई थी और अस्पताल को पांच बेड तक की अनुमति थी लेकिन उन्होंने 10 से अधिक बेड लगाए थे। इसके अलावा आपात की स्थिति में बाहर निकलने के लिए फायर एग्जिट सिस्टम भी नहीं था। इसलिए एफआईआर में आईपीसी की धारा 304 और 308 जोड़ दी है। 1.

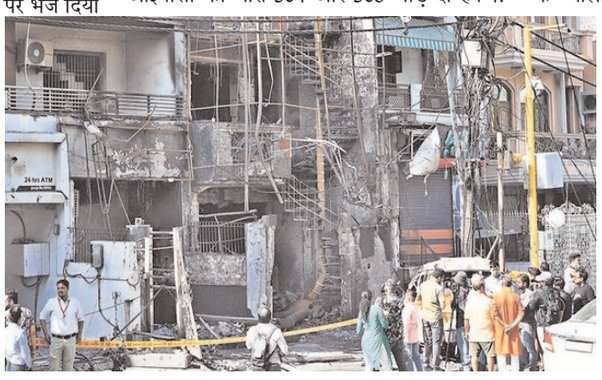

भजनपुरा के चंदू नगर निवासी मसी आलम की पत्नी सितारा ने दिलशाद गार्डन के एक अस्पताल में बुधवार को बेटे को जन्म दिया था। जन्म के बाद से ही बच्चे को छाती और खून में संक्रमण था। वहां से बच्चे को बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल में रेफर किया गया था। महंगा होने के बावजूद मजदूरी करने वाले मसी आलम बेटे का यहां इलाज करवा रहे थे। इनकी तीन साल की एक बेटी है। 2. विवेक विहार के ज्वाला नगर निवासी विनोद और ज्योति के यहां शनिवार तड़के बेटे ने जन्म लिया था। जन्म के बाद से उसे सांस लेने में तकलीफ थी। परिवार ने उसे बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल में भर्ती कराया था। विनोद का छह साल का बेटा है। इनका ऑनलाइन सामान बेचने का कारोबार है। परिवार को आग लगने की जानकारी सुबह टीवी से मिली। 3. बुलंदशहर निवासी रितिक और निकिता के यहां 17 मई को बुलंदशहर के अस्पताल में बेटे ने जन्म लिया था। उसे सांस लेने में दिक्कत थी। इस वजह से अपने जानकार डॉक्टर के कहने पर उसे बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल में भर्ती कराया था। रितिक को भी अस्पताल में आग लगने की सूचना टीवी से ही मिली। 4. मूलरूप से बागपत के रहने वाले पवन और इनकी पत्नी भारती के यहां 18 मई को बेटी ने जन्म लिया था। उसके पेट में संक्रमण था। उसे बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल में रेफर किया गया था।

मोदी डिस्को डांस, भांगड़ा, भरतनाट्यम कर रहे: ओवैसी

पालीगंज (बिहार), 27 मई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुजरा टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

ओवैसी ने पीएम मोदी को चौतरफा घेरने के साथ ही डिस्को डांस, भांगड़ा और भरतनाट्यम जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। वहीं, पीएम मोदी की टिप्पणी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी जुबानी हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को झूठों का सरदार बताया हैदराबाद के सांसद ओवैसी ने रविवार को बिहार के पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। यहां उनकी पार्टी ने एक उम्मीदवार खड़ा किया है। रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने एक दिन पहले इसी इलाके में दिए पीएम मोदी के भाषण को याद किया, जब उन्होंने विपक्षी दलों पर मुस्लिमों के वोट के लिए मुजरा करने का आरोप लगाया था। ओवैसी ने कहा, क्या प्रधानमंत्री को इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए? मोदी क्या सोचते हैं कि हमारे मुंह में जुबान नहीं है, क्या हमारे पास बोलने की क्षमता नहीं है? उन्होंने भारतीय क्षेत्र में चीनियों के कब्जे को लेकर पीएम मोदी को घेरा। कहा, लगभग 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है। मोदी ने इस बारे में कुछ नहीं किया है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या वह इस मुद्दे पर डिस्को डांस कर रहे थे। ओवैसी ने आगे ष्ट को लेकर पीएम को घेरने की कोशिश की। कहा, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने के लिए लाया गया था और मोदी इस मुद्दे पर भांगड़ा करते रहे। धर्म संसद (हिंदू सभा) में मुस्लिम माताओं और बहनों के बारे में सभी प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणियां की जाती हैं, लेकिन मोदी इस मुद्दे पर भरतनाट्यम कर रहे हैं।

टीएमसी के खिलाफ विज्ञापन मामले में भाजपा को झटका: सुप्रीम कोर्ट

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 27 मई। कलकत्ता हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट से भी भाजपा को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने विज्ञापन मामले में दी गई याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। दरअसल, अदालत ने आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन में तृणमूल कांग्रेस और उसके कार्यकर्ताओं के खिलाफ विज्ञापन जारी करने से रोकने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली भाजपा की याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि इस तरह के विज्ञापन अपमानित करने वाले हैं। आप कह सकते हैं कि आप सबसे अच्छे हैं लेकिन दूसरों के बारे में इस तरह की बातें नहीं कर सकते। हम आपको इस तरह की कटुता बढ़ाने की छूट नहीं दे सकते। यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, प्रथम दृष्टया विज्ञापन अपमानजनक है। भाजपा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पीएस पटवालिया ने पीठ द्वारा इस मामले पर विचार करने से इनकार करने के बाद मामले को वापस लेने की अनुमति मांगी। पीठ ने मामले को वापस लिया गया यह मानकर खारिज कर दिया। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस केवी विश्वनाथन की वैकेशन बेंच कहा कि राजनीतिक दलों को ध्यान रखना चाहिए कि वे चुनावी प्रक्रिया के दौरान भी अपना मानक बनाकर रखें और एकता अखंडता को बनाए रखें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब साफ-साफ दिख रहा है कि इस तरह के विज्ञापन आपत्तिजनक हैं तो हाईकोर्ट के आदेश में दखल क्यों दिया जाए। बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि टीएमसी ने चुनाव आयोग के पास भी शिकायत की थी। कोर्ट ने कहा, आखिर चुनाव आयोग ने अब तक क्या किया? क्या आदेश के बाद भी आयोग ने कोई कदम उठाया? हमें तो कुछ पता नहीं चला। टीएमसी ने 4, 5, 10 और 12 मई के वेज्ञापन पर लिखित शिकायत की थी। सुप्रीम

कोर्ट ने पटवालिया से कहा कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में दखल नहीं देना चाहता। इसके बाद उन्होंने खुद ही अपनी याचिका वापस ले ली। बता दें कि पश्चिम बंगाल में आखिरी चरण का मतदान 1 जून को होना है। राज्य की 42 लोकसभा सीटों पर सभी चरणों में मतदान संपन्न कराया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एकल पीठ के बाद कलकत्ता हाईकोर्ट से झटका लगा था। हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने एकल पीठ के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें भाजपा को लोकसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाला कोई भी विज्ञापन प्रकाशित नहीं करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले में पीठ ने पूछा था कि आप इसे अगली अवकाश पीठ का रुख क्यों नहीं करते हैं। भाजपा की ओर से पेश वकील सौरभ मिश्रा ने बताया था कि हाईकोर्ट ने भाजपा को लोकसभा चुनाव के दौरान चार जून तक विज्ञापन जारी करने से रोक दिया है। वकील ने कहा था कि आप कृपया 27 मई को मामले की सुनवाई करें। इस पर पीठ ने कहा था कि हम देखते हैं।

टोंगा में भूकंप के जोरदार झटके

एजेंसी

नुकू'आलोफ़ा। टोंगा के फंगले'उंगा के 70 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में सोमवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गये। अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने कहा कि सोमवार को स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 09:47 बजे महसूस किये गये भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.6 मापी गयी। भूकंप के कारण हताहत या क्षति की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। यूएसजीएस के अनुसार भूकंप का केंद्र 112.2 किमी की गहराई में 19.377 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 174.869 डिग्री पश्चिम देशांतर में था। स्थानीय निवासियों ने बताया कि भूकंप राजधानी में भी महसूस किया गया। टोंगन के अधिकारियों ने लोगों को अंदरूनी इलाकों को खाली करने और ऊंचे स्थानों पर जाने को कहा है। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने भूकंप के आधार पर तुरंत सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की है।

फिजी, टोंगा और वानुअतु जैसे प्रशांत द्वीप देश तथाकथित प्रशांत 'रिंग ऑफ फायर' पर स्थित हैं, जो भूकंप और ज्वालामुखीय क्षेत्रों का एक चाप है जहां महाद्वीपीय प्लेटें अक्सर भूकंपीय गतिविधियों का कारण बनती हैं।

'उत्तर कोरिया के खिलाफ जासूसी तेज कर रहे हैं अमेरिका, दक्षिण कोरिया'

'उत्तर कोरिया के खिलाफ जासूसी तेज कर रहे हैं अमेरिका, दक्षिण कोरिया'

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के उप रक्षा मंत्री किम कांग इल ने कहा है कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया उत्तर कोरिया के खिलाफ अपनी हवाई जासूसी तेज कर रहे हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है।

कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने उप मंत्री के हवाले से रविवार को कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरियाई वायु सेना के विभिन्न हवाई जासूसी साधन हाल ही में उत्तर कोरिया के खिलाफ अपनी शत्रुतापूर्ण हवाई जासूसी को खुलेआम तेज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया ने 13 से 24 मई के बीच 16 अमेरिकी विमानों की गणना की जो उसके खिलाफ टोही गतिविधियों में कथित रूप से शामिल थे। उप मंत्री ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल होकर, अमेरिका और दक्षिण कोरिया उत्तर कोरिया की संप्रभुता और सुरक्षा का अतिक्रमण कर रहे हैं।

नेपाल में भी दिखा रेमल चक्रवात का असर

काठमांडू। रेमल चक्रवात का असर नेपाल के पूर्वी हिस्से में भी दिखा है। नेपाल के कोशी प्रदेश में मोरंग, सुनसरी और झापा में बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक रेमल चक्रवात का असर सोमवार सुबह तक पश्चिम बंगाल से जुड़े जिलों में तेज आंधी के साथ लगातार बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान विभाग के प्रमुख गोविन्द झा ने कहा है कि धीरे-धीरे रेमल चक्रवात का असर देश के बाकी हिस्सों में भी दिखेगा। कोशी प्रदेश के साथ ही बागमती और मधेश प्रदेश में भी दोपहर बाद भारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने कहा है कि मंगलवार तक रेमल चक्रवात का प्रभाव रहेगा। विभाग ने विशेष बुलेटिन में बागमती और कोशी सहित अन्य नदियों के तट पर रहने वालों को सतर्क रहने को कहा गया है।

हमास ने तेल अवीव पर मिसाइल से किया हमला, इजराइल ने की जवाबी कार्रवाई

एजेंसी

काहिरा/येरूशलम। इजराइल और हमास के बीच पिछले कई महीनों से जारी जंग के बीच हमास ने एक बार फिर तेल अवीव पर बड़ा मिसाइल हमला किया है जिसके जवाब में इजराइल ने कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक करीब चार महीने बाद हमास ने रविवार को इजराइल पर राकेटों से हमला किया। गाजा के रफाह से किए गए हमास के हमले के चलते तेल अवीव सहित कई इजरायली शहरों में सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए सतर्क करने वाले सायरन बजे।

इजराइल पर हमले में हमास ने लंबी दूरी तक मार करने वाले राकेटों का इस्तेमाल किया। इस हमले से इजराइल में किसी के हताहत होने या बड़ा नुकसान होने की फिलहाल सूचना नहीं है। इजराइली सेना ने बताया है कि गाजा से आठ राककेट छोड़े गए, इनमें से ज्यादातर को एयर डिफेंस सिस्टम से आकाश में ही नष्ट कर दिया गया।

हमास की सशस्त्र शाखा अल-कसम ब्रिगेड ने कहा कि उसने तेल अवीव पर एक बड़ा मिसाइल हमला किया। बताया जा रहा है कि इजरायली सेना ने संभावित आने वाले रॉकेटों की चेतावनी के लिए शहर में सायरन बजाया। इजराइली आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं ने कहा कि उन्हें किसी के हताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

गाजा में इजराइली सेना और फलस्तीनी लड़ाकों के बीच इस लड़ाई में अभी तक लगभग 36 हजार फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। हमास ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने जबालिया में इजराइली सैनिकों को पकड़कर बंदी बना लिया है लेकिन इजराइली सेना ने हमास के इस दावे का खंडन किया है। हमास ने यह नहीं बताया कि उसने कितने सैनिकों को बंदी बनाया है और अपने दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किए हैं।

हमास के प्रवक्ता अबू उबैदा ने बताया कि लड़ाकों ने एक सुरंग में घात लगाकर इजराइली सैनिकों को पकड़ा। ये सैनिक हमास लड़ाकों की तलाश में सुरंग में घुसे थे। इस बीच मिस्र ने बदले रास्ते से गाजा को राहत सामग्री से भरे ट्रक फिर से भेजने शुरू कर दिए हैं।

अमेरिका के कई राज्यों में आया भयंकर तूफान, 18 लोगों की मौत...बड़ी संख्या में घर तबाह

एजेंसी

ह्यूस्टन। मध्य अमेरिका के टेक्सास, ओक्लाहोमा और अर्कांसस राज्यों में आए शक्तिशाली तूफान के कारण दो बच्चों सहित कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई, कई मकान तबाह हो गये और बढ़ते तापमान के बीच हजारों लोगों को बिजली के बिना रहने के लिए मजबूर होना पड़ा।

अधिकारियों ने बताया कि ओक्लाहोमा सीमा के समीप टेक्सास की कुक काउंटी में सात लोगों के मारे जाने की सूचना प्राप्त हुई, जहां शनिवार रात को आए तूफान ने एक ग्रामीण इलाके में भारी तबाही मचाई। कुक काउंटी के शेरिफ रे सैप्पिंगटन ने कहा, यहां सिर्फ मलबे का ढेर बचा है। भारी तबाही हुई है। शेरिफ ने बताया कि मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं, जिनकी उम्र दो और पांच वर्ष थी।

उन्होंने बताया कि एक परिवार के

तीन सदस्यों की भी तूफान से हुई तबाही में मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि लापता लोगों को ढूंढने के लिए खोज व बचाव अभियान अब भी जारी है। खबर के मुताबिक, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने रविवार को बताया कि शनिवार को आए तूफान की वजह से करीब 100 लोग घायल हो गये हालांकि सटीक आंकड़ा बता पाना थोड़ा मुश्किल है। गवर्नर ने कहा कि 200 से ज्यादा मकान व अन्य इमारतें पूरी तरह से तबाह हो गयीं और 100 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। एबॉट ने कहा, अगर संख्या नहीं बढ़ती है तो मुझे हैरानी होगी। तूफान की वजह से कई मकान और व्यवसायिक प्रतिष्ठान पूरी तरह से तबाह हो गये और कई इलाकों में पेड़ एवं बिजली के खंभे भी उखड़ गये। वैली व्यू के आस-पास के इलाके तूफान से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। बिजली समस्या से जुड़ी एक वेबसाइट के मुताबिक, टेक्सास से लेकर कंसास, मिसौरी, अर्कांसस, टेनिसी और केनटकी तक 4,70,000 से ज्यादा लोगों को बिना बिजली के रहने के लिए मजबूर होना पड़ा।

द. कोरिया ने लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली एल-एसएएम विकसित की

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया ने लंबी दूरी तक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एल-एसएएम) प्रणाली का विकास पूरा कर लिया है, जो 50 से 60 किलोमीटर की ऊंचाई पर लक्ष्य को मार गिराने में सक्षम है।

योनहाप समाचार एजेंसी ने दक्षिण कोरियाई रक्षा अधिग्रहण कार्यक्रम प्रशासन (डीएपीए) के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में शनिवार को कहा गया कि एल-एसएएम का उत्पादन अगले साल शुरू होने की उम्मीद है और सशस्त्र बलों को यह प्रणाली 2028 में प्राप्त होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस प्रणाली को देश की व्यापक वायु और मिसाइल रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। समाचार एजेंसी ने बताया कि दक्षिण कोरियाई सशस्त्र बल वर्तमान में घरेलू मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली और यूएस पैट्रियट एडवांस्ड कैपेबिलिटी -3 प्रणाली का उपयोग करते हैं, जो एल-एसएएम की तुलना में कम ऊंचाई पर मिसाइलों को रोक सकती है।

अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़, 15 लोगों की मौत...फसलें भी नष्ट

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से एक ही परिवार के 10 सदस्यों समेत 15 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। असामान्य रूप से भारी मौसमी बारिश देश के कई हिस्सों में कहर बरपा रही है, जिससे सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ के मामलों के चलते संपत्ति और फसलें भी नष्ट हो गई हैं। रात आई बाढ़ के कारण उत्तर-पूर्व स्थित बदख्शां और उत्तरी बगलान प्रांत प्रभावित हुए हैं। इस महीने की शुरुआत में भारी बारिश के कारण बगलान प्रांत में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था। बदख्शां में प्राकृतिक आपदा प्रबंधन विभाग के निदेशक मोहम्मद अकरम अकबरी ने कहा कि प्रांत की राजधानी फैजाबाद में बाढ़ की चपेट में आकर एक दंपति और उनके आठ बच्चों की मौत हो गई। बगलान

प्रांत में प्राकृतिक आपदा प्रबंधन के प्रांतीय निदेशक इदायतुल्ला हमदर्द ने कहा कि बाढ़ के कारण दोशी जिले में कम से कम 40 घर क्षतिग्रस्त हो गए और कई लोग मारे गए हैं। हालांकि, उन्होंने मृतकों की संख्या के संबंध में अधिक विवरण नहीं दिया। हालांकि, एक स्थानीय अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि प्रांत में बचाव दलों को अब तक पांच शव मिले हैं।

चक्रवात 'रेमल' बांग्लादेश तट से टकराया, अधिकारियों ने आठ लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला

एजेंसी

ढाका। भीषण चक्रवाती तूफान रेमल ने रात बांग्लादेश तट पर दस्तक दी और अधिकारियों ने देश के निचले दक्षिण-पश्चिमी तटीय इलाकों से आठ लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। मौसम कार्यालय के एक प्रवक्ता ने संवाददाताओं से कहा, ''चक्रवात ने रात लगभग 8:30 बजे (स्थानीय समय) बांग्लादेश के मोंगला और खेपुपारा तट के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से से होते हुए भारत के पश्चिम बंगाल तट को पार करना शुरू कर दिया।''

उन्होंने कहा कि तूफान बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी तटीय इलाकों और पश्चिम बंगाल के सागर द्वीप से उत्तरी दिशा की ओर बढ़ रहा है तथा अगले पांच से सात घंटों में इसके समुद्र तट रेखाओं को पार करने की संभावना है। चक्रवाती तूफान के रात 12:00-1:00 बजे के बीच बांग्लादेश को पार करने का अनुमान है, जिसके बाद इसके

कमजोर होने की उम्मीद है।

अधिकारियों ने कहा कि माना जाता है कि तूफान से एक युवक की मौत हो गई, क्योंकि समुद्री लहरें उसे बहा ले गईं और दक्षिण-पूर्वी पटुआखाली में कई लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, क्षमता से दोगुने, 50 से अधिक यात्रियों से भरी एक नौका तूफान के रास्ते में मोंगला बंदरगाह के पास डूब गई। इसमें सवार लोग सुरक्षित स्थान की ओर भाग रहे थे। हालाँकि, लोगों को बचा लिया गया जिन्हें कुछ चोट आई है।

ब्राजील में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 169 हुयी

एजेंसी

साओ पाउलो। दक्षिणी ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में 29 अप्रैल को आए तूफान के बाद से रिकॉर्ड बारिश और बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या 169 हो गयी है। नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा, पिछले 24 घंटों में तीन और शव बरामद किए गए, जबकि राज्य में अब तक देखी गई सबसे खराब प्राकृतिक आपदा के कारण 56 लोग लापता हैं। बाढ़ और उफनती नदियों के कारण 23 लाख से अधिक निवासी विस्थापित हुए हैं। रियो ग्रांडे डो सुल के गवर्नर एडुआर्डो लेइट ने कहा है कि राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे और अन्य 469 नगर पालिकाओं में क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण में कम से कम एक साल लगेगा।

मौसम पूर्वानुमान में पोर्टो एलेग्रे और राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में इस आगामी सप्ताह में अधिक बारिश की संभावना व्यक्त की गयी है, जोखिम को कम करने के लिए स्कूल 48 घंटों के लिए बंद रहेंगे। रियो ग्रांडे डो सुल अर्जेंटीना और उरुग्वे की सीमा पर है और यह ब्राजील में एक महत्वपूर्ण कृषि केंद्र और लैटिन अमेरिका में चावल का शीर्ष उत्पादक क्षेत्र है।

ब्रिटेन में अनिवार्य सैन्य सेवा शुरू की जाएगी: सुनक

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा है कि यदि कंजरवेटिव पार्टी 04 जुलाई को होने वाला अगला आम चुनाव जीतती है, तो वह युवाओं के लिए अनिवार्य सैन्य सेवा या वैकल्पिक सेवा शुरू करने की योजना बना रहे हैं। श्री सुनक ने डेली मेल के लिए लिखे लेख में कहा, हम आज के ब्रिटेन के लिए राष्ट्रीय सेवा को फिर से शुरू करेंगे।

यह हमारे युवाओं के लिए जीवन बदलने वाले अवसर प्रदान करेगा, उन्हें वास्तविक दुनिया के कौशल सीखने, नई चीजें करने और अपने समुदाय तथा हमारे देश में योगदान करने का मौका देगा... सभी 18-वर्षीय युवा इस नई राष्ट्रीय सेवा को करेंगे, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो और वे ब्रिटेन में कहीं भी रहें।

उन्होंने कहा कि युवाओं के पास ब्रिटिश सशस्त्र बलों में एक वर्ष के लिए पूर्णकालिक सैन्य सेवा और 25 दिनों के लिए बचाव सेवा तथा अन्य संरचनाओं में स्वयंसेवा के रूप में वैकल्पिक सेवा चुनने का विकल्प होगा। उन्होंने कहा, उन लोगों के लिए जो शिकायत करते हैं कि इसे अनिवार्य बनाना अनुचित है, मैं कहना चाहता हूं कि नागरिकता अधिकार के साथ-साथ दायित्वों को भी लाती है। ब्रिटिश होना पासपोर्ट नियंत्रण में शामिल होने वाली कतार से कहीं अधिक है। स्पष्ट तौर पर हमारी नई राष्ट्रीय सेवा भर्ती नीति नहीं है। ऐसा करने वालों में से अधिकांश हमारे सशस्त्र बलों में सेवा नहीं करेंगे, सिर्फ कठिन प्रवेश परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले लोग ही सशस्त्र बलों में भर्ती होंगे।

उल्लेखनीय है कि जनवरी में ब्रिटेन के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ जनरल पैट्रिक सैंडर्स ने ब्रिटिश नागरिकों से

रूस के साथ संघर्ष की स्थिति में सशस्त्र बलों में सेवा करने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। उसी समय ब्रिटिश सरकार ने वादा किया कि वह भर्ती की शुरुआत नहीं करेगी।

ब्रिटेन में विमान दुर्घटना, आरएएफ पायलट की मौत

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के लिंकनशायर में ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) बेस के पास स्पिटफायर के दुर्घटनाग्रस्त होने से आरएएफ के एक पायलट की मौत हो गयी। आरएएफ के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा, बड़े दुख के साथ हमें आज आरएएफ कोनिंग्सबी के पास दुर्घटना में आरएएफ के एक पायलट की मौत की पुष्टि करनी पड़ रही है। इससे पहले लिंकनशायर पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा था कि एक 'एकल यात्री विमान' दुर्घटनाग्रस्त हो गया है और इसमें किसी और के होने की संभावना नहीं है। वहीं, ब्रिटिश मीडिया ने बताया कि विमान अंतरराष्ट्रीय समय के मुताबिक 12.20 बजे से कुछ समय पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटनाग्रस्त स्पिटफ़ायर ब्रिटेन के युद्ध स्मारक कार्यक्रम में भाग ले रहा था। गौरतलब है कि आरएएफ कॉनिंग्सबी बैटल ऑफ़ ब्रिटेन मेमोरियल फ़्लाइट का अड्डा है।

'संरा न्यायालय के फैसले को लागू करते हुए राफा में अभियान समाप्त करे इजरायल'

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन ने इजरायल से संयुक्त राष्ट्र के न्यायालय के फैसले को लागू करते हुए राफा में सैन्य अभियान को समाप्त करने की अपील की है। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस ने इज़राइल से राफा में इज़रायल के सैन्य अभियान को समाप्त करने के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के फैसले को लागू करने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि आईसीजे के अध्यक्ष नवाफ सलाम ने शुक्रवार को कहा कि इजरायल को दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा में अपना सैन्य अभियान बंद करना होगा। न्यायाधीश ने कहा, नरसंहार के आरोपों की जांच कर रहे मिशनों के साथ-साथ मानवीय सहायता के लिए एन्क्लेव तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करानी चाहिए। राफा में इजरायल के आक्रामक को समाप्त करने सहित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के एहतियाती उपाय अनिवार्य हैं। यही बात युद्धविराम, बंधकों की रिहाई और मानवीय पहुंच पर भी लागू होती है,

गाजावासियों की पीड़ा समाप्त होनी चाहिए और हिंसा रुकनी चाहिए।

वहीं, स्पेन की रक्षा मंत्री मार्गरीटा रोबल्स ने कहा कि गाजा की स्थिति 'वास्तविक नरसंहार' है। स्पेन के न्यूज चैनल आरटीवीई के साथ साक्षात्कार उन्होंने कहा, दुनिया में जो कुछ भी हो रहा है, स्पेन की हमेशा उस पर नजर है। हम यह नहीं भूल सकते कि यूक्रेन में लोग मर रहे हैं, एक भयानक युद्ध चल रहा है और गाजा में जो हो रहा है, उसे भी नजरअंदाज न करें, जो एक वास्तविक नरसंहार है।÷। उन्होंने कहा कि स्पेन और उसके सशस्त्र बल 'दृढ़ता से और मजबूती के साथ शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने रूस समर्थित प्रस्ताव को खारिज किया

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। अंतरिक्ष में हथियार भेजने की होड़ पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने वाला रूस का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र (संरा) सुरक्षा परिषद ने खारिज कर दिया। सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव पर बहस के दौरान अमेरिका ने कहा कि रूस ने पिछले सप्ताह एक उपग्रह प्रक्षेपित किया था जो अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती का हिस्सा हो सकता है। सुरक्षा परिषद के सदस्य देश भविष्य में संभावित इस वैश्विक चलन की निंदा कर रहे हैं लेकिन इसके खिलाफ कदम उठाने में विफल साबित हुए हैं। पिछले महीने रूस के प्रतिद्वंदी देश अमेरिका और जापान ने सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव रखा था जो खारिज हो गया था। अमेरिका और जापान द्वारा रखे प्रस्ताव में अलग-अलग प्रकार के हथियारों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो भारी तबाही का कारण बन सकते हैं। वहीं

रूस के प्रस्ताव में सभी प्रकार के हथियारों पर चर्चा की गयी। अमेरिका और उसके सहयोगियों का कहना है कि 15 सदस्यीय परिषद में जिस प्रस्ताव पर चर्चा हुई उसका मकसद सिर्फ और सिर्फ रूस की अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती की वास्तविक मंशा से विश्व का ध्यान भटकाना है।

अमेरिकी उपराजदूत रॉबर्ट वुड ने परिषद को बताया, आज हमारे सामने रखा गया प्रस्ताव और कुछ नहीं बल्कि रूस की ध्यान भटकाने की पराकाष्ठा है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वासिली नेबेंजिया ने इस तथ्य को खारिज किया कि उनका देश दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव पर मतदान हमारे पश्चिमी सहयोगियों के लिए सच सामने लाने वाला एक महत्वपूर्ण क्षण है। चीन और अन्य देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया था।

नेबेंजिया ने कहा, अगर वे इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं करते हैं तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि उनका मुख्य मकसद खुद को बाहरी अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती के संबंध में आजाद रखने का है। हर राष्ट्र कहता है कि वे हथियारों को अंतरिक्ष से दूर रखना चाहते हैं और परिषद के सदस्य देशों ने भी इसे दोहराया है। लेकिन जब बात मतदान की आती है तो परिषद रूस और अमेरिका के प्रस्तावों पर दो भागों में बंट गया और स्विट्जरलैंड मतदान प्रक्रिया से नदारद रहा। यह प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के नियमों के तहत गिर गया क्योंकि उसे जरूरी नौ मत नहीं प्राप्त हुए।

पापुआ न्यू गिनी में भीषण भूस्खलन, 670 लोगों की मौत होने की आशंका

एजेंसी

पापुआ न्यू गिनी। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने अनुमान जताया कि पापुआ न्यू गिनी में बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन से 670 लोगों की मौत होने की आशंका है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया था कि भूस्खलन के कारण 100 लोगों की मौत होने की आशंका है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

गाजा के रफह में इजराइल की एयर स्ट्राइक, 35 लोगों की मौत

एजेंसी

दीर अल बलह (गाजा पट्टी)। फिलिस्तीनी स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि गाजा के दक्षिणी शहर रफह में विस्थापित लोगों के लिए बने तंबुओं पर इजराइल द्वारा किये गये हवाई हमलों में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और कई लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक, इस हवाई हमले में दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत ने इजराइल को रफह में अपनी सैन्य कार्रवाई रोकने का आदेश दिया था, जिसके दो दिन बाद रविवार को यह हमला किया गया। इस महीने की शुरुआत में इजराइल के हमले से पहले तक रफह में गाजा की आधी से ज्यादा आबादी ने शरण ली हुई थी।

इलाके में हजारों लोग अब भी रह रहे हैं जबकि बहुत से लोग यहां से भाग निकले हैं। सबसे बड़े हवाई हमले की फुटेज से इलाके में भारी तबाही का मंजर दिखाई दे रहा है।

इजराइली सेना ने हमले की पुष्टि की और बताया कि उसने

हमास के एक ठिकाने को निशाना बनाया और इसमें हमास के दो चरमपंथी मारे गये। सेना ने बताया कि वह खबरों की जांच कर रही है कि नागरिकों को नुकसान पहुंचा है या नहीं। रक्षा मंत्री योव गैलेंट रविवार को रफह पहुंचे और उन्हें वहां तेज होते अभियान की जानकारी दी गई।

फलस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसायटी के एक प्रवक्ता ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि रफह के तल अल सुल्तान में खोज एवं बचाव अभियान अभी जारी है। सोसायटी ने दोहराया कि इजराइल ने खुद इस इलाके को एक मानवीय क्षेत्र नामित किया था। यह इलाका उन क्षेत्रों में शामिल नहीं है, जिन्हें इजराइली सेना ने इस महीने की शुरुआत में खाली करने का आदेश दिया था।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का कार्यकाल एक महीने बढ़ाया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने एक महत्त्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का कार्यकाल एक महीने बढ़ा दिया है । रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति जारी करके बताया कि जनरल पांडे 31 मई को सेवानिवृत होने वाले थे लेकिन अब वह 30 जून को सेवानिवृत्त होंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति ने सेना नियमों 1954 के नियम 16ए (4) के तहत यह निर्णय लिया है।

जनरल पांडे को दिसंबर 1982 में सेना की इंजीनियर कोर में कमीशन मिला था। सेना प्रमुख बनने से पहले वह सेना उप प्रमुख थे ।

ग्रेटर नोएडा में यूपीसीडा की नई पहल : अब क्यूआर कोड से होगी शिकायत

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने अपने औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली और निर्माण कार्यों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए एक नई पहल की है। इसके तहत ग्रेटर नोएडा के पांच औद्योगिक सेक्टरों में 3,327 बिजली के खंभों और सिविल वर्क के छह महत्वपूर्ण स्थानों पर क्यूआर (क्विक रिस्पांस) कोड लगाए गए हैं।

अधिकारियों के मोबाइल नंबर पर कॉल करें

यूपीसीडा के वरिष्ठ प्रबंधक (सिविल) एनके जैन ने बताया कि अब कोई व्यक्ति जिस खंभे या स्थान पर समस्या देखेगा, उसके क्यूआर कोड की फोटो खींचकर उस पर लिखे ठेकेदार के मोबाइल नंबर पर भेज सकता है। इससे समस्या का जल्द निस्तारण संभव होगा। क्यूआर कोड को स्कैन करने पर ठेकेदार और यूपीसीडा अधिकारियों के मोबाइल नंबर भी मिल जाएंगे।

ठेकेदार का नाम और मोबाइल नंबर भी लिखा होगा

एनके जैन ने बताया कि क्यूआर कोड प्रणाली से जुड़े डाटा सेंटर पर एक-एक शिकायत दर्ज होगी और ट्रैक किया जा सकेगा कि समस्या का निस्तारण कब हुआ। बिजली और सिविल वर्क के लिए अलग-अलग क्यूआर कोड हैं। खंभों पर लगे क्यूआर कोड में फर्म का नाम, ठेकेदार का नाम और मोबाइल नंबर भी लिखा होगा।

ग्रेटर नोएडा में मोमोज ने पहुंचाया अस्पताल : खाद्य विभाग की जांच में चौंकाने वाला खुलासा

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट सोसाइटी में मोमोस खाकर बीमार होने वाले मामले में नया मोड़ आया है। आपको बता दें कि जहां निवासियों का आरोप है कि मोमोज खाने की वजह से 20 से अधिक लोग बीमार हुए तो वहीं, खाद्य विभाग का कहना है कि मात्र तीन लोग मोमोस खाकर बीमार हुए हैं। हालांकि, मैडम मोमोज रेस्टोरेंट के नमूने विभाग ने लेकर दुकान को बंद करने के आदेश भी दे दिए है।

20 से ज्यादा निवासी इलाज के लिए पहुंचे

21 मई को रेस्तरां में बड़ी संख्या में लोगों ने मोमोज खाए थे। जिसके बाद ग्रेनो वेस्ट की चेरी काउंटी सोसाइटी के ए-4 टावर में रहने वाले राकेश गौतम ने बताया कि सोमवार देर रात करीब दस बजे पत्नी और बच्ची के साथ मैडम मोमोज सेंटर गए थे। वहां से पनीर मोमोज खाकर घर लौटे थे। अगले दिन से पत्नी की तबीयत बिगड़ने लगी। उल्टी ज्यादा होने से मन घबराने लगा। देर रात ज्यादा तबीयत बिगड़ने पर आनन-फानन में बिसरख के पास यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच के दौरान पता चला है कि सीवियर फूड पॉइजनिंग हुई है। इसकी वजह से उल्टी हो रही है।

कई लोगों की बिगड़ी तबियत

21 मई को मोमोज खाने की वजह से तबीयत खराब होने की शिकायत चिकित्सकों से की थी। इसमें कई लोगों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द सहित कई तरह की शिकायत बताई थी। टीम ने तत्काल सभी लोगों की स्थिति को चिकित्सकों की निगरानी में रखा था। कुछ लोगों की सेहत को देखने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। कुछ अभी भी एडमिट है। खाद्य सुरक्षा विभाग का कहना है कि तबियत बिगड़ने वालों की संख्या मात्र तीन है।

गाजियाबाद में 10वीं की छात्रा से हैवानियत : 7 दिन तक बंधक बनाकर जबरन करता रहा रेप

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली 10वीं की छात्रा को अगवा कर उसके साथ एक सप्ताह तक हैवानियत की गई। आरोपी पीड़ित छात्रा को बंधक बनाकर उसके साथ रेप करता था और विरोध करने पर मारपीट करता था। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए छात्रा को बरामद कर लिया है। साथ ही आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। थाना क्षेत्र की एक कालोनी निवासी व्यक्ति की बेटी एक सप्ताह पहले स्कूल गई थी, लेकिन वापस नहीं आई। काफी तलाश करने के बाद भी जब वह नहीं मिली तो परिजनों ने एक युवक पर अपहरण करने की आशंका जताते हुए मोदीनगर थाने में तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने रात छात्रा को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आग में झुलसे नवजातों की मौत पर अस्पताल के संचालक ने कहा-

गलती पर शर्मिंदा हूं

एजेंसी

पूर्वी दिल्ली। विवेक विहार के बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल के संचालक डॉ. नवीन खीची ने पुलिस से कहा आग में झुलसने से नवजातों की मौत पर वह शर्मिंदा है। उसने कुबूल किया कि अस्पताल के संचालन में उसने नियमों की अनदेखी की हुई थी। उसका पांच बेड का अस्पताल था, लेकिन उसने 12 बच्चों को भर्ती किया हुआ था।

14 दिन की रिमांड मांगेगी पुलिस

दोपहर को विवेक विहार थाना पुलिस अस्पताल संचालक डॉ. नवीन खीची और अस्पताल के डॉ. आकाश को कड़कड़डूमा कोर्ट में पेश कर 14 दिन की रिमांड मांगेगी। आरोपित डॉ. नवीन खीची पंजाबी बाग, गुरुग्राम और फरीदाबाद में भी नवजातों के तीन अस्पताल चला रहा है। शाहदरा जिला पुलिस का कहना है

कि दमकल व हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों के बारे में बताया जाएगा। उनसे कहा जाएगा कि वह अस्पताल पंजीकरण व फायर की एनओसी सहित अन्य निमयों की जांच करें। वहीं हादसे में जान गंवाने वाले नवजातों के अभिभावकों का कहना है अस्पताल संचालक के खिलाफ हत्या का केस चलना चाहिए।

स्वास्थ्य बीमा पर आयुष अस्पतालों का सेमिनार

एजेंसी

नई दिल्ली केंद्रीय आयुष मंत्रालय सामान्य बीमा कंपनियों और आयुष अस्पतालों का एक सेमिनार आयोजित करेगा जिसमें रोगियों को स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराने पर विचार विमर्श किया जायेगा।

केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने यहां बताया कि आयुष चिकित्सा में स्वास्थ्य बीमा के लिए समझ और सहयोग को बढ़ावा देने और सभी नागरिकों, आयुष अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को सस्ती आयुष स्वास्थ्य देखरेख प्रदान करने के लिए इस विचार विमर्श का आयोजन किया है।

सेमिनार में आयुष मंत्रालय में सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, आयुष मंत्रालय में बीमा के लिए विशेषज्ञों के कोर समूह के अध्यक्ष प्रो.बेजोन कुमार मिश्रा, मंत्रालय में सलाहकार डॉ. कौस्तुभ उपाध्याय, आईआईबीआई के योगानंद ताडेपल्ली और जीआईसी के सेगर संपतकुमार, मुख्य वक्ता होंगे। यह सेमिनार 27 मई को नयी दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनता के

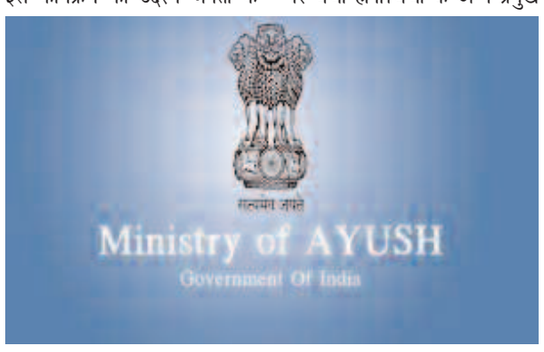

लिए आयुष उपचारों की पहुंच और सामर्थ्य को बढ़ाना और पूरे देश में समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत में स्वास्थ्य बीमा के लिए सार्वजनिक और निजी आयुष अस्पतालों को सूचीबद्ध करने की सुविधा भी प्रदान करना है। सेमिनार में स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में आयुष उपचारों को मुख्यधारा में लाने के लिए आवश्यक नियामक ढांचे और नीतिगत सहयोग पर चर्चा होगी।चर्चा के अन्य प्रमुख मुद्दे आयुष क्षेत्र में बीमा, बीमा क्षेत्र के लिए मानक उपचार दिशानिर्देश (एसटीजी) और आईसीडी कोड, बीमा क्षेत्र में आयुष का प्रवेश, आयुष अस्पताल की संभावना, आयुष अस्पतालों का बोर्डिंग ऑन रोहिणी मंच, बीमा के लिए आयुष अस्पताल का पैनल शामिल हैं।

यूट्यूबर ध्रुव राठी पर एकतरफा वीडियो पोस्ट करने का आरोप, स्वाति ने आप पर भी उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि आप नेता और इसके कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ जिस तरह से 'चरित्र हनन' अभियान चलाया, इसके बाद अब उन्हें दुष्कर्म और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने यूट्यूबर ध्रुव राठी पर भी उनके खिलाफ 'एकतरफा' वीडियो पोस्ट कर नफरत भरे अभियान को और बढ़ाने का आरोप लगाया।

आप सांसद ने लगाए ये आरोप

आप सांसद ने एक्स पर उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए मिले अपमानजनक संदेश और दुष्कर्म की धमकियों के कई स्क्रीन शाट शेयर किए हैं। मालीवाल ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट में कहा, 'मेरी पार्टी यानी आप के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मेरे खिलाफ चरित्र हनन, शर्मसार करने और भावनाओं को भड़काने का अभियान चलाया।

दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष ने आगे दावा किया कि पार्टी

नेतृत्व उन्हें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार के खिलाफ अपनी शिकायत वापस लेने के लिए धमकाने की कोशिश कर रहा है। मालीवाल ने यूट्यूबर ध्रुव राठी से भी निराशा व्यक्त की और कहा कि उनसे संपर्क करने और मामले में अपना पक्ष साझा करने के उनके प्रयासों के बावजूद, उन्होंने उनके फोन और संदेशों को नजरअंदाज कर दिया। स्वाति मालीवाल ने ध्रुव राठी पर आप प्रवक्ता होने का आरोप लगाया जो खुद को स्वतंत्र पत्रकार होने का दावा करता है जबकि वो मुझ जैसी पीड़ित महिला को शर्मिंदा करता है।

मालीवाल ने 2.5 मिनट के वीडियो का उल्लेख करते हुए लिखा है-

1. घटना घटित होने की बात स्वीकारने के बाद आम आदमी पार्टी ने अपने रुख से यू-टर्न ले लिया।

2. एमएलसी रिपोर्ट हमले के कारण चोटों का खुलासा करती है।

3. वीडियो का चुनिंदा हिस्सा जारी किया गया और फिर आरोपी का फोन फार्मेट कर दिया गया?

4. आरोपी को मौका-ए-वारदात (सीएम हाउस) से गिरफ्तार किया गया. उसे फिर से उस स्थान में प्रवेश करने की अनुमति क्यों दी गई? सबूतों से छेड़छाड़ के लिए?

5. एक महिला जो हमेशा सही मुद्दों के लिए खड़ी रहती है, यहां तक कि बिना सुरक्षा के अकेले मणिपुर भी गई, उसे भाजपा ने कैसे खरीद लिया?'

मालीवाल ने अंत में कहा कि वह इन दुष्कर्म और मौत की धमकियों की शिकायत दिल्ली पुलिस से कर रही हैं और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इसके बाद स्वाति मालीवाल ने कहा, जिस तरह से पूरी पार्टी मशीनरी और उसके समर्थकों ने मुझे बदनाम करने और शर्मिंदा करने का प्रयास किया है, वह महिलाओं के मुद्दों पर उनके रुख के बारे में बहुत कुछ बताता है। मैं इन दुष्कर्म और मौत की धमकियों की रिपोर्ट दिल्ली पुलिस को कर रही हूं। मुझे उम्मीद है कि वे अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे।

पक्षी टकराने के बाद लेह जा रहा स्पाइसजेट का विमान दिल्ली वापस लौटा

एजेंसी

नई दिल्ली। लेह जा रहा स्पाइसजेट का एक विमान सुबह पक्षी टकराने की वजह से दिल्ली वापस लौट आया। एयरलाइन ने यह जानकारी दी। यह विमान हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया और सभी यात्री सामान्य तरीके से बाहर आ गए। सूत्र ने बताया कि करीब 135 लोगों को लेकर लेह जा रहा बोइंग 737 विमान दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया।

स्पाइसजेट ने बयान में कहा कि विमान के इंजन 2 से पक्षी टकराने के बाद एसजी विमान वापस लौट आया। एयरलाइन ने स्पष्ट किया है कि विमान ने इमरजेंसी लैंडिंग नहीं की, बल्कि यह सामान्य तरीके से उतरा। इससे पहले सूत्र ने कहा था कि हवाई अड्डे पर पूर्ण 'इमरजेंसी' घोषित कर दी गई थी। 10:30 बजे उड़ान भरने के बाद इंजन में कंपन की वजह से 11 बजे विमान वापस लौट आया।

उपराज्यपाल ने अस्पताल में आग की घटना पर दिये जांच के आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में बच्चों के एक अस्पताल में आग लगने की घटना की जांच शुरू करने का निर्देश दिया।

सक्सेना ने एक्स पर आज कहा मुख्य सचिव से दिल्ली में बच्चों के अस्पताल में आग लगने की दुखद घटना की जाँच करने का निर्देश दिया है। साथ ही पुलिस उपायुक्त को सभी सुविधाएँ सुनिश्चित करने का भी आदेश दिया है।

उन्होंने कहा शोकसंतप्त परिवारजनों का साथ संवेदना व्यक्त करता हूँ। मैं सभी को राहत का आश्वासन देता हूं और सुनिश्चित करूंगा कि दोषियों को सजा मिले। उल्लेखनीय है कि पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में स्थित एक अस्पताल में

शनिवार रात को आग लगने के बाद 12 नवजात शिशुओं को वहाँ से निकाला गया जिसमें छह की मौत हो गई।

सोनिया , खड़गे , राहुल ने पंडित नेहरू को पुण्यतिथि पर किया नमन

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी , पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी 60वीं पुण्यतिथि पर नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रीमती गांधी और श्री खडगे ने सुबह पंडित नेहरू के समाधि स्थल 'शांति वन' जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा 'अपने कुशल नेतृत्व तथा सशक्त निर्णय से आधुनिक भारत की नींव रखने वाले पंडित नेहरू को शत्त-शत्त नमन।'

श्री खडगे के कहा 'आधुनिक भारत के शिल्पकार, भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक तथा विभिन्न क्षेत्रों में आगे ले जाने वाले, लोकतंत्र के समर्पित प्रहरी, स्वतंत्र

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एव हमारे प्रेरणास्रोत, पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के अतुलनीय योगदान के बिना भारत का इतिहास अधूरा है। 'हिन्द के जवाहर' को पुण्यतिथि पर हमारी विनम्र श्रद्धांजलि।'

देश उन्नत, प्रगति तथा एकता के लिए नेहरू को उदधृत करते हुए उन्होंने कहा ÷पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने कहा था, देश की रक्षा, देश की उन्नति, देश की एकता ये हम सबका राष्ट्रीय धर्म है। ये हम अलग अलग धर्म पर चलें, अलग- अलग प्रदेश में रहें, अलग भाषा बोलें, पर उससे कोई दीवार हमारे बीच खड़ी नहीं होनी चाहिए। सब लोगों को उन्नति में बराबर का मौका मिलना चाहिए। हम नहीं चाहते कि हमारे देश में कुछ लोग बहुत बड़े अमीर हों और अधिकतर लोग गरीब हों। आज भी कांग्रेस पार्टी उसी 'न्याय' के रास्ते पर चल रही है।'

श्री गांधी ने कहा 'आधुनिक भारत के शिल्पकार, देश के प्रथम प्रधानमंत्री, पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन। एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन-स्वतंत्रता आंदोलन, लोकतंत्र स्थापन, धर्मनिरपेक्षता और संविधान की नींव रखते हुए भारत निर्माण के लिए समर्पित किया। उनके मूल्य सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।'

नोएडा एक्सप्रेसवे पर रफ्तार का कहर, भीषण सड़क हादसे में 1 की मौत, 2 घायल

नोएडा। नोएडा में थाना सेक्टर 126 क्षेत्र के एक्सप्रेसवे पर मयूर स्कूल के पास एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर ग्रीन बेल्ट में पलट गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान दूसरी कार में सवार साथी युवक तीनों को तुरंत दिल्ली के अस्पताल में ले गए। जहां एक युवक को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि दो युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक मृतक युवक की पहचान नितिन निवासी दिल्ली के रूप में हुई है। घटना में बॉबी और आशीष गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि घटना के समय दो कार तेज रफ्तार में साथ चल रही थी। अचानक एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और फिर ग्रीन बेल्ट में पलट गई। इसके बाद दूसरी कार में सवार युवक का ग्रुप घटना में घायल तीनों युवकों को दिल्ली के एक निजी अस्पताल ले गए। इस संबंध में थाना सेक्टर 126 प्रभारी का कहना है कि हादसे की जानकारी मिली थी। लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही साथी युवक तीनों घायलों को दिल्ली ले जा चुके थे। उनसे संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है।

NAME CHANGE
I, MUKESH DANG / MUKESH S/O MADAN LAL RESIDING AT 228 GAGAN VIHAR KRISHNA NAGAR DELHI-110051 HAVE CHANGED MY NAME TO MUKESH KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Himanshu S/o Surender R/o House No-65, 3rd Floor, Sector, Part-3, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To Himanshu Sharma S/o Surender Kumar For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, VICKY KUMAR son of BACHHU LAL resident of B-1/90, MADHU VIHAR, uttam nagar, DIST: West Delhi, Delhi-110059 have changed my name from VIKKY to VICKY KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I Ali Ahmed S/O Chunnu Khan R/O L-36G,Sheikh Sarai-II,South Delhi,Delhi-110017 have changed my name to Ali Ahmed Khan for all future purposes .

NAME CHANGE
I, hitherto Known as SATNAM KAUR alias PARAMJEET KAUR SODHI W/o KULDEEP SINGH SODHI residing at WZ-65/1, Gali No. 25, Sant Garh, Tilak Nagar, west Delhi, Delhi -110018 have changed my name and shall hereafter be known as PARAMJEET KAUR SODHI.

NAME CHANGE
I, SAIMA KHATOON W/O IMRAN AHMAD RESIDING AT H NO-5420 UNCHI GALI KUCHA REHAN CHANDNI CHOWK DELHI-110006 HAVE CHANGED MY NAME TO SAIMA BEGUM FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, PUJA DEVI wife of JC-812817A Rank-NB SUB Name-SOHAN LAL R/O VPO-MUANA, TEH-SAFIDON, DISTT-JIND, HARYANA-126162 have changed my name from PUJA DEVI to POOJA for all future purposes vide affidavit dated 27/05/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, ANWAR ZABIN D/o WIRASAT HUSAIN, residing at 48-A, Noor Nagar, MCD School, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025, declare that name of my father has been wrongly written as Virasat Hussain in my all educational certificates. The actual name of my father is Wirasat Husain respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Rubi Mittale W/o Anil Kumar R/o H No-152 F/F, KH No-482 Asola Fateh Pur Beri. DELHI-110074, have changed my name Rubi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MANISH KUMAR WADDAN alias MANISH OBEROI S/O VIPIN KUMAR R/O D-38A, 3RD FLOOR, SHYAM NAGAR, TILAK NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110018 have changed my name and shall hereafter be known as MANISH OBEROI.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, RASHID HUSAIN FAROOQUI S/o WIRASAT HUSAIN, residing at 48-A, Gali No.8, Noor Nagar, Jamia Nagar, New Delhi-110025, declare that name of my father has been wrongly written as Wirasat Husain Farooqui in my all educational certificate. The actual name of my father is Wirasat Husain respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SIVAKUMAR ARUMUGAM S/O KUPPUSWAMY ARUMUGAM residing at H NO-158A, FIRST FLOOR, DDA JANATA FLAT, OLD MAYUR VIHAR PHASE-1, DELHI-110091 have changed my name to SIVAKUMAR for all future purposes

NAME CHANGE
I, JC-340672N Rank-SUB Name-SURYA PRAKASH presently residing at VILL-SISAI RANI PUR, POST-CHUWAR, TEH-MANKAPUR, DIST-GONDA, U.P-271313 have changed my wife's name from VIMLESH to VIMLESH MISHRA for all future purposes vide Affidavit Dated 27/05/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, TEJ PRAKASH S/o RAMESH CHANDRA, residing at A-117, Laxmi Park, Nangloi, West Delhi, Delhi - 110041, declare that name of my minor Daughter has been wrongly written as HARSIKA in my minor Daughter namely HARSHIKA MATHUR aged 11 year in her SC Caste Certificate No. 90510000123819. The actual name of my minor Daughter is HARSHIKA MATHUR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, TEJ PRAKASH S/o RAMESH CHANDRA, residing at A-117, Laxmi Park, Nangloi, West Delhi, Delhi - 110041, declare that name of my minor son has been wrongly written as UDIT in my minor son namely UDIT MATHUR aged 16 year in his SC Caste Certificate No. SC/03/31/ 58829/31/1/ 2013/8931093772. The actual name of my minor son is UDIT MATHUR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the public at large that my client Smt. Mamta W/o Late Sh. Subhash Chand, R/o House No. WZ-256 E/1, Inderpuri, L.A.R.I., Central Delhi, New delhi-110012, disown/debar his Son namely Chetan and his wife Smt. Mamta Tanwar from all his moveable, immoveable properties and from all connections and relations as they are not obeying and respecting my clients and my clients will not be responsible for any acts committed by them and if any one deals with them shall be doing at his/her own costs and risks.
SUMIT GUPTA Advocate
Ch. No. 442. 4th Floor, Dwarka Court Complex Dwarka New Delhi 110075

NAME CHANGE
I N C Mundhra S/o Asha Ram Mundhra R/o Flat No. 902, T-12, Maxcity Ramprastha Greens Near Vaishali Metro Station, IE Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201010 have changed my name to Nem Chand Mundhra for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as POORVA alias PURVA GAUTAM alias KM. PURVA W/O PRADEEP KUMAR GAUTAM D/O RAJPAL SINGH R/O PLOT NO692, FLAT NO. E-5, BLOCK A, MAHAVIR APARTMENT NEAR SUNDERLAL HOSPITAL, DEVLI, SOUTH DELHI, DELHI-110080 have changed my name and shall hereafter be known as PURVA GAUTAM.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ZAKIR SHAIKH S/o MOHD SAEED, residing at H. No.-T 413, Street No.-20, Near Water Tank, Gautam Puri, New Seelampur, North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of mine has been wrongly written as ZAKIR in my Driving Licence No. DL- 0520090042752 (P). The actual name of mine is ZAKIR SHAIKH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, AJIT KUMAR S/o MANU PRASAD, R/o G - 68, Harijan Basti, Palam Extn., Palam Village, South West Delhi, Delhi -110045, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as AJIT GUPTA and PREETI GUPTA in my minor Son ANSH GUPTA, aged 14 years in his School Record. The actual name of mine and my wife are AJIT KUMAR and PRITY KUMARI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Rajesh Mundra S/o Nem Chand Mundhra R/o Flat No. 902, T-12, Maxcity Ramprastha Greens Near Vaishali Metro Station, IE Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201010 have changed my name to Rajesh Mundhra for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AYYUB S/O JAFROODEEN Residing at H NO-C-722/3 F/F MANDIR WALI GALI NO-3 CHAUHAN BANGER SEELAMPUR DELHI 110053 have changed my name to AYYUB KHAN for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती गुलनाज़ एक आवासीय प्लाट जिसका क्षेत्रफल 66.88 वर्ग मीटर यानि 80 वर्ग गज, खसरा नंबर 343, ग्राम मिल्क लच्छी, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर, उ.प्र. में स्थित हैं को श्री धनंजय कुमार केसरवानी से खरीदने का इरादा रखते हैं। उक्त संपत्ति श्री धनंजय कुमार केसरवानी ने श्री महेश से बिक्री विलेख दिनांक 12.12.2013, दस्तावेज़ संख्या 9381 के माध्यम से खरीदा है, उपरोक्त संपत्ति हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा लक्ष्मी नगर दिल्ली द्वारा वित्तपोषित की जाएगी। उपरोक्त संपत्ति के स्वामित्व सम्बंधित मूल बिक्री विलेख दस्तावेज़ क्रमांक नंबर 7632, पुस्तक नंबर 1, खंड नंबर 4315, पेज नंबर 371-382, दिनांक 27.04.2012, एसआरओ- दादरी, श्री धनंजय कुमार केसरवानी द्वारा कही खो गया है, जिसका एफआईआर (प्राथमिकी नंबर) एल.आर. संख्या 1760375/2024 को 24.05.2024 को ऑनलाइन पी.एस. क्राइम ब्रांच, दिल्ली में दर्ज की गई है यदि मूल बिक्री विलेख किसी भी व्यक्ति के कब्जे में पाया जाता है तो कृपया मूल संपत्ति दस्तावेजों के साथ हमे इस नोटिस की तारीख से 07 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें ! ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री विलेख के अनुसार विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और शून्य के रूप में दावा माना जाएगा.
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, hitherto known as JAIMALA alias JAIMALA GOLIYAN D/o BARU SINGH W/o SAHANSAR PAL residing at House No. -C -36, C-Block, Street No. -3 , Indra Niketan, North Chajjupur, Shahadra, PO - Dayalpur, District North East Delhi 110094 have changed my name and shall hereafter be known as JAIMALA GOLIYAN.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती सेवत पत्नी श्री ब्रजपाल एमयू नंबर 133, किला नंबर 12/2(5-15), 05 कनाल 15 मरला का में से 03 मरला (100 वर्ग गज) फ्रीहोल्ड आवासीय भूमि की मालिक हैं। अरजी जराई वाका मोजा मोहन नगर, पलवल तहसील और जिला पलवल हरियाणा में स्थित है। विक्रय विलेख दिनांक 11.06.2019 विधिवत पंजीकृत। दस्तावेज़ संख्या 3563, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 5/75, पृष्ठ संख्या 91.75/78-79, एसआर पलवल के रूप में, आज तक और उसका मूल विक्रय पत्र दिनांक 24.08.2011 विधिवत खो गया है/गुम हो गया है। दस्तावेज़ संख्या 6079 पुस्तक संख्या 1 खंड के रूप में। संख्या 6/128 पृष्ठ संख्या 71/13 से 14 एसआर-पलवल। इसे श्री नरेंद्र कुमार गौड़ और श्री सुरेंद्र कुमार गौड़ के पक्ष में निष्पादित किया गया था, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और जनशा फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड शाखा कमरा नंबर 1004 द्वारा उसी संपत्ति का वित्त पोषण किया गया है। 10वीं मंजिल, अरुणाचल बिल्डिंग, बाराखंभा, रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

हरियाणा के सभी हलकों में सामान्य पर्यवेक्षकों ने की इलेक्शन पेपरों की स्क्रूटनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में संपन्न हुए लोकसभा आमचुनाव 2024 को लेकर भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षकों ने लोकसभा क्षेत्रों के सभी विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न इलेक्शन पेपरों की स्क्रूटनी की। सामान्य पर्यवेक्षकों ने सभी विधानसभा क्षेत्रों के एआरओ को बुलाकर 17-ए, पीठासीन अधिकारी की डायरी, विजिट सीट सहित विभिन्न कागजातों की जांच की।

सामान्य पर्यवेक्षक आर. गजलक्ष्मी (आईएएस) ने जिला सैनिक बोर्ड के मीटिंग हाल में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों, हिसार के सामान्य पर्यवेक्षक गोपाल चंद,रोहतक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक डॉ.एन प्रभाकर रेड्डी, करनाल लोकसभा निर्वाचन से सामान्य पर्यवेक्षक ई रविन्द्रन, अंबाला के सामान्य ऑब्जर्वर, सामान्य पर्यवेक्षक देव कृष्णा तिवारी ने सिरसा के लघु सचिवालय के सभागार में सिरसा लोकसभा क्षेत्र, फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के जनरल ऑब्जर्वर अक्षय कुमार ने जिला निर्वाचन अधिकारियों की उपस्थिति में स्क्रूटनी की।

भीषण गर्मी को देखते हुए बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 31 तक रहेगा अवकाश

एजेंसी

हिसार। उपायुक्त प्रदीप दहिया ने जिले में भीषण गर्मी के मौसम के दृष्टिगत बाल वाटिका से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के अवकाश को 31 तक बढाने के निर्देश दिए हैं। इससे पूर्व आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए 24 मई तक अवकाश की घोषणा की गई थी।

उपायुक्त ने जिला शिक्षा अधिकारी व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि जिले में बाल वाटिका से लेकर बारहवीं कक्षा तक का सरकारी, अर्धसरकारी व प्राइवेट विद्यालयों में अवकाश को सुनिश्चित किया जाए। अवकाश अवधि के दौरान शिक्षक, गैर शिक्षक अधिकारी/कर्मचारी पूर्व की भांति विद्यालय में उपस्थित रहेंगे।

नौतपा की दस्तक से गुरुग्राम का पारा हुआ 43 के पार

गुरुग्राम। नौतपा से पूरा हरियाणा ताप रहा है। प्रचंड गर्मी पड़ रही है। इंसानों, जानवरों, पक्षियों का जीवन खतरे में आ गया है। हर उम्र के व्यक्ति के लिए यह समय संकट भरा है। ऐसे में जब तक जरूरी ना हों, बच्चे, बड़े, बुजुर्ग घरों से ना निकलें। अगले पांच दिन तक ऐसी ही प्रचंड गर्मी सताएगी। दो जून तक नौपता का प्रभाव अधिक रहेगा।

25 मई से 9 तक दिन तक चलने वाला नौतपा भी शुरु हो गया है। नौतपा के चलते कई क्षेत्रों में पारा 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। गुरुग्राम का पारा 43 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 6 राज्यों हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, यूपी, गुजरात व मध्यप्रदेश में लू का रेड अलर्ट भी जारी किया है। जिला प्रशासन ने भी आमजन से आग्रह किया है कि वे आवश्यक कार्य से ही बाहर निकलें। दोपहर में घरों से बाहर कम ही निकलें। बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाए। अपने पशु, पक्षियों को भी संभालें। दिन के साथ-साथ रातें भी काफी गर्म बनती जा रही हैं। बताया जा रहा है कि 25 मई को सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने के साथ ही नौतपा की शुरुआत हो गई है। इसका असर आगामी 2 जून तक रहेगा। इस दौरान सूर्य पृथ्वी के काफी करीब होता है और उसकी किरणें सीधे धरती पर पड़ती हैं। गर्मी बढने के साथ बिजली की मांग भी दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। गर्मी अधिक पडने से बिजली की आपूर्ति भी बाधित हो रही है। आमजन काफी परेशान है।

एसी ब्लास्ट के बाद अस्पताल में लगी आग, एक की मौत

हिसार। आईटीआई चौक स्थित वीके न्यूरोकेयर एंड ट्रामा रिसर्च अस्पताल में शाम को बड़ा हादसा हो गया। यहां एयर कंडिशनर बॉक्स में ब्लास्ट के बाद आग लग गई। इसके बाद पूरे अस्पताल में धुआं फैल गया। परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बना तो इमरजेंसी में अस्पताल में दाखिल गंभीर हालत वाले मरीजों को रेस्क्यू कर दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करना पड़ा। गंभीर हालत वाले 18 मरीजों को शिफ्ट करने में सबसे अधिक भागदौड़ करनी पड़ी। इससे उनकी स्वास्थ्य सेवा भी प्रभावित हुई। एक महिला मरीज जींद के गांव रेवर की मंजीत कौर की शिफ्टिंग के बाद दूसरे निजी अस्पताल में मौत हो गई। उन्हें एक सड़क हादसे में घायल होने पर सुबह ही वीके न्यूरो केयर एंड ट्रामा रिसर्च अस्पताल में दाखिल कराया गया था। चिकित्सकों के अनुसार, मंजीत कौर की मौत की वजह भी हादसे में लगी गंभीर चोट रहीं। वीके अस्पताल में हुए हादसे को लेकर बताया जा रहा है कि यहां शाम साढ़े पांच बजे प्रथम तल पर आईसीयू के पास जनरल वार्ड के बाहर लगे एसी में शार्ट सर्किट के कारण जोरदार ब्लास्ट हुआ।

चंडीगढ़ में लागू होगा अपार्टमेंट एक्ट, कॉलोनियों को मिलेगा मालिकाना हक : हरदीप पुरी

स्टार्टअप को बढ़ावा देने के साथ निवेश बढ़ाने पर रहेगा फोकस

एजेंसी

चंडीगढ़। सिटी ब्यूटीफूल आगामी पांच सालों में देशभर में विकास मॉडल बनेगा। भाजपा ने 'विकसित चंडीगढ़' का संकल्प पत्र पेश किया जिसमें आगामी पांच सालों विकसित सिटी बनाने के साथ शहर के मुद्दे और समस्या समाधान का वादा किया है।

सेक्टर-33 भाजपा कमलम कार्यालय में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पूरी की मौजूदगी में भाजपा उम्मीदवार संजय टंडन, प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा और संकल्प पत्र समिति अध्यक्ष शक्ति प्रकाश देवशाली ने संकल्प पत्र लॉन्च किया। भाजपा उम्मीदवार संजय टंडन ने बताया कि संकल्प पत्र में अपार्टमेंट एक्ट को लागू करने के साथ कॉलोनियों का मालिकाना हक दिलाने और चंडीगढ़ में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने तथा निवेश को बढ़ाने की योजना तैयार की गई है। यही नहीं संकल्प पत्र में

लाल डोरे के विस्तार से लेकर मेट्रो परियोजना को लागू करने का वादा किया गया है।

इसके साथ ही चंडीगढ़ को टूरिज्म एवं इवेंट सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा, मेडिकल और एजुकेशन हब, स्टार्ट-अप और बिजनेस हब के साथ स्टोर्ट्स हब के रूप में विकसित किया जाएगा। संकल्प पत्र में हाउसिंग बोर्ड और को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी का भाजपा के दिल्ली पैटर्न पर समाधान किया जाएगा और सरकारी कर्मचारियों की जिस हाउसिंग स्कीम को कांग्रेस द्वारा रद्द किया गया था, उसे भाजपा ने पुन- लागू करवाया है, दूसरे चरण में अब कीमत संबंधी, जो विसंगतियां हैं, उन्हें दूर कर सकारी कर्मचारियों की हाउसिंग स्कीम को साकार किया जाएगा।

चंडीगढ़ में मकानों को ही शेयरवाइज व फ्लोरवाइज खरीद कर अपने मकान का सपना पूरा कर सकते हैं। प्रशासन की ओर से फ्लोरवाइज रजिस्ट्री की रोक को हटवाने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही ईडब्ल्यूएस तथा टेमामेंट कालोनियों में रह रहे लोगों के लिए नीति निर्धारित करके मालिकाना हकदिलाया जाएगा। अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम के तहत चंडीगढ़ में मकान खरीदने में असमर्थ लोगों को मल्टीस्टोर अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम का प्रावधान करने का प्रयास किया जाएगा, वहीं मरला हाउसिंग के निर्माण को नियमित कराया जाएगा।

'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने दीवार को सुंदर कलाकृतियों से सजाया

एजेंसी

हिसार। 'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने अपने साप्ताहिक अभियान के तहत डीएन कॉलेज रोड पर नारायणी सेवा सदन के साथ लगती दीवार पर सुंदर कलाकृतियां बनाई। पिछले हफ़्ते ग्रुप के सदस्यों ने इस दीवार के बेस को सफ़ेद पेंट किया था।

अत्यधिक गर्मी होने के बावजूद ग्रुप के सदस्यों में उत्साह की कोई कमी नहीं थी। कुछ समय पहले ही नारायणी सेवा सदन में हमारा प्यार हिसार की लाइब्रेरी शिफ्ट हुई है और ग्रुप के सदस्य यहां के आसपास की दीवारों को साफ़ सुथरा कर क्षेत्र को सुंदर बना रहे है। इसके साथ ही सदस्यों ने आसपास के फुटपाथों पर पड़े मलबे को भी साफ़ किया।

अभियान में डॉ. सुरेन्द्र गर्ग, प्रो. हरीश भाटिया, अजय गोरखपुरिया, दिनेश बंसल, हरीशचन्द्र, डॉ. विजय कादियान, डॉ. निशांत बंसल, राजेंद्र गहलोत, संजय गर्ग, जितेंद्र बंसल, युद्धवीर पानू, नौरंग लाल, अनुराग महेश्वरी, रवि परवाल, आकाश, राघव, मन्नत ढिल्लों, सोनू वर्मा, प्रवीण अग्रवाल, लक्ष्य, अतुल सिंघल, पुलकित, श्यामांश गोरखपुरिया, कमल भाटिया, कविता टंडन, रेखा गर्ग, योगिता साबू, महिमा, पूर्वी बंसल, श्रुति गुप्ता, निवि बंसल, हितिषा, नंदिनी, पाखी, रिया, मेघा, ऋषिका, इप्शिता व रिमचा शामिल हुए।

गर्मी भीषण है, अनावश्यक रूप से बाहर ना निकलें...

मौसम विभाग ने गर्मी को लेकर जारी किया अलर्ट

एजेंसी

झज्जर। मौसम विभाग द्वारा क्षेत्र में गर्मी के मौसम को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। अगले दो दिनों तक जिले में शुष्क मौसम रहने व लू चलने की संभावना जताई गई है जिसे देखते हुए जिला प्रशासन ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। जिले में तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है व आने वाले दो से तीन दिनों तक शुष्क मौसम व लू का प्रकोप जारी रहने का अलर्ट जारी किया गया है।

झज्जर के उपायुक्त शक्ति सिंह ने कहा कि क्षेत्र के लोग अनावश्यक धूम में निकलने से बचे व हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें। अगर धूप में घर से निकलते हैं तो सिर पर टोपी रखें या फिर छतरी का इस्तेमाल करें ताकि गर्मी से बचाव रहे। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी में लोगों से अपने रोजमर्रा के कार्य सुबह व शाम के समय समायोजित करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल में भी पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि गर्मी के मौसम में आमजन के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाए। डीसी ने बताया कि आगामी 28 मई तक जिले में भीषण गर्मी व लू (सिवियर हीट वेव) का अलर्ट है व रात के समय भी तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। इसके अलावा 29 मई व 30 मई के दिन भी तापमान गर्म रहेगा इन दोनों दिनों के लिए सचेत व निगरानी का अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि लू से बचाव

के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें। यदि बच्चे को चक्कर आए, उल्टी घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं।

रेंडमली जांच में सही पाई गई बूथों की रिपोर्ट

एजेंसी

हिसार। लोकसभा आम चुनाव के मतदान उपरांत सामान्य पर्यवेक्षक गोपाल चंद, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त प्रदीप दहिया तथा राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों व उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पंचायत भवन में मतदान संबंधी सभी कागजातों की स्क्रूटनी की गई। इस दौरान सभी बूथों की रिपोर्ट का रेंडमली निरीक्षण किया गया, जिसे जांच उपरांत सही पाया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप दहिया द्वारा राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों व उनके प्रतिनिधियों से मतदान प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी प्रकार की शंका बारे में पूछने पर उम्मीदवारों व उनके प्रतिनिधियों द्वारा संतुष्टि जताई गई।

उन्होंने बताया कि लोकसभा का चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के साथ संपन्न करवाने के लिए चुनाव कार्य में लगे सभी अधिकारी/कर्मचारियों की प्रशंसा की।

स्क्रूटनी प्रक्रिया में स्वीप नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त नीरज, एसीयूटी कनिका गोयल, बवानी खेड़ा सहायक रिटर्निंग अधिकारी हर्षित कुमार,

हिसार सहायक रिटर्निंग अधिकारी जयवीर यादव, नारनौंद सहायक रिटर्निंग अधिकारी प्रवीण कुमार, हांसी सहायक रिटर्निंग अधिकारी मोहित महराणा, बरवाला सहायक रिटर्निंग अधिकारी अजय चौपड़ा, उचाना सहायक रिटर्निंग अधिकारी गुलजार मलिक, उकलाना सहायक रिटर्निंग अधिकारी चेतना चौधरी, आदमपुर सहायक रिटर्निंग अधिकारी नरेन्द्र सिंह, चुनाव तहसीलदार जगदीप मान, बीजेपी से चुनाव एजेंट रनिष सहारन, निर्दलीय उम्मीदवार रणधीर सिंह व सुरेंद्र कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

फतेहाबाद में गर्मी ने रिकार्ड तोड़े, तापमान पहुंचा 48 डिग्री सेल्सियस

एजेंसी

फतेहाबाद। फतेहाबाद में पिछले एक सप्ताह से आसमान से बरस रही आग ने लोगों को झुलसा कर रख दिया है। नौतपा के दूसरे दिन फतेहाबाद में गर्मी ने सारे रिकार्ड ध्वस्त कर दिए। यहां का अधिकतम तापमान बढक़र 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यही नहीं, दिन में ही सूर्य देवता अपना प्रकोप दिखा रहा है, रात के तापमान ने भी लोगों को नींद उड़ाई हुई है। यहां का न्यूनतम तापमान 30 डिग्री तक पहुंच गया है।

भीषण गर्मी के चलते शहर के सभी बाजार सुनसान पड़े है। सडक़ों पर इक्का-दुक्का लोग ही नजर आ रहे हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए

मौसम विभाग ने भी फतेहाबाद में रेड अलर्ट जारी किया हुआ है। मौसम विभाग द्वारा अभी 28 मई तक गर्मी से कोई राहत की उम्मीद न मिलने की भविष्यवाणी ने भी लोगों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। सोमवार को एक बार फिर स्कूल खुलने से सबसे ज्यादा परेशानी विद्यार्थियों को उठानी पड़ेगी। फतेहाबाद का अधिकतम तापमान 48 डिग्री होने का अनुमान लगाया गया है। यहां तापमान में 1 से 2 डिग्री बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। राज्य के बाकी जिलों में भी मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा एडवाइजरी जारी की जा चुकी है। डॉक्टरों का भी कहना है कि इस मौसम में डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में लोगों को खूब पानी पीना चाहिए। साथ ही जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलना चाहिए। मौसम विशेषज्ञ का कहना है कि अगले 4-5 दिनों के दौरान हरियाणा में मौसम शुष्क रहेगा। फिलहाल प्रदेश के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 45-46 डिग्री के बीच बना हुआ है। अगले 3-4 दिनों में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। अगले कुछ दिन प्रदेश में हीटवेव जारी रहने की उम्मीद है। खासकर दक्षिणी व पश्चिमी हिस्सों में गंभीर हीटवेव की स्थिति रहेगी।

20 फीट गहरी खाई में गिरी कार, हादसे में पंजाब के पांच लोगों की मौत

एजेंसी

हिसार। शहर के दिल्ली नेशनल हाईवे बाईपास पर दोपहर को हुए सड़क हादसे में एसयूवी कार सवार पंजाब के पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में कार ट्रक से टकराने के बाद 20 फीट गहरी खाई में पलट गई थी। टक्कर का कारण तेज रफ्तार ट्रक के अचानक यूटर्न लेकर कार की लेन में आना माना गया है। मृतकों में पंजाब के मोड़ मंडी निवासी बग्गा सिंह(52), उसकी पत्नी मधुबाला(45), भाई रणजीत सिंह(48), बग्गा का साला सतपाल(40) और सिरसा के कालांवाली का रवि शामिल हैं। ये सभी हिसार जिले के हांसी शहर में बग्गा सिंह की बेटी का रिश्ता करने के लिए लड़का देखने आए थे। हादसे में रणजीत का बेटा तरसेम सिंह(26), हार्दिक(8), परिवार की पड़ोसी युवती डिंपल (25) और गीतू घायल हो गए। इन सभी को हिसार के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। स्वजन ने बताया कि मोड़ मंडी निवासी बग्गा सिंह की दो बेटी और एक बेटा हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान

भाजपा बैठक में नेताओं ने किया आगामी रणनीति पर विचार-विमर्श

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव में अपनी जीत का दावा करते हुए पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को शांत होकर न बैठने तथा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर देने का निर्देश दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि विधानसभा चुनाव ज्यादा दूर नहीं है, ऐसे में हमें लोकसभा चुनाव की मतगणना के बाद विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाना है।

इस संबंध में भाजपा जिला कार्यालय में लोकसभा चुनाव समिति की बैठक हुई। जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, लोकसभा उम्मीदवार रणजीत

सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। बैठक में चुनाव में लगे सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए नेताओं ने कहा कि गर्मी के मौसम में दिन-रात मेहनत करके पार्टी के हर पदाधिकारी व कार्यकर्ता ने हमारी जीत सुनिश्चित की है।

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता ने उत्साह से भाग लिया वहीं हमारे कार्यकर्ताओं ने पार्टी व लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेवारी निभाते हुए मतदाताओं को वोटिंग के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से कहा कि वे शांत होकर न बैठें, विधानसभा चुनाव ज्यादा दूर नहीं है। ऐसे में हमें मतगणना के तुरंत बाद विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लग जाता है। उन्होंने कहा कि चुनावी युद्ध में सफलता उसी को मिलती है, जो समय से तैयारियां करके किलेबंदी कर ले। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा उम्मीदवार रणजीत सिंह ने चुनाव में साथ देने पर सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भले ही हिसार से उनका पुराना नाता रहा हो लेकिन भाजपा में वे अभी आए थे और नए थे।

भाजपा मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि बैठक में चुनाव में लगे सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर उपरोक्त के अलावा बैठक में जिला महामंत्री अशोक सैनी व आशीष जोशी, लोकसभा संयोजक रवि सैनी, वरिष्ठ नेता मनदीप मलिक, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, जिला उपाध्यक्ष रणधीर सिंह धीरू व संजीव रेवड़ी, जिला मंत्री नीरज देवी, कोषाध्यक्ष मनीष गोयल, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता रेड्डू, मीनू भूटानी, प्रोमिला पूनिया व कार्यालय प्रभारी रविन्द्र कालीरावण सहित अन्य भी मौजूद रहे।

ईवीएम लेकर लौट रही बस का एक्सीडेंट, महिला कांस्टेबल गंभीर घायल

एजेंसी

कैथल। देर रात ईवीएम लेकर लौट रही बस को अज्ञात कैंटर चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में सीआरपीएफ की महिला कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे बाजू पर गंभीर चोटें आई हैं। कैथल के प्राइवेट अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद उसे चंडीगढ़ के पीजीआई में रेफर किया गया है। पुलिस ने अज्ञात कैंटर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

एचपीए मधुबन में तैनात ला इंस्ट्रक्टर सब इंस्पेक्टर रामनिवास ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान उसकी ड्यूटी गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल चीका में लगी हुई थी। वह बूथ नंबर 48 से 52 पर बतौर ड्यूटी ईन्चार्ज नियुक्त था। चुनाव समाप्त होने के बाद रात 8:00 बजे चुनाव ड्यूटी दे रहे स्टाफ व टीम को लेकर लौट रहा था। चुनाव करवाने वाली टीम में सीआरपीएफ की

सीटीजीडी पिंकी सैनी व सुमन मौजूद थी। यह सभी ईवीएम मशीनों को जमा करवाने के लिए चालक चनप्रीत सिंह की बस में सवार होकर चीका से कैथल आ रहे थे। वह अपनी प्राइवेट गाड़ी में बस के पीछे चल रहे थे। जब रात को हुए 8:30 बजे सीवन पहुंचे तो कैथल से सिवान आ रहे अज्ञात कैंटर चालक ने लापरवाही से बस को टक्कर मार दी। जिसमें सीआरपीएफ की सीटीजीडी पिंकी सैनी के दाएं हाथ में काफी चोटें आई। जिसे लेकर वह कैथल के सिग्नस अस्पताल में पहुंचे। चोटें ज्यादा गंभीर होने के कारण डॉक्टर ने पिंकी को चंडीगढ़ पीजीआई रेफर कर दिया। पुलिस ने अज्ञात कैंट चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सरपंच को निकाली जातिसूचक गालियां, पिता-पुत्र पर केस दर्ज

एजेंसी

फतेहाबाद। लोकसभा चुनावों को लेकर वोटिंग के दिन गांव एमपी रोही में कुछ लोगों द्वारा पंचायती चुनाव की रंजिश के चलते सरपंच को जातिसूचक गालियां निकालने का मामला सामने आया है। इस मामले में सरपंच की शिकायत पर सदर फतेहाबाद पुलिस ने शनिवार को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

सदर फतेहाबाद पुलिस को दी शिकायत में गांव मोहम्मदपुर रोही के सरपंच रामेश्वर दास ने कहा है कि वह अनुसूचित जाति से सम्बंध रखता है। 25 मई को गांव के स्कूल में लोकसभा चुनावों को लेकर मतदान हो रहा था। जब वह राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, एमपी रोही के प्रांगण में पहुंचा तो वहां गांव के ही कृपा राम व उसका लडक़ी कुलदीप सिंह दो अन्य लडक़ों के साथ उसके पास हुए। उक्त लोग पंचायत चुनावों को लेकर उससे रंजिश रखते थे। इन लोगों ने आते ही उससे कहा कि उसने मोबाइल फोन क्यों ले रखा है और जोर-जोर से बोलने लगा। सरपंच ने बताया कि इस पर उसने युवकों से कहा कि जब वह पोलिंग बूथ के अंदर जाएगा तो मोबाइल बाहर रख कर जाएगा। शोर-शराबा सुनकर वहां ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारी उनके पास आए औश्र उन्हें स्कूल से बाहर जाने को कहा।

NAME CHANGE

It is for general information that I, RATNAKAR MAHANA S/o MADHUSUDAN MAHANA, residing at H. No. D-4/205, Shiv Durga Vihar, Lakkarpur, Surajkund Faridabad, Haryana - 121009, declare that name of my minor Son has been wrongly written as DIVYORANJAN MAHANA in my minor son namely DIVYO RANJAN MAHANA aged 16 years in his Aadhar Card No. 5306 0888 4381 and his Birth Certificate. The actual name of my minor Son is DIVYO RANJAN MAHANA, which may be amended accordingly.

गांव रोहेड़ा का ब्लाइंड मर्डर: बेटा ही निकला हत्यारा

एजेंसी

कैथल। मां बहन के साथ मारपीट करने और गाली गलोच करने पर बेटे ने ही दोस्त के साथ मिलकर बाप की हत्या कर दी। पुलिस ने बेटे के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। गांव रोहेड़ा में घर में अकेले रहने वाले व्यक्ति के मर्डर की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। 18 मई को घर में ही राजेंद्र का शव मिला था। डीएसपी ललित कुमार ने बताया कि दूध की डेरी का काम करने वाले गांव रोहेड़ा निवासी महिपाल ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह कैथल में रहता है और उसके बड़े भाई राजेंद्र के बच्चे गांव शेरगढ़ में किराए के मकान में रहते हैं। उसका भाई राजेंद्र गांव में अपने मकान में अकेला रहता था।18 मई को वह अपने घर कैथल आया हुआ था। उसे शाम करीब चार बजे सूचना मिली कि राजेंद्र की हत्या हो गई है। इसके बाद वह अपने भतीजे और राजेंद्र के बेटे अभिषेक को साथ लेकर गांव गया। जहां पर मकान के अंदर राजेंद्र का शव खुले आंगन में औंधे मुंह पड़ा था। उसकी कमर, गर्दन पर व सिर पर तेजधार हथियार के 10-12 के गहरे निशान थे और उसके शरीर से काफी खून निकला हुआ था। थाना राजौंद में अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच करते हुएसीआईए-1 प्रभारी इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह, थाना राजौंद एसएचओ इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह, एसआई मनबीर सिंह तथा साइबर सेल प्रभारी एएसआई सतबीर सिंह की टीम ने पिता की हत्या के आरोप में उसके बेटे अभिषेक और शेरगढ़ निवासी उसके दोस्त अंकित उर्फ साहिल को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान सामने आया कि राजेंद्र अक्सर अभिषेक की मां और बहन के साथ गाली गलौज वह मारपीट करता था। जिस कारण अभिषेक उससे रंजिश रखता था। उसके पिता राजेंद्र ने जमीन के ठेके के पैसे भी अभिषेक को देने से मना कर दिया।

सरसों और मूंगफली तेल चढ़ा; दालें महंगी

एजेंसी

नई दिल्ली । विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव होने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में सरसों तेल और मूंगफली तेल के भाव चढ़ गए तथा दालें महंगी हो गईं वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा। तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा सप्ताहांत पर 30 रिंगिट उतरकर 3866 रिंगिट प्रति टन रह गया। वहीं, जून का

अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.52 सेंट की बढ़त के साथ 45.28 सेंट प्रति पौंड बोला गया। सप्ताहांत पर सरसों तेल 110 रुपये और मूंगफली तेल 220 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। वहीं, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी सप्ताह के स्तर पर टिके रहे। सप्ताहांत पर सरसों तेल 12930 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19267 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 12088 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 12234 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 8933 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 11200 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

रेंज रोवर 22 फीसदी सस्ती होगी; संगठित क्षेत्र में नौकरी बढ़ने का दावा; विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 मई को समाप्त हफ्ते में 4.55 अरब डॉलर बढ़कर 648.7 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। लगातार तीसरा सप्ताह है, जब भंडार में तेजी आई है। इससे पहले 5 अप्रैल के हफ्ते में यह रिकॉर्ड 648 अरब डॉलर के पार रहा था। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 10 मई के हफ्ते में विदेशी मुद्रा संपत्ति 3.36 अरब डॉलर बढ़कर 569 अरब डॉलर पर पहुंच गई। सोने का भंडार 1.24 अरब डॉलर तेजी के साथ 57.19 अरब डॉलर रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रिजर्व 16.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.32 अरब डॉलर पर रहा। विशेष निकासी अधिकार के तहत 18.16 अरब डॉलर का रिजर्व रहा है।

भारत में बनेगी रेंज रोवर, 22 फीसदी तक होगी सस्ती

जगुआर लैंड रोवर यानी जेएलआर भारत में रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट का उत्पादन करेगी। स्थानीय उत्पादन के साथ दोनों मॉडल की कीमत 18-22 प्रतिशत तक कम हो सकती है। 54 साल के इतिहास में पहली बार ब्रिटेन के बाहर इसका उत्पादन होगा। कंपनी का मालिकाना हक टाटा मोटर्स के पास है। स्थानीय उत्पादन से रेंज रोवर स्पोर्ट की कीमत इस साल अगस्त से 1.40 करोड़ रुपये होगी। अभी यह 1.90 करोड़ में आती है। रेंज रोवर का दाम 2.60 करोड़ होगा। अभी यह 3.3 करोड़ रुपये है।

मजबूत भुगतान सेवाओं के लिए यूपीआई, कार्ड प्रोसेसिंग व ईएमआई पर ध्यान केंद्रित करेगा पेटीएम

नई दिल्ली । भुगतान व वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने कहा कि वह अपने भुगतान सेवा व्यवसाय को और मजबूत करने के लिए कार्ड प्रोसेसिंग और ईएमआई भुगतान के साथ-साथ यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) पर ध्यान केंद्रित करेगा। उसे उम्मीद है कि इससे कंपनी के हालात में फिर से सुधार होगा और वह देश में भुगतान सेवा में अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखेगी।

कंपनी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पहले कुल सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) में 70 प्रतिशत का योगदान देने वाला यूपीआई, अब लगभग 80-85 प्रतिशत योगदान दे रहा है। कंपनी ने बिजनेस मॉडल में यूपीआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। वित्तीय वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्तीय वर्ष 24 के नतीजे जारी करने के बाद बुधवार को अर्निंग कॉल के दौरान, पेटीएम ने अपने मर्चेंट जीएमवी की रिकवरी पर भी जोर दिया। वित्तीय वर्ष 24 में, पेटीएम का जीएमवी पिछले साल के मुकाबले 39 प्रतिशत बढ़कर 18.3 लाख करोड़ रुपये हो गया। पेटीएम के राजस्व प्रवाह में यूपीआई प्रोत्साहन और रुपे क्रेडिट कार्ड लेनदेन, ओवरड्राफ्ट और ईएमआई एकत्रीकरण से उच्च भुगतान प्रसंस्करण मार्जिन शामिल हैं।

जबकि यूपीआई मर्चेंट भुगतान मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) उत्पन्न नहीं करता है। पेटीएम को सरकार से सब्वेंशन भुगतान से लाभ मिलता है। पेटीएम को वित्तीय वर्ष 24 की चौथी तिमाही में 288 करोड़ रुपये की यूपीआई प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई। वित्तीय वर्ष 23 की चौथी तिमाही में कंपनी को 182 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि मिली थी। भुगतान सेवाओं से पेटीएम का राजस्व 26 प्रतिशत बढ़कर 6,235 करोड़ रुपये हो गया। इसके अतिरिक्त, शुद्ध भुगतान मार्जिन 50 प्रतिशत बढ़कर 2,955 करोड़ रुपये हो गया। अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा के दौरान, कंपनी ने यह भी कहा कि अप्रैल से कुछ उत्पादों को छोड़कर भुगतान जीएमवी में सकारात्मक वृद्धि की प्रवृत्ति देखी जा रही है। पेटीएम साउंडबॉक्स अब यूपीआई पर रुपे क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी देता है।

केंद्र ने दूरसंचार कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल्स रोकने का दिया निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। । सरकार ने फर्जी कॉल्स को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। केंद्र ने भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करके आने वाली अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल्स को रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं।

दूरसंचार विभाग (डॉट) ने जारी एक बयान में बताया कि जालसाज भारतीय नागरिकों को भारतीय मोबाइल नंबर दिखाकर अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल कर रहे हैं। जालसाल इसके जरिए साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी कर रहे हैं। डॉट ने दूरसंचार ऑपरेटरों को भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करके आने वाली अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल्स को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है।

मंत्रालय ने कहा कि दूरसंचार विभाग के निर्देशों के अनुसार

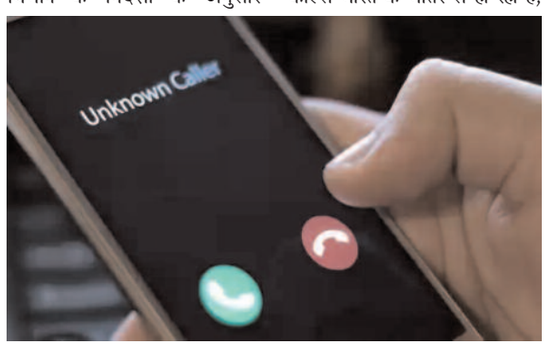

भारतीय लैंडलाइन नंबरों के साथ आने वाली अंतरराष्ट्रीय जाली कॉलों को टीएसपी द्वारा पहले से ही ब्लॉक किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी फर्जी कॉल्स भारत के भीतर से हो रही हैं, लेकिन विदेशों से साइबर अपराधी कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) में हेरफेर करके ऐसा करने में सक्षम हो रहे हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.55 अरब डॉलर बढ़कर 648.7 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी की बदौलत 17 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.55 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 648.7 अरब डॉलर हो गया।

इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.6 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 644.2 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 17 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.4 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 569.00 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.24 अरब डॉलर बढ़कर

57.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 11.3 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ और यह बढ़कर 18.2 अरब डॉलर हो गया। वहीं, इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 16.8 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 4.3 अरब डॉलर पर आ गया।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.85 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1,85,320.49 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। सबसे अधिक लाभ रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,404.45 अंक या 1.89 प्रतिशत चढ़ गया। सेंसेक्स शुक्रवार को 75,636.50 अंक के दिन में अपने कारोबार के सर्वकालिक उच्चस्तर तक गया। समीक्षाधीन सप्ताह में सिर्फ आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 61,398.65 करोड़ रुपये बढ़कर 20,02,509.35 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक ने सप्ताह के दौरान 38,966.07 करोड़ रुपये जोड़े और इसका बाजार मूल्यांकन 11,53,129.36 करोड़ रुपये हो

गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत 35,135.36 करोड़ रुपये बढ़कर 6,51,348.26 करोड़ रुपये हो गई। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 22,921.42 करोड़ रुपये बढ़कर 7,87,838.71 करोड़ रुपये पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 9,985.76 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,56,829.63 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 8,821.99 करोड़ रुपये बढ़कर 6,08,198.38 करोड़ रुपये रही। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 6,916.57 करोड़ रुपये बढ़कर 7,39,493.34 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

आईसीआईसीआई बैंक ने सप्ताह के दौरान 903.31 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका मूल्यांकन 7,95,307.82 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 271.36 करोड़ रुपये बढ़कर 13,93,235.05 करोड़ रुपये हो गया। इस रुख के उलट आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 436.97 करोड़ रुपये घटकर 5,44,458.70 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, एलआईसी, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

अदाणी पोर्ट 24 जून को सेंसेक्स में होगा शामिल, आईटी दिग्गज विप्रो होगा बाहर

एजेंसी

मुंबई। अदाणी ग्रुप की पोर्ट कंपनी अदाणी पोर्ट एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) 24 जून को बीएसई के मुख्य बेंचमार्क सेंसेक्स में शामिल होने जा रहा है। अदाणी पोर्ट बीएसई के बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स में विप्रो की जगह लेगा। एशिया इंडेक्स प्राइवेट की ओर से शुक्रवार को इंडेक्स में बदलाव के नतीजे जारी किए गए। इसमें बताया गया कि 24 जून को अदाणी पोर्ट सेंसेक्स में विप्रो की जगह लेगा।

अदाणी पोर्ट की सेंसेक्स में एंट्री ने बाजार को आश्चर्यचकित किया है, क्योंकि इस हफ्ते बाजार में आई एक रिपोर्ट में बताया गया था कि अदाणी एंटरप्राइजेज, विप्रो की जगह सेंसेक्स में ले सकता है। कारोबारी सत्र में भी अदाणी ग्रुप के शेयरों में जबरदस्त एक्शन देखने को मिला। अदाणी टोटल गैस 2.5 प्रतिशत बढ़कर, अदाणी ग्रीन एनर्जी और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस करीब 0.50 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ। हालांकि, अदाणी एंटरप्राइजेज करीब सपाट बंद हुआ है। भारतीय बाजार में सत्र में सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिला। सेंसेक्स 7 अंक और निफ्टी 10 अंक की गिरावट के साथ क्रमशः 75,410 अंक और 22,957 अंक पर बंद हुआ।

बैलेंस ग्रोथ के लिए जिला स्तर पर 'इकोनॉमिक इंजन' की आवश्यकता- जोहो सीईओ

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू क्लाउड सॉफ्टवेयर कंपनी जोहो के सीईओ श्रीधर वेम्बू ने कहा कि बैलेंस्ड ग्रोथ के लिए भारत को जिला स्तर पर इकोनॉमिक इंजन की आवश्यकता है। अपने आप को 'एक्सपेरिमेंटल इकोनॉमिस्ट' मानते हुए उन्होंने कहा कि हर शहर या जिले का अपना एक इकोनॉमिक इंजन होना चाहिए। इससे देश में आर्थिक समृद्धि तेजी से बढ़ेगी। वेम्बू ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मैं हमेशा पूछता हूं कि किसी रीजन की ओर से पूरी दुनिया से कुछ सामान खरीदने के बदले में क्या बेचा जा रहा है और जो सामान हम किसी रीजन से पूरी दुनिया को बेचेंगे वो उस रीजन का इकोनॉमिक इंजन बन जाएगा।

आगे उन्होंने कहा कि इकोनॉमिक इंजन के जरिए आप आसानी से जान सकते हैं कि कौन-सा रीजन कितना समृद्ध है। हम इकोनॉमिक इंजन से हुई आय को रीजन के लिए वैल्यू एडिशन मान सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जोहो, तमिलनाडु के

तेनकासी इलाके के लिए हर साल 100 मिलियन डॉलर की वैल्यू ऐड करता है। इस जिले की आबादी करीब 14 लाख है।

ऐसे में जोहो का इस इलाके के लिए योगदान जिले स्तर पर 70 डॉलर प्रति व्यक्ति का है। वेम्बू ने जोर देते हुए कहा कि हमें पूरे भारत में ऐसे ही इकोनॉमिक इंजन की आवश्यकता है। हमारे पास 800 से ज्यादा जिले हैं और इससे पूरे देश में समान विकास हो सकता है। अगर ग्रामीण जिले के इकोनॉमिक इंजन के जरिए 1,000 डॉलर की प्रति व्यक्ति वैल्यू भी ऐड कर पाते हैं तो वे समृद्ध हो जाएंगे। क्षेत्र अपने इकोनॉमिक इंजन से पूरी दुनिया को जो निर्यात करता है उससे प्रति व्यक्ति वैल्यू ऐड होता है, इससे इकोनॉमिक इंजन के प्रभाव को भी मापा जा सकता है।

पर्यटन को बढ़ावा देकर आमदनी बढ़ाने की तैयारी कर रही सरकार, धार्मिक पर्यटन से आया इतना राजस्व

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों में देश में पर्यटन क्षेत्र में काफी बदलाव आया है। इसी साल जनवरी महीने की शुरुआत में लक्षद्वीप को मालदीव से बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने को लेकर विवाद उठा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस दौरान उत्तर अरब सागर में स्थित लक्षद्वीप के लिए कई विकास परियोजनाओं की घोषणा थी। इसके बाद ट्रेवल पोर्टल्स पर लोगों ने लक्षद्वीप को भी खोजचना शुरू कर दिया। इन सबके बीच सरकार कई अन्य ऐसे स्थलों को भी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रही हैं जहां अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

सर क्रीक और कोरी क्रीक बनेगे पर्यटन हब

इसी परियोजना के तहत गुजरात के कच्छ जिले के सर क्रीक और कोरी क्रीक जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने पर काम चल रहा है। यह क्षेत्र भारत-पाकिस्तान के बीच 96 किलोमीटर की जल पट्टी है, इसकी जलधारा को मूल रूप से 'बान गंगा' कहा जाता है। अब सरकार इस क्षेत्र को व्यापक तौर पर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है। गुजरात सरकार ने इस क्षेत्र को पर्यटन स्थल बनाने के लिए एक मास्टरप्लान तैयार किया है। पर्यटकों को सांस्कृतिक, प्राकृतिक और रोमांचक अनुभव प्रदान करने के अलावा सरकार का उद्देश्य स्थानीय अर्थव्यस्था को बढ़ावा देना और रोजगार के अवसर पैदा करना है। इस परियोजना के तहत सीमावर्ती क्षेत्रों के पर्यटन स्थलों को बढ़ावा दिया जाएगा।सरकार से जुड़े सूत्रों के अनुसार अनुसार एक विशेष पर्यटन क्षेत्र (एसटीजेड) परियोजना के अंतर्गत इस क्षेत्र को विकसित किया जाएगा। इस इलाके में सर नामक एक मछली पाई जाती है जिसके नाम पर इस क्षेत्र का नाम सर क्रीक पड़ा। यहां के व्यंजन का अपना एक इतिहास रहा है, इसके कारण बड़ी संख्या में अब भी लोग यहां घूमने हैं। सरकार इस क्षेत्र को अब पर्यटन हब के रूप में विकसित करेगी। सूत्रों के अनुसार इन परियोजनाओं के लिए केन्द्र सरकार की ओर से भी धन मुहैया कराई जाएगी। जानकार बताते हैं कि इस परियोजना में नारायण सरोवर के तट जो उत्तर में स्थित है, यह पहले से ही धार्मिक पर्यटन स्थल है। कोरी क्रीक पर कोटेश्वर मंदिर पहले से धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। अब इसका विस्तार किया जाना है। सर क्रीक के साथ गुजरात पर्यटन धोलावीरा और शिवराजपुर को विशेष पर्यटन के क्षेत्र में विकिसत करेंगे। इस पूरी परियोजना के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि यह पर्यटन स्थल सीमावर्ती इलाके में है इसलिए आने-जाने वालों लोगों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। इस परियोजना के तहत एक बॉटनिकल गार्डन, खेल का मैदान और मैंग्रोव बोर्डवॉक की विकसित किया जाना है।

केरल के आर्थिक संकट से निपटने के लिए केंद्र ने दिए 21,253 करोड़, केंद्रीय मंत्री ने सीएम से की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। अब केंद्र सरकार, केरल की मदद के लिए आगे आई है। केंद्र सरकार ने आर्थिक संकट से गुजर रहे केरल के लिए 21,253 करोड़ रुपये देने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी।

केंद्र ने दी 21 हजार करोड़ रुपये की मंजूरी

केंद्रीय मंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा 'पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार केरल को आर्थिक संकट से निकालने के लिए आगे आई है और दिसंबर 2024 तक केरल को 21,253 करोड़ रुपये उधार देने की मंजूरी दे दी है।% केंद्र सरकार का यह कदम ऐसे समय सामने आया है, जब केरल गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। आर्थिक संकट के चलते केरल सरकार कर्मचारियों की सैलरी नहीं दे पा रही है और पूर्व कर्मचारियों को पेंशन भी नहीं मिल पा रही है।

केंद्रीय मंत्री ने लिखा- ध्यान से खर्च कीजिएगा

अपने पोस्ट में केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सीएम पी विजयन से अपील करते हुए लिखा कि 'मैं सीएम से अपील करता हूं कि इस फंड का इस्तेमाल सही तरीके से और बिना किसी भ्रष्टाचार के लोगों की भलाई के लिए किया जाए। केरल सरकार इस फंड से राज्य सरकार के कर्मचारियों खासकर केएसआरटीसी के कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन दें क्योंकि ये लोग बीते कई महीनों से परेशान हैं। पोस्ट में साथ ही लिखा गया कि तटीय सुरक्षा और मिनी हार्बर प्रोजेक्ट पर ध्यान दिया जाए। तटीय सुरक्षा के लिए सीपीओ की नियुक्ति

प्रक्रिया पूरी की जाए। जो विकास कार्य चल रहे हैं, उन्हें पूरा किया जाए।

हाल ही में केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने इस बात पर चिंता जताई थी कि केंद्र सरकार दक्षिणी राज्यों के फंड में कटौती कर रही है। उन्होंने कहा कि %केंद्र सरकार द्वारा इकट्ठा किए जाने वाले फंड में 11 गुना की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन इस दौरान केरल को मिलने वाला टैक्स सिर्फ 8.8 गुना ही है, जिसका मतलब ये है कि इसमें भारी कटौती हुई है। यही वजह है कि केरल, पंजाब, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल इस मुद्दे को उठा रहे हैं।% वित्त मंत्री ने कहा फंड की कमी की वजह से ही सामाजिक योजनाओं के लिए खर्च करने में दिक्कत हो रही है। केंद्र सरकार की तरफ से फंड जारी करने में देरी हो रही है।

तिरुवनंतपुरम में जलभराव से निपटने के लिए केंद्र ने दिए 200 करोड़ रुपये

केंद्र सरकार ने शहरी राहत कार्यक्रम के तहत केरल को राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम के लिए 200 करोड़ रुपये की पेशकश आवंटित किए हैं। ये रकम तिरुवनंतपुरम में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए दी गई है। दरअसल तिरुवनंतपुरम में बीते दिनों प्री-मानसून बारिश के दौरान जलभराव हुआ था। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि केरल सरकार में जल्द ही इसके लिए प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास जमा करना चाहिए। प्रस्ताव देने की अंतिम तारीख मई तक ही है।

सैमसंग 'गैलेक्सी अनपैक्ड' इवेंट पेरिस में होगा !

एजेंसी

सोल । सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की ओर से गैलेक्सी अनपैक्ड के समर एडिशन का आयोजन जुलाई में पेरिस में किया जा सकता है। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने ये जानकारी दी। बता दें, इस वर्ष 26 जुलाई से 11 अगस्त तक फ्रांस की राजधानी पेरिस में ही ओलंपिक खेलों का आयोजन होगा। सूत्रों ने बताया कि गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट ओलंपिक खेल शुरू होने से करीब दो हफ्ते पहले 10 जुलाई को शुरू होगा। इसमें गैलेक्सी जेड फोल्ड 6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप 6 स्मार्टफोन और वियरेबल गैलेक्सी रिंग का भी अनावरण किया जा सकता है।

कोरियाई समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट में बताया गया कि यह दूसरी बार है जब दुनिया के सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी की ओर से नए फोल्डेबल फोन को पेश किया जाएगा। इससे पहले सोल में हुए गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में पहली बार कंपनी ने फोल्डेबल फोन पेश किए थे। कंपनी की ओर से गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट साल में दो बार आयोजित किया जाता है। आमतौर पर ये जनवरी और अगस्त में होता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी की आधिकारिक पार्टनर है।

वैश्विक रुख पर रहेगी बाजार की नजर

एजेंसी

मुंबई । लोकसभा चुनाव के बाद देश में स्थिर सरकार बनने की उम्मीद में हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह दो प्रतिशत से अधिक मजबूत रहे घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश प्रवाह, कच्चे तेल की कीमत और डॉलर सूचकांक पर नजर रहेगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1493.36 अंक अर्थात 2.02 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 75410.39 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 491 अंक यानी 2.2 प्रतिशत उछल कर 22957.10 अंक पर बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी जमकर

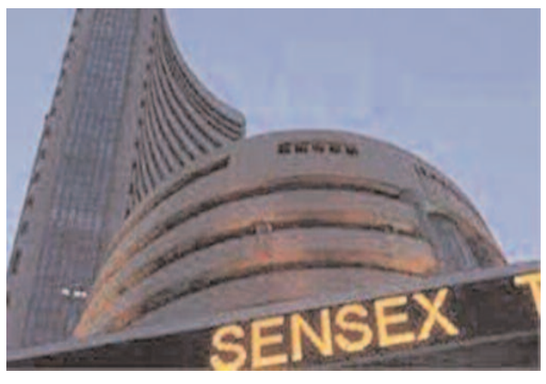

लिवाली हुई। इससे मिडकैप 678.34 अंक अर्थात 2.96 प्रतिशत मजबूत होकर सप्ताहांत पर 43519.44 अंक हो गया। इसी तरह स्मॉलकैप 404.78 अंक यानी 0.9 प्रतिशत की तेजी के साथ 47996.45 अंक पर रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह बाजार की नजर एफआईआई के निवेश प्रवाह पर रहेगी। एफआईआई इस वर्ष मई में अब तक 34,459.88 करोड़ रुपये की बिकवाली कर चुके हैं, जिससे बाजार पर दबाव रहा है। लेकिन इस अवधि में घरेलू निवेशकों (डीआईआई) ने 40,797.89 करोड़ रुपये की लिवाली कर बाजार की गति को तेज बनाए रखा है।

साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत और दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक की स्थिति का भी बाजार पर असर रहेगा।

इसके अलावा स्थानीय स्तर पर 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही के कंपनियों के परिणाम की भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। अगले सप्ताह जीवन बीमा निगम (एलआईसी) समेत कई दिग्गज कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं। बीते सप्ताह जारी लोकसभा चुनाव में सोमवार को मतदान करने के लिए अवकाश रहने पर बाजार में चार दिन ही कारोबार हुआ, जिनमें से दो दिन गिरावट जबकि शेष दो दिन तेजी रही। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मौद्रिक नीति बैठक के मिनट्स जारी होने से पहले विश्व बाजार में आई भारी गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर एफएमसीजी, आईटी और टेक समेत सात समूहों में हुई बिकवाली से मंगलवार को सेंसेक्स 52.63 अंक उतरकर 73,953.31 अंक पर आ गया। वहीं, निफ्टी 27.05 अंक बढ़कर 22,529.05 अंक पर बंद हुआ।

विश्व बाजार में भारी गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस, इंफोसिस, मारुति और एनटीपीसी समेत इक्कीस दिग्गज कंपनियों में लिवाली की बदौलत बुधवार को सेंसेक्स 267.75 अंक की छलांग लगाकर 74,221.06 अंक और निफ्टी 68.75 अंक की तेजी के साथ 22,597.80 अंक पर रहा।

विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर लोकसभा चुनाव के बाद देश में स्थिर सरकार बनने की उम्मीद में हुई चौतरफा लिवाली से गुरुवार को सेंसेक्स 1196.98 अंक की छलांग लगाकर करीब डेढ़ माह बाद 75 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार सार्वकालिक उच्चतम स्तर 75,418.04 अंक हो गया। इसी तरह निफ्टी 369.85 अंक की उड़ान भरकर 22,967.65 अंक पर बंद हुआ। वहीं, विश्व बाजार के कमजोर रुझान के दबाव में स्थानीय स्तर पर एफएमसीजी, हेल्थकेयर, आईटी, रियल्टी और सर्विसेज समेत बारह समूहों में हुई बिकवाली से शुक्रवार को सेंसेक्स 7.65 अंक फिसलकर 75,410.39 अंक और निफ्टी 10.55 अंक उतरकर 22,957.10 अंक पर रहा।

पशु पालकों की डिमांड से बिनौला खल 50 रुपए महंगी

जयपुर। पशु पालकों की डिमांड निकलने से स्थानीय कैटलफीड मार्केट में बिनौला खल के भाव 50 रुपए उछल गए। जयपुर मंडी में सोमवार को बिनौला खल 3250 से 3500 रुपए प्रति क्विंटल पहुंच गई। जानकारों का कहना है कि बिनौला खल का पुराना स्टॉक समाप्त होने के कारण इसकी आपूर्ति कम हो रही है, लिहाजा बिनौला खल की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। बाजार में नई बिनौला खल अक्टूबर में आने की संभावना है। तब तक दामों में तेजी बने रहने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि देश में पशुधन के लिहाज से राजस्थान प्रमुख राज्य है। सत्य ट्रेडिंग कंपनी के दिनेश वैद ने बताया कि कमजोर लिवाली के चलते वर्तमान में अधिकांश पशु आहार जिंसों में कोई उल्लेखनीय उतार चढ़ाव नहीं है। थोक मंडियों में फिलहाल लाल तिल डली 5500 रुपए तथा लाल तिल पपड़ी के भाव 3600 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास स्थिर चल रहे हैं। उधर पश्चिम बंगाल में नई लाल तिल्ली जून के पहले सप्ताह में आने की संभावना है। इस बीच सरसों खल जयपुर के भाव आज यहां 2610 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए। मस्टर्ड केक निवाई का भाव 2550 रुपए प्रति क्विंटल कोट किया गया। सरसों सीड निवाई 5075 रुपए तथा सरसों 42 प्रतिशत तेल कंडीशन 5375 रुपए प्रति क्विंटल बेची जा रही थी। एक्सपेलर सरसों तेल निवाई का भाव 9725 रुपए प्रति क्विंटल बताया गया।

आपकी सेहत बिगाड़ सकता है गुस्सा, दिल से लेकर दिमाग तक का बढ़ा सकता है पारा

शायद ही कोई ऐसा हो जिसे कभी गुस्सा नहीं आता है। हालांकि गुस्सा आपकी सेहत को काफी नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसकी वजह से स्वास्थ्य पर बुरा असर भी पड़ता है। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिसे छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा (Anger Harmful Effect) आता है तो आपकी यह आदत आपके दिल-ओ-दिमाग पर भारी पड़ सकता है।

हम सभी इंसान हैं और इंसान होने के नाते हम अकसर अपनी भावनाएं व्यक्त करते रहते हैं। हंसना-रोना, दुख-सुख सभी विभिन्न भावनाएं हैं, जो अलग-अलग समय पर सामने आती हैं। गुस्सा (Anger Harmful Effect) भी हमारी ऐसी ही एक भावना, जो अकसर किसी चीज विरोध या असहमति के रूप में सामने आता है। यह न सिर्फ एक असहज भावना है, बल्कि बहुत अधिक समय तक गुस्से में रहने से आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर भी पड़ सकता है।बार-बार गुस्सा करने से सेहत को गंभीर नुकसान हो सकते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं, तो अकसर छोटी-छोटी बातों में गुस्सा करते हैं, तो आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे गुस्से के सेहत पर होने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में

दिल के लिए हानिकारक

गुस्सा करने से शरीर स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होता है, जो समय के साथ आपके दिल की सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। शोध से पता चलता है कि गुस्से की वजह से हार्ट में परिवर्तन होता है, जिससे मांसपेशियों की खून पंप करने की क्षमता खराब हो जाती है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर और बाद में हार्ट डिजीज, दिल का दौरा, स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

हार्ट अटैक का खतरा बढ़ाए

कुछ सबूत बताते हैं कि गुस्सा खासतौर पर हार्ट अटैक के हाई रिस्क से जुड़ी हुआ है। एक स्टडी में शोधकर्ताओं ने पाया कि गुस्सा फूटने के बाद दो घंटे के अंदर दिल के दौरे में दो गुना से ज्यादा की वृद्धि हुई। साथ ही क्रोध की बढ़ती तीव्रता के साथ यह खतरा बढ़ता गया। शोधकर्ताओं के मुताबिक इससे पता चलता है कि ज्यादा तेज गुस्सा वास्तव में आपके दिल के लिए बदतर है।

पाचन क्रिया बिगाड़े

कई शोध से यह पता चलता है कि आपका मस्तिष्क और आंत निरंतर संचार में रहते हैं और एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। हमारे ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम की एक भूमिका पाचन को रेगुलेट करने में मदद करना है। लेकिन जब शरीर फ्लाइट या फाइट मोड में चला जाता है, तो यह परेशान हो सकता है, जैसा कि तनाव की प्रतिक्रिया में हो सकता है और इससे पाचन प्रभाविक होता है।

मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित करें

गुस्से की स्थिति में रहने से मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि एंग्जायटी और ड्रिप्रेशन जैसे भावनात्मक विकारों में गुस्सा अक्सर बढ़ जाता है और यह बदतर लक्षणों के साथ आपकी मानसिक सेहत को बुरी तरह प्रभावित करता है।

नींद में खलल डालें

जो लोग अपने गुस्से पर काबू पाने में संघर्ष करते हैं या अकसर गुस्सा महसूस करते हैं, तो उन्हें खराब नींद का अनुभव होता है। एक अध्ययन में गुस्से और नींद की गड़बड़ी के बीच संबंध को देखा गया। आसान शब्दों में कहे तो ऐसे जो गुस्सा ज्यादा करते हैं, उन्हें अकसर सुकून से सोने में परेशानी होती है।

भारतीय मुसलमानों के लिए अमेरिकी चिन्ता की खतरनाक वास्तविकता

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा है किहम दुनिया भर में सभी के धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता के अधिकार के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देने और उसकी रक्षा के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं।खबर है कि रिलीजियस मजहबी स्वतंत्रता की स्वयंभूव ठेकेदार बनी अमेरिकी सरकार भारत में मुसलमानों की स्थिति पर बडी चिन्तित है। वह चिन्तित इसलिए नहीं है कि भारत में मुस्लिम आबादी सर्वाधिक 43 प्रतिशत की दर से बढ चुकी है और भारतीय मुसलमानों की विभिन्न जिहादी गतिविधियों से यहां के अनेक राज्यों में बहुसंख्यक हिन्दू समाज त्राहि-त्राहि कर रहा है; अपितु वह 'न्यूयॉर्क टाइम्स' नामक एक अमेरिकी अखबार की उस रिपोर्ट को ले कर चिन्तित है, जिसमें यह कहा गया है कि ÷प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत में 'धर्मनिरपेक्ष ढांचा और मजबूत लोकतंत्र कमजोर' हुआ है।÷ मालूम हो कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने ÷अपने ही देश में अजनबी~ मोदी के भारत में मुसलमान होना÷ शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें दावा किया गया है कि भारत में मुस्लिम समाज पीड़ा और अलगाव से जूझ रहा है। वे अपने बच्चों को ऐसे देश में पालने की कोशिश कर रहे हैं, जहां उनकी पहचान पर सवाल उठा रहा है। इस अखबारी समाचार बनाम दुष्प्रचार पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिका ने कहा है कि वह इस मामले पर भारत सहित दुनिया भर के देशों के साथ बातचीत कर रहा है, क्योंकि वह धार्मिक स्वतंत्रता के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्ध है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा है कि %%हम दुनिया भर में सभी के धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता के अधिकार के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देने और उसकी रक्षा के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं।%% मिलर ने आगे यह भी कहा है कि ÷हमने भारत समेत कई देशों के साथ धार्मिक समुदायों के लिए समान रिलीजियस व्यवहार के महत्व पर चर्चा की है।÷ यहां यह गौरतलब है कि 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्ट और उस पर अमेरिकी सरकार की प्रतिक्रिया ऐसे समय पर आई है, जब भारतीय मुसलमानों की आबादी में सर्वाधि 43त्न की असामान्य वृद्धि दर्ज की गई है और सारा मुस्लिम समाज एकजुट हो कर भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध संसदीय चुनाव को प्रभावित करने के लिए 'वोटिंग जिहाद' का संगठित अभियान चला रहा है। इससे पहले यह मजहबी समाज देश के कई राज्यों में अपनी संगठित शक्ति के बुते शासन-प्रशासन पर काबिज हो कर वहां से धार्मिक समाज के लोगों (हिन्दुओं) को विस्थापित होने को बाध्य कर चुका है और फिलवक्त अनेक राज्यों की सियासत को अपने हिसाब से संचालित करने की हैसियत प्रदर्शित कर रहा है। इतना ही नहीं, वह भारतीय संविधान से इत्तर 'मुस्लिम पर्सनल लॉ' के सहारे विशेषाधिकारों की मलाई चाभ रहा है और 'मुस्लिम वक्फ बोर्ड' की लाठी से सरकारी-गैरसरकारी भू-खण्डों पर कब्जा करते हुए लाखों हेक्टेयर भूमि का स्वामित्व हासिल कर सेना व रेलवे के बाद सबसे बडा भू-स्वामी बना हुआ है। जगजाहिर है कि भारत में मुसलमानों की हालत व हैसियत जितनी अच्छी है, उतनी मुस्लिम देशों में भी नहीं है। जबकि पडोसी पाकिस्तान में हिन्दुओं की आबादी 90त्न से भी ज्यादा घट गई है और वहां वे इस्लामिक स्टेट-संरक्षित उत्पीडन का इस कदर शिकार होते रहे हैं कि उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिए भारत सरकार को उन्हें भारतीय नागरिकता प्रदान करने का कानून बनाना पडा है। बावजूद इसके, अमेरिकी मीडिया इण्डस्ट्री और फॉरेन मिनिस्ट्री को भारत में ही मुसलमान आपदग्रस्त दीख रहे हैं, तो यह उनका दृष्टि-दोष नहीं है, अपितु एक सुनियोजित षड्यंत्रकारी प्रपंच है, जिसके सूत्र-समीकरण उस अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) के हाथों में हैं, जिसने अभी हाल ही में अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी कर भारत को 'धार्मिक स्वतंत्रता का हननकर्ता' बताते हुए विशेष चिन्ता वाले देशों की सूची में शामिल कर रखा है। यूएससीआईआरएफ के लगभग सभी सदस्य रिलीजियस विस्तारवादी चर्च मिशनरियों से सम्बद्ध है, जबकि इस आयोग का गठन ही अमेरिका ने वेटीकन-पोप के दबाव में 'इण्टरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम एक्ट' नामक कानून बना कर उसी के तहत कायम किया हुआ है । देखने-सुनने में तो यह अधिनियम दुनिया के सभी राष्ट्रों के भीतर वहां के नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता, अर्थात किसी भी रिलीजन-मजहब अथवा धर्म को अपनाने-मानने की स्वतंत्रता को संरक्षित करने के बावत इसकी वकालत करता है; किन्तु वास्तविक व्यवहार में यह 'धर्म (सनातन) त्यागने व रिलीजन-मजहब अपनाने' का मार्ग प्रशस्त करता है और इस हेतु चर्च-मिशनरी-संस्थाओं (एनजीओ) को सरंक्षित करता है। यही कारण है कि इस अमेरिकी अधिनियम के वैश्विक क्रियान्वयन की निगरानी करने वाला वह आयोग (यूएससीआईआरएफ) भारत में कायम धर्मान्तरण-रोधी कानूनों और विदेशी धन से संपोषित मिशनरी संस्थाओं को नियंत्रित करने वाले भारतीय कानूनों पर आपत्ति जताते रहता है, जैसा कि उसकी रिपोर्ट में कहा गया है कि- ÷बीजेपी नेतृत्व वाली सरकार ने भेदभावपूर्ण राष्ट्रवादी नीतियों को मजबूत किया, घृणास्पद बयानबाजी को बढ़ावा दिया और सांप्रदायिक हिंसा को नियंत्रित करने में विफल रही, जिससे मुस्लिम, ईसाई, सिख, दलित, यहूदी और आदिवासी असमान रूप से प्रभावित हुए। गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए), विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए), नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) एवं धर्मांतरण व गोहत्या विरोधी कानूनों के लगातार लागू होते रहने के कारण धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनकी ओर से वकालत करने वालों को मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया, निगरानी की गई और निशाना बनाया गया।÷ मेरी एक पुस्तक- 'भारत के विरुद्ध पश्चिम के बौद्धिक षड्यंत्र' में ÷अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, अर्थात बे-रोक-टोक धर्मोन्मूलन व ईसाईकरण÷ शीर्षक से एक अध्याय संकलित है, जिसमें अनेक प्रामाणिक तथ्यों से मैंने यह सिद्ध किया हुआ है कि यह अधिनियम वस्तुतः भारत राष्ट्र के विघटन व सनातन धर्म के उन्मूलन एवं हिन्दू-समाज के ईसाइकरण-इस्लामीकरण का मिशनरी हथकण्डा और लक्षित देशों के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप का अमेरिकी फण्डा मात्र है। यह आयोग इस्लामी जेहाद का भी मौन समर्थन करता है, क्योंकि ईसाइयत और इस्लाम दोनों ही धर्म-विरोधी एवं पैगम्बरवादी होने के कारण परस्पर सहयोगी हैं और इन दोनों का विरोध केवल व केवल धर्म (सनातन) से, अर्थात धर्मधारी भारत राष्ट्र व हिन्दू समाज से है। इस अमेरिकी आयोग ने हिंदुओं के बलात यीसाइकरण व इस्लामीकरण पर कभी सवाल नहीं उठाया है; बल्कि धर्मोन्मूलन (धर्मान्तरण) विरोधी भारतीय कानूनों पर ही सदैव आपत्ति जताते रहा है, क्योंकि इन कानूनों से चर्च-मिशनरियों के विस्तारवादी अभियान में बाधायें उत्पन्न होती हैं। मालूम हो कि अमेरिका ईसाइयों की सर्वोच्च नीति-नियामक सत्ता- वेटिकन सिटी से संचालित समस्त मिशनरी संस्थाओं का संरक्षक बना हुआ है और इन संस्थाओं के प्रतिनिधि अमेरिकी सरकार की वैदेशिक नीति विषयक मार्गदर्शक हुआ करते हैं। इसी दुरभिसंधि के तहत अमेरिका पूरी दुनिया भर में स्वतंत्रता-समानता-लोकतंत्र व मानवाधिकार की निगरानी-पहरेदारी करने वाला चौधरी बना हुआ है इस चौधराहट की आड में वेटिकन चर्च का एजेण्डा क्रियान्वित करते रहता है। 'टाईम' और 'न्यूयॉर्क टाइम्स' जैसे मीडिया संस्थान भी इस दुरभिसंधि के साझेदार हैं। यही कारण है कि जिस प्रकार से यूएससीआईआरएफ को यह तथ्य व सत्य नहीं सूझता, उसी प्रकार से 'न्यूयॉर्क टाइम्स' को भी यह नहीं दिखता कि भारत-विभाजन के वक्त पाकिस्तान में तकरीबन ढाई करोड हिन्दू रह गए थे और लगभग उतने ही मुसलमान भारत में रह गये थे, किन्तु आज पाकिस्तान में शासन-संरक्षित मुस्लिम आतंक से पीडित-प्रताडित-धर्मांतरित-विस्थापित होते रहने के कारण हिन्दूओं की आबादी घट कर बीस लाख (दस प्रतिशत) से भी कम हो गई है, जबकि भारत में शासन से तुष्टिकृत-उपकृत होते रहने के कारण मुसलमानों की आबादी बढ कर पैंतीस करोड से भी ज्यादा हो गई है। यूएससीआईआरएफ और न्यूयॉर्क टाइम्स के कारिन्दे कश्मीर केरल कर्नाटक व बंगाल में व्याप्त मुस्लिम जिहादी आंतकी अभियान के प्रति आंखें बन्दे किये हुए रहते हैं, किन्तु असम व उतरप्रदेश जैसे राज्यों में उसका प्रतिकार होने पर भ्रामक रिपोर्ट जारी करने और अनर्गल दुष्प्रचार करने में जुट जाते हैं।

संपादकीय

अग्निपथ की तपिश

हालांकि मोदी सरकार अग्निपथ योजना को सशस्त्र बलों की गेम-चेंजर और युवा शक्ति के जरिये सेना की ताकत बढ़ाने वाली बताती रही है, लेकिन इस योजना के दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर सवाल गाहे-बगाहे उठते रहे हैं। यद्यपि जून 2022 में शुरू की गई अग्निपथ योजना फिलहाल गहन विभागीय जांच के अधीन है, लेकिन विशेषकर, विपक्ष को यह मुद्दा आम चुनाव के दौरान रास आ रहा है। जिन इलाकों से ज्यादा युवा सेना में जाते रहे हैं उन इलाकों में कांग्रेस ने सरकार पर तीखे हमले इस योजना को लेकर किये हैं। दरअसल, इस योजना के अंतर्गत सिर्फ पच्चीस फीसदी अग्निवीरों की सेवाओं को बरकरार रखने का प्रावधान है। यही वजह है कि चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर सेवा से बाहर होने वाले अग्निवीरों का मुद्दा राजनीतिक हलकों में विवादास्पद रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस ने अपने आम चुनाव 2024 के घोषणापत्र में वायदा किया है कि वह सत्ता में आई तो इस योजना को खत्म कर देगी। साथ ही सेना, नौसेना व वायुसेना द्वारा अपनाई जाने वाली पुरानी भर्ती प्रक्रिया को पुन~ लागू करेगी। हालांकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह कहा था कि सरकार आवश्यकता पड़ने पर योजना में कोई भी बदलाव लाने को लिये तैयार है। इस बयान के कुछ सप्ताह बाद एक प्रमुख समाचार पत्र ने खबर दी है कि सेना भर्ती प्रक्रिया में अग्निवीर योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिये एक आंतरिक सर्वेक्षण कर रही है। यह भी कि अग्निवीरों, यूनिट कमांडरों और रेजिमेंटल केंद्रों के कर्मचारियों की राय मांगी जा रही है। फिर सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर सेना संभावित बदलावों के लिये अगली सरकार को सिफारिशें कर सकती है।

हालांकि केंद्र सरकार आश्वासन देती रही है कि अग्निवीरों के रूप में शामिल किये गए युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्हें सरकारी व निजी क्षेत्रों में समायोजित करने में वरीयता देने तथा स्वरोजगार के लिये प्रोत्साहित करने की भी बात होती रही है।

लेकिन एक हकीकत यह भी है कि सरकार का ये वायदा 75 फीसदी रंगरूटों की नौकरी की संभावनाओं के बारे में आशंकाओं को दूर करने में विफल रहा है। कहा जा रहा है कि सेवा समाप्ति के बाद इन सेवानिवृत्त अग्निवीरों की रोजगार सुरक्षा दांव पर होगी। यही वजह है कि विपक्षी राजनीतिक दल, खासकर कांग्रेस इस नाराजगी का फायदा उठा रही है। पार्टी ने हरियाणा में इसे चुनावी मुद्दा बनाने की भरसक कोशिश की है। निस्संदेह, मौजूदा परिदृश्य में अग्निपथ की गहन समीक्षा आवश्यक है। सैनिकों की कार्यशील आयु कम कर एक सैन्य बल तैयार करने के मकसद को लेकर कोई किंतु-परंतु नहीं है। लेकिन इस योजना के दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश में व्यापक बेरोजगारी व अल्प रोजगार की स्थिति को ध्यान में रखते हुए निराश युवाओं के पुनर्वास के लिये सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में समायोजन के लिये दृढ़ प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। यद्यपि यह भी हकीकत है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीति का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। लेकिन सरकारों का भी दायित्व है कि सेना की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए प्रयोगों से बचा जाए। वैश्विक स्तर पर कई विकसित देशों में ऐसे प्रयोग हुए हैं और सफल भी रहे हैं। लेकिन भारत जैसे देश जहां व्यापक बेरोजगारी है और पीढ़ी-दर-पीढ़ी सेना में भर्ती होने की गौरवशाली परंपरा रही है, उनकी भावनाओं से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। युवाओं के लिये सेना की नौकरी जीवन-यापन ही नहीं,विवाह का भी आधार होता है।

जब तक उनकी गृहस्थी बसेगी, तब तक उनके रिटायर होने की स्थिति बनने लगेगी। यह असहज करने वाली स्थिति है। सेना के जोखिमों को देखते हुए जवानों की सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा के प्रति स्थायित्व होना जरूरी है। निश्चित रूप से देश की सुरक्षा और अग्निवीरों के भविष्य में सामंजस्य बेहद जरूरी है। अन्यथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे लक्ष्य में भविष्य की अनिश्चितता जवानों की कार्यक्षमता को भी प्रभावित कर सकती है।

मोदी मैजिक फेल, लक्ष्य भी ध्वस्त

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जिस कथित करिश्माई व्यक्तित्व के बल पर भारतीय जनता पार्टी ने इस लोकसभा चुनाव में अपने बल पर 370 और नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के बल पर 400 सीटों से ज्यादा का लक्ष्य निर्धारित किया था

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जिस कथित करिश्माई व्यक्तित्व के बल पर भारतीय जनता पार्टी ने इस लोकसभा चुनाव में अपने बल पर 370 और नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के बल पर 400 सीटों से ज्यादा का लक्ष्य निर्धारित किया था, वह मतदान के पांच चरण निकलते-निकलते इसलिये हवा में उड़ता नज़र आ रहा है क्योंकि अब न तो मोदी के पास कोई नयी बात कहने को रह गई है और न ही उनके व्यक्तित्व से लोग आकर्षित हो पा रहे हैं। इसका कारण यही है कि भाजपा के विमर्श का आधार उनका चेहरा था, जबकि उन्हें टक्कर देता इंडिया गठबन्धन विमर्श के आधार पर कई करिश्माई व्यक्तित्व गढ़ चुका है जो देश के चारों दिशाओं में धूम मचा रहे हैं।

विमर्श की बात करें तो लगता है कि भाजपा के पास अपना कोई भी नैरेटिव नहीं रह गया है। प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं वही भाजपा का विमर्श और विषय होता है; और मोदी जी जो कहते हैं वह कांग्रेस या इंडिया गठबन्धन के नेताओं द्वारा कही गई किसी बात की प्रतिक्रिया मात्र होती है। अब भाजपा की सभाओं में दिखने वाली भीड़ केवल जुटाई गई होती है जो लौटते वक्त कोई नयी बात लेकर नहीं जा रही है। चूंकि यह हुजूम लाया हुआ है इसलिये वह मोदी या भाजपा के भाषणों के दौरान कहां पर %मोदी मोदी% कहना है, बखूबी जानता है। इसे ही दरबारी मीडिया प्रस्तुत करता है। यह माहौल बनाने में उसका योगदान होता है जबकि अब तक सम्पन्न हुए 418 लोकसभा सीटों पर मतदान के बाद जो अनुमान आ रहे हैं वे साफ बता रहे हैं कि भाजपा-एनडीए लगभग सभी राज्यों में पिछड़ रही है। मोदी मैजिक तो हवा में उड़ ही चुका है, वह अपने साथ 370-400 पार के नारे को भी उड़ा ले गया है।

अनेक ऐसे संकेत मिल रहे हैं जो इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि खुद भाजपा कार्यकर्ता एवं उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक इस बार के चुनाव को लेकर उदासीन हैं। इसका एक संकेत सभी चरणों में कम मतदान का होना है। भाजपा व संघ दोनों के ही कार्यकर्ता जानते हैं कि मोदी अपने सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिये संघर्षरत हैं और वे 400 पार लाकर वह करना चाहते हैं जो भाजपा के कहीं पहले संघ का लक्ष्य रहा है- संविधान व लोकतंत्र को समाप्त कर मनुवादी व्यवस्था को लाना। ऐसे आड़े वक्त में अगर दोनों संगठनों के कार्यकर्ता मतदान कराने के लिये 2014 एवं 2019 की तरह घरों से नहीं निकल रहे हैं तो मानकर चलना होगा कि इन पर से मोदी की पकड़ छूट चुकी है। इन संगठनों के कार्यकर्ता यह भी जान गये हैं कि जिन उद्देश्यों के लिये नरेंद्र मोदी ने यह नारा दिया है वह हासिल करने के लायक नहीं है।

सम्भवत~ उन्होंने यह भी सोच लिया है कि अगर हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा को साकार करना भी है तो वह कम से कम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में तो बिलकुल नहीं करना है क्योंकि दोनों ने इसके प्रति लोगों में शंकाएं एवं अरुचि पैदा कर दी है। इन दोनों संगठनों के कार्यकर्ता यदि अपनी नाराज़गी या उदासीनता जो भी रही हो, उसे त्यागकर मोदी की मदद के लिये आना भी चाहते तो अब भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के उस बयान के बाद तो बिलकुल ही आने से रहे जिसमें नड्डा ने कहा है कि %अब भाजपा बड़ी हो चुकी है तथा उसे अब राजनैतिक कामों के लिये संघ की ज़रूरत नहीं रह गई है।% नड्डा का यह भी मानना है कि %पहले चाहे संघ पर भाजपा आश्रित थी पर अब दोनों अपने-अपने कामों को स्वतंत्रतापूर्वक करते हैं- भाजपा राजनीतिक काम और संघ विचारधारा सम्बन्धी कार्यकलाप व सांस्कृतिक गतिविधियां।% यह तय है कि इस बयान के बाद अब भाजपा को अगले तथा अंतिम दो चरणों में संघ की मदद मिलने से रही। 400 सीटों का लक्ष्य पाना तो दूर, अब वह सत्ता बचा ले यही बहुत है।कुछ बातें और जो सामने आई हैं उनमें प्रमुख यह है कि भाजपा ने जिस विषय को इस चुनाव का प्रमुख मुद्दा बनाने की सोची थी, वह पूरी तरह से गौण हो गया है- अयोध्या में राम मंदिर का। 2019 के बाद से ही बड़े सुनियोजित तरीके से मोदी ने रामलला मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ कराया और आनन-फानन में उसका निर्माण करवाया। इतना ही नहीं, आधे-अधूरे रूप से निर्मित मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा स्वयं मोदी ने एक भव्य समारोह में की। कुछ दिनों पहले एक प्रतिष्ठित संगठन ने जो सर्वे किया उसके नतीजों ने भाजपा को मैदान से ही बाहर कर दिया। सर्वेक्षण ने बतलाया कि केवल 6 फीसदी लोग ही राम मंदिर को चुनाव के लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दा मानते हैं। ज्यादातर लोगों ने बेरोजगारी व महंगाई को सबसे अहम मसले बतलाकर मोदी व भाजपा की सारी तैयारियां ध्वस्त कर दीं। यही कारण है कि खुद मोदी ने अपने चुनाव प्रचार में इस विषय का सबसे कम बार उल्लेख किया। कांग्रेस के कथित परिवारवाद सम्बन्धी मोदी-शाह के बयानों से लोग ऊब चुके हैं और विपक्षी नेताओं पर लगाये जाने वाले भ्रष्टाचार सम्बन्धी आरोपों पर भी कोई भरोसा नहीं कर रहा क्योंकि सभी भ्रष्टाचारियों के लिये भाजपा ने द्वार खोल रखे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड्स का पर्दाफाश है ही।

जिस एनडीए के दम पर भाजपा 400 पार जाना चाहती है उसकी सभाओं में सहयोगी नेताओं की मौजूदगी नहीं होती और इंडिया की तरह उसकी संयुक्त सभाएं भी नहीं होतीं। मोदी मैजिक फेल, लक्ष्य भी ध्वस्त...!

शरीर में होने वाली शुगर की बीमारी को मधुमेह कहा जाता है। इस बीमारी में खून में शुगर का स्तर बढ़ जाता है। ऐसा इंसुलिन की गड़बड़ी के कारण होता है। इंसुलिन शरीर में पाया जाने वाला ऐसा हॉरमोन है जो खून में शुगर के स्तर को नियंत्रित रखता है।

शुगर नियंत्रण के आसान नुस्खे

भागम-भाग की जिंदगी में ज्यादातर लोग स बीमारी के शिकार होते जा रहे हैं क्योंकि इस बीमारी के शिकार होते जा रहे हैं क्योंकि इस बीमारी का असली कारण तनाव और अनियंत्रित दिनचर्या है। इसके इलाज के लिए बाजार में अनेक दवाओं से लेकर इंसुलिन का इंजेक्शन तक मौजूद है लेकिन इनकी उपलब्ध और कीमतों को देखकर इन्हें वाजिब नहीं माना जा सकता। घरेलू नुस्खे और उसमें उपयोग आने वाले घरेलू चीजें सस्ती और इस मर्ज के लिए कारगर हैं। शुगर को कम करने वाली ये घरेलू चीजें और उसके नुस्खे निम्नलिखित हैं।

करेला

घर में अक्सर यह सलाह दी जाती है कि खून में शुगर के स्तर को कम करने के लिए करेले का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह सलाह बेवजह नहीं है। इस सलाह के पीछे सार्थक वास्तविकता यह है कि करेला में ऐसे तत्व पाये जाते है जो स्वाद में तो कड़वे लगते है लेकिन खून के विकार भगाने में अव्वल है। शुगर इन्हीं विकारों में एक है।

दालचीनी

दालचीनी को शहद के साथ सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटता है जिससे शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है। इससे खून में शुगर का स्तर स्वत: गिर जाता है।

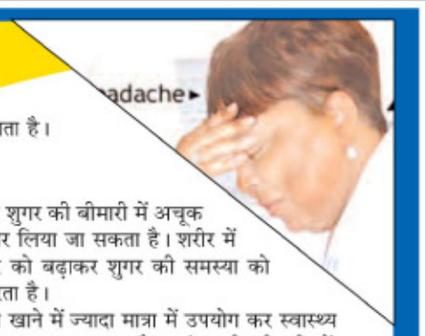

लहसुन

लहसुन को शुगर की बीमारी में अचूक इलाज के तौर पर लिया जा सकता है। शरीर में इंसुलिन के स्तर को बढ़ाकर शुगर की समस्या को लहसुन कम करता है।

लहसुन को खाने में ज्यादा मात्रा में उपयोग कर स्वास्थ्य को तंदरूस्त बनाया जा सकता है। सांस की बीमारी में यह लाभदायक है, यह तो सबको पता है।

मेथी

मेथी में पॉलीसैकेराईड, एल्केलॉयड कोलीन, सेपोनिन डायोसजोर्निन और येमोजेनिन बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। मेथी में पाये जाने वाले ये तत्व खून में शुगर और कोलेक्ट्रॉल की मात्रा को कम करते हैं। ●

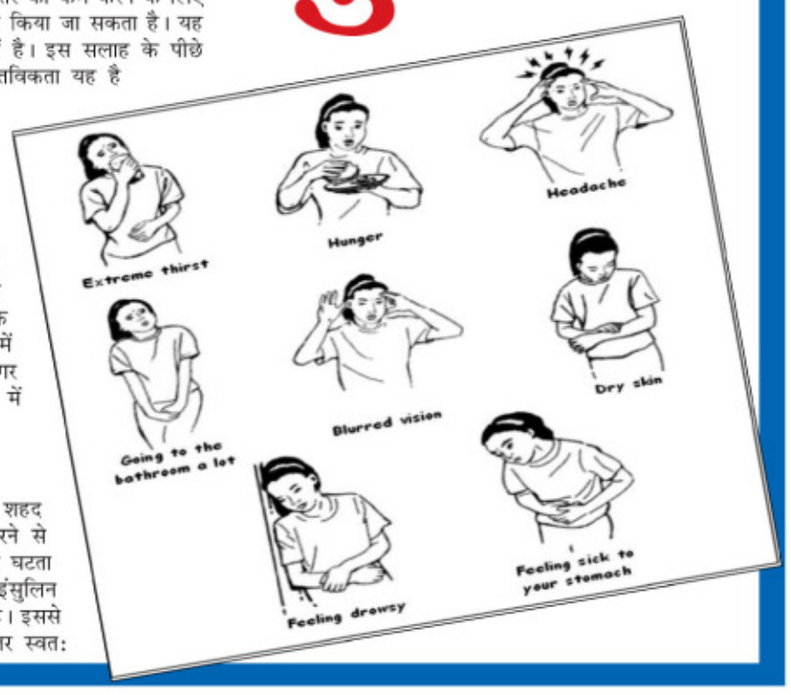

भारत में प्रतिवर्ष 10 लाख ऐसे बच्चे जन्म लेते हैं जिनमें सुनने की क्षमता सामान्य से काफी कम होती है हालांकि स्क्रीनिंग के जरिये होने वाली बहरेपन की शुरूआती जांच तथा कोक्लर प्रत्यारोपण और थेरेपी से इस बीमारी को दूर किया जा सकता है। वरिष्ठ चिकित्सक बीके राव का कहना है कि भारत में सुन न पाने वाले बच्चे अक्सर गूंगेपन का शिकार हो जाते हैं और इसी वजह से वह ठीक से बोल नहीं पाते।

अंतर्राष्ट्रीय शोध अध्ययन यह बताते हैं कि जिन बच्चों में बहरेपन का जन्म के छह से आठ महीने के अंदर पता चल जाता है उनका इलाज संभव है। उत्तर भारत में केवल सर गंगा राम अस्पताल में ही बहरेपन की स्क्रीनिंग की सुविधा है। अस्पताल में वर्ष 2007 से ही ये परीक्षण किये जा रहे हैं और अब तक 4578 बच्चों की स्क्रीनिंग की जा चुकी हैं।

बहरेपन की स्क्रीनिंग के बाद मरीज का कोक्लर इम्प्लांट और थेरेपी के द्वारा इलाज किया जाता है। इस इलाज के बाद ज्यादातर मरीज सामान्य व्यक्ति की तरह सुन पाने में सक्षम हो जाते हैं। कोक्लर इम्प्लांट दो तरीके का होता है जिसमें पहले में मरीज को छह से 12 लाख रुपए खर्च होते हैं। एक बार कोक्लर इंप्लांट हो जाने के बाद यह अस्सी वर्षों तक चलता है। ●

मोतियाबिंद देरी हो सकती है घातक

मोतियाबिंद आंख की एक प्रमुख बीमारी है, जो उम्र ढलने के साथ अपने लक्षण दिखाने लगती है। मोतियाबिंद को लेकर कई मत सामने आते हैं। समझदारी इसी में है कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन इसके पकने के बाद ही कराएं। इसके साथ ही लोगों का यह भी मानना है कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन हमेशा जाड़े में ही करवाना चाहिए, लेकिन यह बिल्कुल गलत धारणा है।

डॉक्टरों के मुताबिक मरीज को न तो इसके पकने का इंतजार करना चाहिए और न ही मौसम का। जब भी किसी को मोतियाबिंद की शिकायत हो इसका इलाज तुरंत करवा लेना चाहिए।

सर्जरी से होता है इलाज

सामान्यत: लोग मानते हैं कि मोतियाबिंद का इलाज लेजर से हो सकता है, लेकिन ऐसा नहीं है। मोतियाबिंद का ऑपरेशन लेजर से नहीं किया जा सकता है। इसका एकमात्र इलाज सर्जरी है। इसकी सबसे सटीक और अत्याधुनिक तकनीक है फेकोइमल्सीफिकेशन। इसमें मरीज की आंख में एक लेंस लगा दिया जाता है। यह लेंस कई प्रकार की होते हैं।

- मोनो फोकल
- बाई फोकल
- मल्टी फोकल

डॉक्टरों की सलाह है कि मरीज को मल्टी फोकल लेंस ही लगाने चाहिए। इससे मरीज को बाद में चश्मे की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस ऑपरेशन में मात्र 15 से 20 मिनट लगते हैं।

चश्मे की जरूरत नहीं

आमतौर पर मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद चश्मे की जरूरत नहीं होती है, लेकिन पांच फीसदी मामलों में मरीज को चश्मे लगाने पड़ सकते हैं। डॉक्टरों की सलाह हे कि मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन करवाने में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और इसका इलाज शुरूआती दौर में ही करा लेना चाहिए। मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद मरीज को बहुत ज्यादा सावधानियां भी नहीं बरतनी पड़ती है और एक दिन के अंतराल के बाद मरीज सामान्य रूप से देखने भी लगता है। ●

निरोगी बनाती है लौंग

लौंग के वृक्ष सुंदर और सुगंधित होते हैं। इसके पत्ते भी सुगंधित होते है। इसके फूल की कलियों को लौंग कहते है। बाजार में जो लौंग मिलते हैं, उनमें से बहुतों का तेल निकाला हुआ होता है। असली लौंग वही होता है, जिससे तेल न निकाला गया हो। भावप्रकाश के अनुसार लौंग चरपरी, कड़वी, नेत्र-हितकारी, शीतल, दीपन, पाचन, रूचिकारक तथा कफ, पित्त, रक्तरोग, प्या, मूर्च्छा , अफरा, दर्द, खांसी, हिचकी व क्षयरोग नाशक हैं। राजनिघंटु के अनुसार लौंग गरम, तीक्षण, पाक के समय मधुर, शीतवीर्य तथा त्रिदोष, आम, क्षय व खांसी नाशक है।

लौंग पाचन क्रिया पर सीधा प्रभावी है, जिससे भूख बढ़ती है, आमाशय की रसक्रिया को बल मिलता है और मन प्रसन्न होता है।

यह कृमिनाशक है। आमाशय और आंतों में रहने वाले सूक्ष्म जंतुओं के कारण पेट फूलता है, यह उन जंतुओं को यह नष्ट करता है। यह रक्त में श्वेतकणों को बढ़ाता है। इस गुण के कारण शरीर में रहने वाले रोगमूलक कीटाणुओं को नाश होता है।

यह चेतनाशक्ति जागृत करता है। इसका यह गुण हृदय रक्तसंचार और तेजी से सांस लेने छोड़ने पर स्पष्ट दिखता है। इस कारण त्रिदोष और सन्निपात में दी जाने वाली औषधियों में इसको मिलाया जाता है। यह शरीर की दुर्गंध को नष्ट करता है। कफ, लार और मुंह से आने वाली दुर्गंध को दूर करने में उपयोग किया जाता है।

लौंग मूत्रल है, इस कारण यह मूत्रपिण्ड के मार्ग की शुद्धि करता है और शरीर के बाहरी भाग पर इसको लगाने से यह चेतनाकारक, वेदनानाशक, व्रणशोधक और व्रणरोपक हैं।

- **ज्वर:** लौंग और चिरायता बराबर मात्रा में लेकर पानी में घोटकर पिलाएं। इससे ज्वर और उसके बाद की निर्बलता मिटती है।
- **गठिया :** लौंग के तेल की मालिश से गठिया के दर्द में लाभ होता है।
- **सिरदर्द :** इसमें लौंग के तेल की माथे पर मालिश करें।
- **दांत का दर्द :** दांत दर्द में लौंग के तेल को दांत की कोचर में रखें।
- **सांस की दुर्गंध :** मुंह में लौंग रखने से से मुंह और सांस की दुर्गंध दूर होती है।
- **नेत्र रोग :** तांबे के पात्र में लौंग को पीसकर शहद मिलाकर आंखों के सफेद भाग के रोग मिटते हैं।
- **हृदय में रक्तसंचार :** लौंग को ठंडे पानी में घोट-छानकर मिश्री मिलाकर पिएं।
- **कुकर खांसी :** लौंग को आग में भूनकर शहद मिलाकर चाटें।
- **अजीर्ण :** लौंग और हरड़ का गाढ़ा बनाकर उसमें थोड़ा-सा सेंधा नमक डालकर पिलाएं।
- **जी मिचलाना:** लौंग को पानी में घोटकर कुनकुना कर पिलाएं, इससे प्यास और जी मिचलाना मिटता है।
- **नासूर :** लौंग और हल्दी पीसकर लगाएं।
- **मात्रा:** लौंग की मात्रा 120 से 250 मि.ग्रा. तक की है। ●

प्राणायाम से पाएं दीर्घायु

वेद और योग में आठ प्रकार की वायु का वर्णन मिलता है, जिनमें जीव विचरण करते हैं। प्राण, अपान, समान आदि वायुओं से मन को रोकने और शरीर को साधने को अभ्यास करना अर्थात् प्राणों को आयाम देना ही प्राणायाम है। प्राणायाम का अर्थ होता है प्राणवायु या शक्ति का विस्तार। सबमें निहित है प्राणशक्ति। प्राणायाम करने से व्यक्ति अपनी आयु भी बढ़ा सकता है। प्राणायाम करने वाले व्यक्ति को कभी भी श्वांस में परेशान नहीं हो सकती। ●

मुस्कुराकर मिटाएं झुर्रियां

चेहरे की उम्र घटाना हो तो इसके लिए मुस्कराहट एक उत्तम व्यायाम है। सिर्फ इसीलिए नहीं कि मुस्कुराते हुए आप सुंदर तो दिखती ही हैं। साथ ही मुस्कुराने से चेहरे पर आती झुर्रियों को रोका भी जा सकता है, तो फिर मुस्कुराने के लिए हो जाइए तैयार। यह मुस्कराहट भरा व्यायाम करने के लिए होंठों के कोनों को कानों की ओर फैला कर स्लो मूवमेंट में मुस्कराना शुरू कीजिए। हर मूवमेंट के साथ अपनी मुस्कराहट कुछ चौड़ी कीजिए। यह करते हुए आप निचले होंठ और ठुड्डी को स्ट्रेच करने की कोशिश कीजिए। वैसे ही जैसे ई बोलने के लिए करती हैं। कम से कम कुछ मर्तबा यह व्यायाम कीजिए। ये व्यायाम मन शांत रखता है और इससे आपका चेहरा स्वत: ही खिल उठता है। चेहरे के व्यायाम के साथ-साथ मुस्कुराहट आपके मन को भी शांत रखने का कार्य करती है। इससे आपका उत्साह बना रहता है, आपके व्यक्तित्व में निखार आता है और आपका चेहरा स्वत: ही खिल उठता है।

लगाव

जग्गी वासुदेव

इच्छा ही दुखों का कारण है' ऐसी सीख देने वालों के मुंह से आपने यह भी सुना होगा, ''किसी व्यक्ति या वस्तु पर आसक्त न बनो, उस पर लगाव न रखो। मोह, आसक्ति या लगाव तुम्हारे विकास के पथ के रोड़े हैं' यों कहकर वे लोग आपको धमकाते हैं। आप तो स्नेह और आसक्ति के साथ जीने के अभ्यस्त हैं। इसलिए उपर्युक्त वर्जना को सुनकर आप पशोपेश में पड़ सकते हैं। ''किसी के साथ कुछ भी हो जाए, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता' ऐसी उपेक्षा या लापरवाही का भाव अनासक्त रहना है-ऐसा गलत अर्थ लेना निश्चय ही अपने आपको धोखा देना है। किसने कहा, लगाव होने पर विकास नहीं होगा? धरती के साथ आसक्त होकर जब पेड़ अपनी जड़ों को माटी के अंदर गहराई से फैलाता है तभी

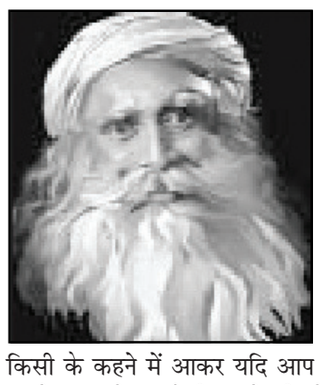

वह स्वस्थ रूप में पनपता है; अनेक पक्षियों को आश्रय देता है; हवा में प्राणवायु का प्रवाह करता है; फलों को प्रदान कर उपकार करता है। यदि उसे धरती से अलग कर दें तो नष्ट हो जाता है। प्रकृति की तरह ही यह हम पर भी लागू होता है आपके विषय में भी यही बात सही है किसी के कहने में आकर यदि आप स्नेह-बंधन के धरातल से अपने आप को जबर्दस्ती छुड़ाने की कोशिश करेंगे तो निश्चित रूप से स्वयं को घायल कर लेंगे। यदि आपकी सहज प्रकृति स्नेह करने की ओर आसक्त रहने की है तो आप अपनी प्रकृति को बदलने का प्रयत्न मत कीजिए। कोई व्यक्ति मेंढक को लेकर शोध कर रहा था मेंढक को उसने इस तरह प्रशिक्षित किया था कि यदि वह कहता ''कूदो' तो मेंढक तुरंत कूदता। शोध के दौरान वह मेंढक की एक टांग को काटने के बाद बोला ''कूदो'। बेचारा मेंढक तीन टांगों के साथ थोड़ी मुश्किल से कूद पाया। दूसरी टांग काटकर उसने कहा ''कूदो', तब भी मेंढक कष्ट के साथ कूदा। तीसरी टांग काटने पर अत्यंत वेदना के साथ एक टांग से किसी तरह कूदा था। अंत में चौथी टांग को भी काटकर उसने आदेश दिया ''कूदो'। सरकने में असमर्थ होकर मेंढक ने उसे कातर दृष्टि से देखा। वह तो बार-बार मेंढक को कूदने के लिए कहते हुए चिल्लाने लगा। मेंढक बिल्कुल हिला नहीं। उस व्यक्ति ने अपने शोध का निष्कर्ष इस प्रकार लिखा-''चारों टांगों को निकाल देने पर मेंढक की श्रवण-शक्ति समाप्त हो जाती है।' इसी तरह कुछ लोग कोई बात होने पर और किसी नतीजे पर पहुंच कर सिद्धांतों की स्थापना कर देते हैं। दुख के आधारभूत कारण को सही ढंग से समझे बिना यह घोषणा कर देते हैं-इच्छा या आसक्ति से ही दुख पैदा होता है।

खबरें जरा हटके

बच्चे को लगी नूडल्स और कोला की लत, 10 साल की उम्र में हुआ 200 किलो वजन

नई दिल्ली। फास्टफूड बड़ों और बच्चों दोनों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहा है। डॉक्टर्स भी बच्चों को फास्टफूड से दूर रखने की सलाह देते हैं, लेकिन फास्टफूड के टेस्ट के कारण बच्चे इस ओर आकर्षित होते हैं। इंडोनेशिया में एक दस साल के बच्चे का वजन नूडल्स और कोला की लत के कारण 200 किलो का हो गया।

ज्यादा वजन की वजह से अब यह बच्चा न तो स्कूल जा पा रहा था और न ही ठीक से चल पा रहा था। लगातार बच्चे का वजन बढने के कारण उसकी सर्जरी करनी पड़ी। सर्जरी के बाद भी उसक वजन अन्य बच्चो के मुकाबले काफी ज्यादा है। बच्चे का नाम आर्य मोसंत्री है और वह दिन में पांच बार खाता था। खाने में यह बच्चा काके के साथ इंस्टेंट नूडल्स, चावल, मीट और मछली लेता था। आर्य के माता पिता किसान हैं और बताते हैं कि दिन में इतना खाना खाने के बाद भी आर्य को बहुत भूख लगती है। जब डॉक्टर को दिखाया गया तो डॉक्टर भी उसका वजन देखकर चौंक गए। डॉक्टर ने नॉन वेज छोड़कर केवल हैल्दी डायट आर्य को देने के लिए कहा, लेकिन ऐसा करने के बाद भी उसकस वजन पर कोई फर्क नहीं पड़ा। आखिर में डॉक्टर्स को उसकी सर्जरी करनी पड़ी। आर्य की मां रकैया ने बताया कि उनका बेटा तीन आदमियों के बरार खाना खाता था। आर्य का 17 अप्रेल को ऑपरेशन किया गया था, लेकिन इसके बाद भी केवल 9 किलो वजन ही कम हो सका। हालांकि ऑपरेशन के दो महीने बाद आर्य का 16 किलो वजन और कम हो गया।

यह स्टाइलिश बंदर इलेक्ट्रिक शेवर से बनवाता है दाढ़ी

नई दिल्ली। आपने बंदरों को केवल एक छत से दूसरी छत पर कूद फांद करते या फिर लोगों से खाने का सामान छीनते ही देखा होगा, लेकिन क्या आपने कभी ऐसा बंदर देखा है जो इंसानों की तरह दाढ़ी बनवाता हो। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें लाल रंग की टीशर्ट पजाना और पैरों में कार्टून कैरेक्टर वाले जूते पहने एक बंदर इलेक्ट्रिक शेवर से दाढ़ी बनवा रहा है।

इंस्टाग्राम के बैड ऐस ऑफिशियल पेज पर बुधवार को इस वीडियो को अपलोड किया गया था। जाहिर है कि वीडियो में नजर आने वाला बंदर पालतू है और कोई व्यक्ति बाथरूम में इसकी दाढ़ी बना रहा है। बंदर यहां खड़े होकर आराम से दाढ़ी बनवा रहा है।

इसके अलावा बंदर का हेयर स्टाइल भी काफी अलग है। मिलिट्री स्टाइल की हेयर कटिंग इस पर काफी जच रही है। छह घंटे में ही इस वीडियो को 3.15 लाख लोगों ने देख लिया है और इस पर 1200 से ज्यादा कमेंट्स आ चुके हैं।

सेहत

दर्द होने पर कान में न डालें गर्म तेल, वर्ना होगा नुकसान

कान में अचानक दर्द होना एक आम समस्या है। यह तकलीफ अमूमन बच्चों को होती है। इसमें बच्चा कानदर्द की वजह से रात को उठकर रोने लगता है और माता-पिता परेशान हो जाते हैं। आइए जानते हैं इसकी वजहों के बारे में।

कारण: ज्यादा दिनों तक सर्दी और जुकाम रहने से नाक के पिछले भाग से कान तक आने वाली यूस्टेकियन ट्यूब ठीक से काम करना बंद कर देती है जिससे संक्रमण व सूजन आ जाती है और द्रव्य बढने से कान में दबाव असामान्य हो जाता है। बच्चों में यह ट्यूब छोटी व सीधी होने की वजह से नाजुक होती है इसलिए उन्हें कानदर्द ज्यादा होता है। दर्द से बच्चे की नींद खुल जाती है, बुखार, चिड़चिड़ाहट, दस्त, उल्टी, सुनने में कमी व कान में भारीपन जैसे लक्षण होने लगते हैं। कान में फुंसी, मैल का फूलना, सूजन, गले, दांत व जबड़ों की तकलीफ में भी कानदर्द हो सकता है।

सावधानी: दर्द को नजरअंदाज करने से कान में दबाव बढ़कर पर्दे में छेद हो सकता है। अनदेखी से दिमाग व कान के पीछे की मेस्ट्रॉइड हड्डी प्रभावित होती है।

न पालें भ्रम : कई बार माता-पिता बच्चे की तकलीफ देखकर उसके कान में गर्म तेल की बूंदें डाल देते हैं जिससे कुछ समय के लिए आराम तो मिलता है लेकिन बाहरी संक्रमण का खतरा रहता है।

इलाज: दर्द निवारक, एंटीबायोटिक, एंटीएलर्जिक और एंटीकोल्ड दवाएं दी जाती हैं। नाक की यूस्टेकियन ट्यूब में सूजन को कम करने के लिए डीकंजेस्टेंट ड्रॉप देते हैं। बार-बार कान के पर्दे के पीछे द्रव्य जमा होने पर वेंटिलेशन ट्यूब (ग्रोमेट) से इलाज किया जाता है।

एहतियात बरतें

धूल और धुएं से बचें। खट्टी व फ्रिज की ठंडी चीजों से परहेज करें। छोटे बच्चों को केवल मां का दूध पिलाएं। साथ ही मां, बच्चे को लेटकर दूध न पिलाएं। फीड कराते समय बच्चे का सिर थोड़ा ऊंचा रखें। गंदगी व भीड़-भाड़ वाली जगहों पर न जाएं। रोग से ग्रस्त व्यक्ति स्वीमिंग और हवाई यात्रा न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

दत्ता जी को बहुत से लोग भत्ता जी भी कहा करते थे। शायद इसलिये कि दौरे पर बहुत रहते थे और दौरे पर रहने में उन्हें भत्ता काफी मिल जाता था। मई के पहले हफ्ते की बात है कि उन्हें दो दिन बाद ही टूर पर जाना था। उनका बेटा पप्पी उनके कमरे में आया तो न जाने क्या सोचकर वे उसे पीटने लगे। बच्चो को पिटता देखकर पडौस के एक मित्र उनके पास आए और बच्चो को पीटने का कारण पूछा तो दत्ता जी ने बताया-'दरअसल मैं दो दिन बाद टूर पर जा रहा हूं और टूर की अवधि में ही इस नालायक का रिजल्ट निकल आएगा।'

□ □ □

बंता अपने मित्र से बोला , मेरी पत्नी को मेरा कितना दर्द है।

रात को मैने उससे कहा कि गर्म, पानी कर दो उसने तुरंत गर्म पानी कर दिया।

तो क्या हुआ पर तुमने उसे गर्म पानी करने की तकलीफक्यों दी। इसलिए कि मैं ठंडे पानी से बरतन नहीं धो सकता।

□ □ □

पति शराब पीकर घर आया और पत्नी से बोला- डार्लिंग आज कुछ ऐसा करो कि मेरे कदम जमीन पर न टिके ।

पत्नी- कमीने फांसी लगा ले।

काकुरो पहेली 4067

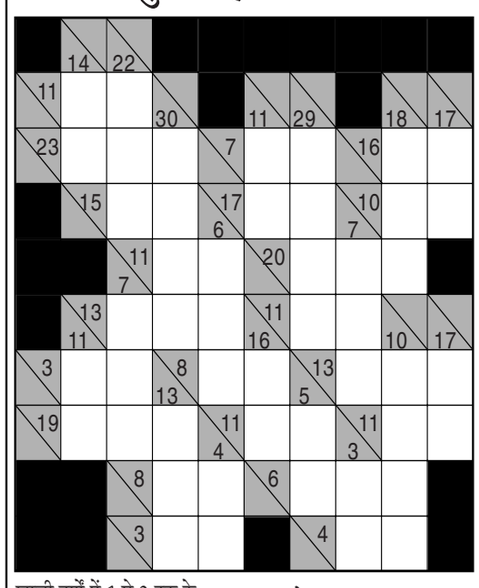

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

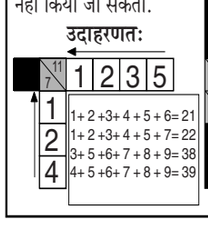

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4066 का हल

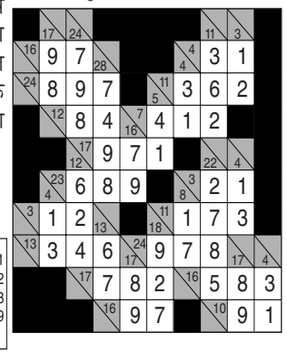

फिल्म वर्ग पहेली- 4067

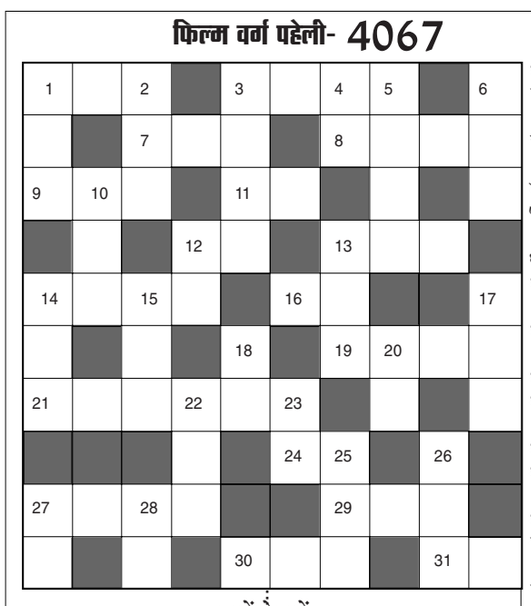

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुबीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्यारय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4066

सूडोकु -4067

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4066 हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 4067

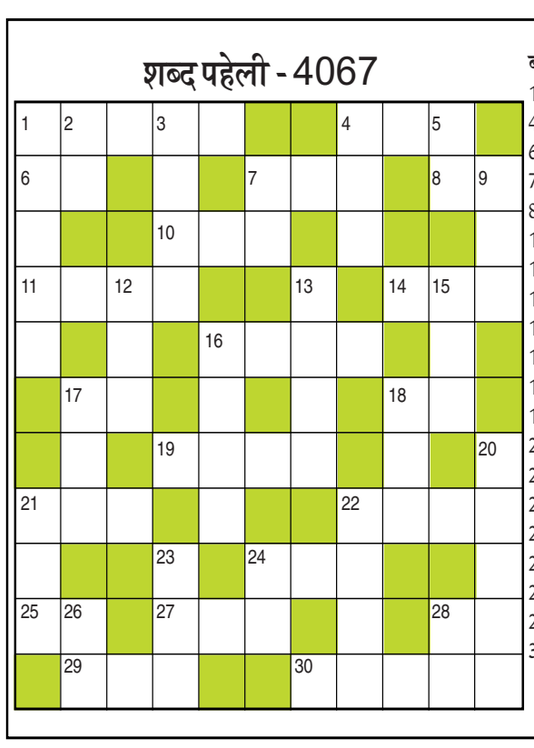

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली 4066 का हल

चक्रवाती तूफान 'रेमल' से बंगाल में भारी तबाही, जनजीवन प्रभावित

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों में चक्रवाती तूफान 'रेमल' के पहुंचने के एक दिन बाद सोमवार को भारी तबाही का मंजर दिखा। तूफान के यहां पहुंचने पर बीती रात 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली थीं। इस चक्रवाती तूफान ने बंगाल के सागर द्वीप और बांग्लादेश के खेपुपारा के बीच के तटीय इलाकों पर भारी तबाही मचाई। रेमल के पहुंचने की प्रक्रिया की शुरुआत रविवार रात साढ़े आठ बजे से शुरू हुई थी। तूफान ने बुनियादी सरंचनाओं और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया है। रेमल से तटीय इलाकों को हुई क्षति को साफ तौर पर देखा जा सकता है। झोपड़ियों की छत हवा में उड़ गयीं। पेड़ उखड़ गये और बिजली के खंभे गिर गये। इसके चलते कोलकाता सहित राज्य के कई हिस्सों में बिजली की आपूर्ति प्रभावित हुई। कई इलाकों से जलभराव से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गयीं हैं। तूफान के कारण भारी बारिश हुई जो सोमवार सुबह भी जारी रही। लोगों के घरों एवं खेतों में पानी भर गया। सुंदरवन के गोसाबा इलाके में मलबे में दबने से एक व्यक्ति घायल हो गया। कोलकाता के बिबी बागान इलाके में लगातार बारिश के कारण एक दीवार गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया।

प्रधानमंत्री मोदी आज झारखंड के दुमका में

रांची। झारखंड में लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में संताल परगना की तीन सीटों पर चुनाव होना है। गोड्डा, दुमका और राजमहल में एक जून को मतदान है। पार्टियों ने अब संताल परगना में जोर लगाया है। एनडीए और इंडी गठबंधन के बड़े नेता व स्टार प्रचारक संताल परगना पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मई को दुमका आ रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार सीता सोरेन के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। एयरपोर्ट मैदान में विजय संकल्प रैली होगी। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी झारखंड में छह चुनावी सभा कर चुके हैं। गोड्डा से तीन चुनावों से लगातार भाजपा के डॉ निशिकांत दुबे जीत रहे हैं। इस बार भी निशिकांत दुबे मैदान में हैं। राजमहल सीट पर इस बार भाजपा ने ताला मरांडी उम्मीदवार को बनाया है। कांग्रेस नेता और स्टार प्रचारक राहुल गांधी 30 मई को दुमका पहुंचेंगे। इससे पहले राहुल गांधी झारखंड के चाईबासा और गुमला के बसिया में जनसभा कर चुके हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 29 मई को देवघर में तीन चुनावी सभा को संबोधित करेंगे।

ओडिशा में जनता परिवर्तन का मन बनाया है : त्रिवेन्द्र सिंह रावत

बालेश्वर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हरिद्वार लोकसभा उम्मीदवार और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि इस बार ओडिशा की जनता जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है। उत्तराखंड में 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण की समाप्ति के बाद पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ओडिशा की तीन लोकसभा मयूरभंज, भद्रक और बालेश्वर की 21 विधानसभाओं की बागडोर संभाली है। राष्ट्रीय नेतृत्व में उनके अनुभावों के आधार पर उनको यह जिम्मेदारी सौंपी है।

लगभग एक महीने से ज्यादा का व्यक्त त्रिवेंद्र सिंह रावत इन तीनों लोकसभा की अलग-अलग विधानसभाओं में बिता चुके हैं। उनका कहना है कि हर रैलियों, कार्यक्रमों और नुक्कड़ सभाओं में भारतीय जनता पार्टी को जनता का सहयोग मिल रहा है। पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र ने कहा कि इस बार उड़ीसा में भाजपा सरकार और केन्द्र में फिर एक बार मोदी सरकार यानी डबल इंजन सरकार बनेगी। विगत 10 वर्षों में मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ, पात्र लोगों तक पहुंचा है और लोग भाजपा और मोदी को चुनकर इसका जवाब 04 जून को चुनाव परिणाम के रूप में देंगे। उन्होंने कहा कि पूरब से लेकर पश्चिम और उत्तर से लेकर दक्षिण तक चारों ओर एक ही पुकार है। देश में एक बार फिर मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में भी लोगों का उत्साह देखने को मिल रहा है। लोग विकसित भारत के निर्माण के लिए मोदी के हाथों को मजबूत करना चाहते हैं।

पूर्वी चंपारण में बच्चों के विवाद में युवक की पीट-पीट कर हत्या

पूर्वी चंपारण। जिले बंजरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत जनेरवा गांव में बच्चों के विवाद में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या के आरोप में एक नाबालिग को पकड़ा है। मृतक की पहचान जनेरवा गांव निवासी मलबिल मियां के पुत्र दिलशेर मियां (28) के रूप में हुई है। मृतक की पत्नी ने बताया कि वह सुबह में मजदूरी करने गए थे। काम के बाद पांच बजे घर वापस आए और दरवाजे पर बैठे थे। इस बीच वह बच्चे के लिए दुकान से बिस्किट लेने के लिए चली गई। लौटने पर देखा कि उसके पति के साथ अलाउद्दीन, उसकी पत्नी सबीला और उसका नाबालिग बेटा मारपीट कर रहे थे। इनके हाथ में हल्दी-मिर्च का झोला भी था, जिसमें से मिर्च का पाउडर निकाल कर जमीन पर गिरे उसके पति की आंख और शरीर छिट रहे थे। उसके चिल्लाने पर आसपास के लोग पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने उसके पति को सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के मुख्य आरोपित अलाउद्दीन का नाबालिग बेटा मौके से फरार हो कर मोतिहारी स्टेशन पर पहुंचा, जहां पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। इस बाबत बंजरिया थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने बताया कि बच्चों के विवाद में मारपीट हुई है।

अगले 4 दिनों तक तेज लू का अलर्ट जारी

हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या 2 हजार पार

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में अगले 3 से 4 दिनों तक तीव्र हीट स्ट्रोक का अलर्ट जारी किया गया है। इसके साथ ही अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। पूर्वी राजस्थान के कुछ जिले और पूरा पश्चिमी राजस्थान इस वक्त जबरदस्त हीट वेव की चपेट में है। मार्च से अब तक अस्पतालों में हीट वेव के 2 हजार से ज्यादा केस पहुंच चुके हैं।

राजस्थान में 17 जिलों में हीट वेव चलने का पूर्वानुमान जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार यह हीट वेव अगले 3 से 4 दिनों तक चल सकती हैं और इस दौरान अधिकतम तापमान में 2 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है। प्रदेश में हीट वेव के कारण लगातार मौतें हो रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने अब तक सिर्फ 1 मौत की पुष्टि की है लेकिन अपुष्ट आंकड़ों के अनुसार यह संख्या 20 से ज्यादा हो चुकी है।

अस्पतालों की स्थिति यह है कि हीट वेव के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मार्च से लेकर अब तक हीट वेव से पीड़ित करीब 2008 मरीज अस्पताल पहुंच चुके हैं, यह संख्या अब और तेजी से बढ़ती जा रही है।

राजधानी जयपुर में भी आज हीट वेव का आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यहां अधिकतम तापतान 45 डिग्री से अधिक रहा, वहीं न्यूनतम तापमान भी 32 डिग्री रहा।

सीएम धामी ने चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं का लिया जायजा, श्रद्धालुओं से की मुलाकात

एजेंसी

ऋषिकेश । उत्तराखंड की चारधाम यात्रा को शुरू हुए 17 दिन हो गए हैं। धामों के कपाट खुलते ही क्षमता और उम्मीद से ज्यादा श्रद्धालु एक साथ पहुंच रहे हैं, जिससे प्रशासन की तमाम व्यवस्था लड़खड़ा गई हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके बाद मोर्चा संभाला और अपने विश्वसनीय और सबसे ज्यादा अनुभवी अधिकारियों को चारधाम यात्रा को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी सौंपी।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मुख्यमंत्री धामी ने ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन 31 मई तक बंद करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद हजारों की संख्या में हरिद्वार और ऋषिकेश पहुंचे श्रद्धालुओं को काफी निराशा हुई। ये लोग ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन खुलने का इंतजार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी खुद सोमवार को ऋषिकेश पहुंचे, जहां उन्होंने चारधाम यात्रा के रजिस्ट्रेशन कार्यालय का निरीक्षण किया, और साथ ही वहां रुके हुए तमाम श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उनसे बात की। इस दौरान उन्होंने विदेशों और अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं से भी बातचीत की और उनसे फीडबैक लिया।

इसके बाद मुख्यमंत्री धामी ने सभी अधिकारियों से चारधाम यात्रा को लेकर जानकारी ली, साथ ही दी जा रही व्यवस्था और सुविधाओं को दुरुस्त रखने के साथ किसी भी तरह की कमी या लापरवाही न हो, इसके भी सख्त निर्देश दिए। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं को दी जा रही सभी सुविधाओं और व्यवस्थाओं जैसे भोजन, पेयजल,

बिजली, शौचालय, दवाइयां और अन्य सभी सुविधाओं को और अधिक सुदृढ बनाने के भी निर्देश दिए। सीएम धामी ने निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए गए विश्राम स्थल, स्वास्थ्य केन्द्र एवं यात्रा नियंत्रण कक्ष में भी तमाम सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने एवं व्यवस्थित यात्रा के लिए आपसी सामंजस्य से कार्य करने के निर्देश दिये।

वाराणसी में बोले जेपी नड्डा, 10 साल पहले राजनीति के प्रति उदासीन हो चुके थे लोग, पीएम ने पैदा किया विश्वास

एजेंसी

वाराणसी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में विद्वत बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 10 साल पहले देश का नागरिक राजनीति के प्रति उदासीन हो चुका था, उसका विश्वास टूट चुका था। जब राजनीति में लोकमत उदासीन हो जाए, तो वो प्रजातंत्र के लिए खतरा बन जाता है। लेकिन 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी जी ने साधारण नागरिक में एक विश्वास पैदा किया। आज इस विश्वास के कारण ही हम विकसित भारत के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। नड्डा ने कहा कि लंबे समय तक भारतीय राजनीति का अर्थ था, फूट डालो राज करो और सबके नाम पर वोट मांगो और सरकार बन जाए, तो किसी जाति के बन जाओ। उत्तर प्रदेश इसका प्रमाण है। यहां आपने दो पार्टियों की सरकार देखी है, जिन्होंने सबका मत लिया और बाद में एक जाति का बन के रह गईं। उन्होंने कहा कि आज दवाई मैन्युफैक्चरिंग में

भारत दूसरे नंबर पर खड़ा है। सबसे सस्ती और असरदार दवाएं भारत बना रहा है। 126त्न एक्सपोर्ट बढ़ गया है।

जेपी नड्डा ने कहा कि गांव, गरीब, वंचित, शोषित, पीड़ित, किसान, युवा, महिला... मोदी जी के नेतृत्व में सबका सशक्तिकरण हुआ है। आज 2 लाख पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर बिछाया गया है। आज 2 लाख कॉमन सर्विस सेंटर चल रहे हैं। ये बदलते भारत के बदलते गांव है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अखिलेश यादव ने कहा कि भारत तो अनपढ़ है, यहा डिजिटल क्या करोगे, लेकिन मोदी जी भारत का सामर्थ्य जानते थे। आज यहां सब्जी बेचने वाला भी डिजिटल ट्रांजैक्शन कर रहा है। दुनिया का 40 प्रतिशत डिजिटल ट्रांजैक्शन आज भारत में होता है।

वाराणसी लोकसभा से भाजपा के प्रत्याशी और प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव प्रचार के लिए यहां पहुंचे नड्डा ने काल भैरव मंदिर में पूजा–अर्चना करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में विपक्ष के बारे में पूछे गये एक सवाल पर कहा, विपक्ष को आप देख ही लेंगे कि चार जून (लोकसभा चुनाव परिणाम की घोषणा की तिथि) को उसका क्या हाल होगा।

उन्होंने विपक्ष पर धर्म के आधार पर आरक्षण देने का मंसूबा रखने का आरोप लगाते हुए कहा, संविधान में स्पष्ट लिखा हुआ है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा और जब तक मोदी जी हैं और भारतीय जनता पार्टी है, तब तक धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देंगे। हम अपने दलित, आदिवासी, पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों के आरक्षण पर किसी को डाका नहीं डालने देंगे।

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 2024 – मुख्य सचिव ने मसाला मेले का किया विजिट

एजेंसी

जयपुर।। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि सहकारिता विभाग एवं उपभोक्ता संघ द्वारा आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला सहित अन्य सभी कार्यक्रमों का कलैण्डर बनाकर आयोजन किया जाये ताकि सहकारिता के माध्यम से आमजन को समयबद्ध एवं बेहतर सुविधायें उपलब्ध हो सके।पंत ने जवाहर कला केन्द्र में 28 मई तक चल रहे राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला का विजिट करते हुये केरल , तमिलनाडु, पंजाब एवं गुजरात सहित प्रदेश की सहकारी संस्थाओं द्वारा लगाई गई स्टॉल?स पर प्रदर्शित एवं बिक्री के लिये उपलब्ध कराये जा रहे उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से सहकारी क्षेत्र की संस्थाओं को एक प्लेटफार्म मिलता है जिससे उनके सदस्यों के द्वारा तैयार की जा रहे उत्पादों एवं सेवाओं के विस्तार का मौका मिलता है इसलिये सहकार मसाला मेला सहित ऐसे आयोजन समयबद्ध रूप से होने चाहिये। मुख्य सचिव ने विजिट के दौरान सहकार मसाला मेले की सराहना करते हुये आयोजन पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) राजीव लोचन शर्मा, प्रबंध निदेशक,कॉनफ़ैड शिल्पी पाण्डे सहित मेला समिति एवं उपभोक्ता संघ के अधिकारी उपस्थित थे।

इसमें साजिश तो नहीं...आर्मी चीफ मनोज पांडे का कार्यकाल बढ़ा तो ओवैसी ने जताई आपत्ति

एजेंसी

हैदराबाद। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे के कार्यकाल के विस्तार को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि चुनाव के बीच में यह कदम वांछनीय नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, ओवैसी ने कहा कि सत्तारूढ़ दल को सशस्त्र बलों को राजनीति से दूर रखना चाहिए। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे 30 जून तक इस पद पर बने रहेंगे, क्योंकि लोकसभा चुनाव के बीच एक दुर्लभ और असामान्य कदम के तहत सरकार ने उनका कार्यकाल एक महीने के लिए बढ़ा दिया। जनरल पांडे को 31 मई को सेवा से सेवानिवृत्त होना था। हैदराबाद के सांसद ने कहा कि सेवारत सेना प्रमुख के सेवानिवृत्त होने से कुछ दिन पहले चुनाव प्रचार के दौरान उनके कार्यकाल का विस्तार वांछनीय नहीं है। मोदी सरकार को उनकी सेवानिवृत्ति की

तारीख के बारे में अच्छी तरह से पता था और बहुत पहले ही प्रतिस्थापन की घोषणा कर दी गई थी। हमारे सशस्त्र बलों को सत्तारूढ़ दल द्वारा राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए, लेकिन पिछले दशक में, हमने मोदी शासन को अपने चुनावी लाभ के लिए हमारे सैनिकों का उपयोग और दुरुपयोग करते देखा है। हमने इसे चीन सीमा पर देखा है जहां हमारे सैनिक ऐसा करने में असमर्थ हैं एलएसी पर गश्त करें।

उन्होंने दावा किया कि जनरल पांडे पर यह नवीनतम कदम फिर से पीएम मोदी, रक्षा मंत्री और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर निर्णय लेने में शामिल सभी लोगों पर खराब प्रभाव डालता है। ओवैसी ने कहा कि जनरल पांडे को दिया गया विस्तार केवल एक महीने के लिए है, इसका मतलब है कि यह एक अस्थायी उपाय है, जो अनिवार्य रूप से इस शासन में शासन की पूर्ण कमी को दर्शाता है। यदि यह अक्षमता नहीं है, तो यह कुछ और अधिक भयावह और षड्यंत्रकारी है।

मतगणना की तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक का हुआ आयोजन

एजेंसी

दौसा। लोकसभा आम चुनाव-2024 के दौरान संसदीय निर्वाचन क्षेत्र दौसा से संबंधित मतगणना की संपूर्ण तैयारियों की समीक्षा के लिए संबंधित प्रकोष्ठ प्रभारी अधिकारियों की बैठक का आयोजन मतगणनास्थल पीजी कॉलेज दौसा में जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार की अध्यक्षता में किया गया।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार ने मतगणना कार्य से संबंधित सभी प्रकोष्ठ प्रभारी अधिकारियों को समस्त तैयारियां निश्चित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना की तैयारी चुनाव आयोग के नियत प्रोटोकॉल अनुसार सुनिश्चित की जाये। उन्होंने प्रकोष्ठ प्रभारी अधिकारियों से अब तक मतगणना संबंधित की गई तैयारी के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने मतगणना दिवस के दिन पार्किंग

व्यवस्था, मोबाइल संग्रहण व्यवस्था तथा गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए माकूल व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुमित्रा पारीक, अतिरिक्त जिला कलेक्टर लालसोट मनमोहन मीणा, उपखंड अधिकारी दौसा मनीष कुमार जाटव, उपखंड अधिकारी सैंथल नरेंद्र कुमार मीणा, संयुक्त निदेशक डीओआईटी राधेश्याम बैरवा सहित अन्य प्रकोष्ठ प्रभारी अधिकारी एवं चुनाव शाखा के कार्मिक उपस्थित रहे।

धर्म के आधार पर आरक्षण देश की अखंडता के लिए चुनौती : सीएम योगी

एजेंसी

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरक्षण के मुद्दे पर विपक्षी दलों पर एक बार फिर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस का इतिहास दागी बताते हुए तथा समाजवादी पार्टी को तुष्टीकरण की हद पार करने वाली पार्टी करार देते हुए योगी ने कहा, धर्म के आधार पर आरक्षण भारतीय संविधान की मूल भावना के विपरीत और पूरी तरह असंवैधानिक है। इसे कतई स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। सोमवार को लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए घोसी संसदीय क्षेत्र रवाना होने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडियाकर्मियों से बातचीत की।

इस अवसर पर उन्होंने मुसलमानों को आरक्षण देने को लेकर विपक्षी दलों में मची होड़ को खतरनाक बताते हुए कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान सभा में इसका पुरजोर विरोध किया था। इसके बावजूद कांग्रेस और इंडी गठबंधन के उसके सहयोगी दलों में

मुस्लिम आरक्षण देने की होड़ लगी हुई है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास तो इस मामले में बहुत ही दागी रहा है। केंद्र में यूपीए सरकार के समय कांग्रेस ने 2006 में जस्टिस रंगनाथ मिश्र कमेटी गठित कर आरक्षण में ओबीसी का हिस्सा काट कर मुसलमानों को देने का कुत्सित प्रयास किया था। इसी तरह कांग्रेस ने जस्टिस राजेंद्र सच्चर की अध्यक्षता में कमेटी बनाकर कुछ मुस्लिम जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल कर अनुसूचित जाति के आरक्षण में सेंध लगाने का घिनौना प्रयास किया था। दोनों ही मामलों में भाजपा और एनडीए ने विरोध किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस की जब आंध्र प्रदेश में सरकार थी तो उसने ओबीसी के आरक्षण में से मुसलमानों को आरक्षण दे दिया था। जबकि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ने मुसलमानों की सभी जातियों को ओबीसी में शामिल कर ओबीसी के आरक्षण में सेंध लगाई हैसीएम योगी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के अंदर टीएमसी सरकार ने 2010 में 118 मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल कर पिछले 14 वर्ष से लगातार ओबीसी के अधिकार में पूरी तरह डकैती डाली है। उन्होंने कहा कि ओबीसी के आरक्षण का लाभ मुस्लिमों को दिए जाने पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया है, वह टीएमसी सरकार के असंवैधानिक कृत्य पर जोरदार तमाचा है। धार्मिक आधार पर आरक्षण असंवैधानिक है, यह बहुत स्पष्ट कहते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सभी मुस्लिम जातियों को ओबीसी आरक्षण से बाहर किया है। सीएम योगी ने कहा कि इंडी गठबंधन के दल मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। बिहार के अंदर आरजेडी के नेता लालू प्रसाद यादव जी पहले ही बोल चुके हैं कि सभी मुसलमानों को आरक्षण मिलना चाहिए। अब यह आरक्षण कहां से मिलेगा, जाहिर सी बात है कि ये लोग ओबीसी, एससी-एसटी के आरक्षण में से बांटकर मुसलमानों को देना चाहते हैं।

प्रियंका और मैं दिल्ली में हिमाचल की आवाज उठाएंगे : राहुल गांधी

एजेंसी

नाहन (हिमाचल प्रदेश)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने हिमाचल प्रदेश के लोगों से कांग्रेस के सभी चार लोकसभा उम्मीदवारों की जीत के लिए वोट करने की अपील की, साथ ही उन्होंने उनसे वादा किया कि वह और उनकी बहन व पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी राष्ट्रीय राजधानी में हिमाचल की आवाज बनेंगी।

उन्होंने पार्टी के शिमला लोकसभा सीट के उम्मीदवार के लिए सिरमौर जिले में एक सार्वजनिक बैठक में कहा, प्रियंका और मैं दिल्ली में आपके सैनिक हैं और हम राजधानी में हिमाचल प्रदेश की आवाज उठाएंगे।

राहुल ने पिछले मानसून सीजन की आपदा के बाद हिमाचल प्रदेश को सहायता नहीं देने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्?होंने कहा कि आपदा से 22,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए। लेकिन केंद्र सरकार ने अभी तक राज्य को 9,000 करोड़ रुपये की राहत राशि जारी नहीं की है। इसके अलावा, राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर बड़े

व्यापारियों के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया और कहा कि यही वजह है कि हिमाचल में सेब उत्पादकों को फसल के उचित दाम नहीं मिले। उन्होंने प्रधानमंत्री पर देश के 20-25 धनी व्यक्तियों के हितों के लिए काम करने और देश के 22 करोड़पति लोगों पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन व्यक्तियों के 16 लाख करोड़ रुपये के ऋण माफ कर दिए गए हैं। राहुल गांधी ने सेब की कीमतों, किसानों और मजदूरों की समस्याओं जैसे मुद्दों की अनदेखी के लिए मीडिया की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नोटबंदी और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने में कुप्रबंधन के जरिए लाखों छोटे व्यवसायों को तबाह कर दिया है। उन्होंने कहा, कुछ चुनिंदा लोगों के सपने पूरे हो रहे हैं, जबकि बाकी देश देखता और हाथ मलता रह गया है।

इस मौके पर कांग्रेस के हिमाचल प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला, प्रदेश पार्टी इकाई की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, शिमला से कांग्रेस प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी, उद्योग मंत्री हर्षवर्द्धन चौहान, विधायक अजय सोलंकी और पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिंचाई परियोजना के बंद पड़े कार्यालय में आग से अफरातफरी

एजेंसी

अररिया। जिले के बथनाहा स्थित सिंचाई परियोजना के बंद पड़े कार्यालय में रविवार की देर रात अचानक आग लग गई,जिससे काफी अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया।सूचना के बाद बथनाहा थानाध्यक्ष धनोज कुमार गुप्ता समेत फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची और अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया।आग लगने के कारण का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है

स्थानीय लोगों का कहना है कि बंद पड़े इस कार्यालय भवन में नशेड़ियों ने अपना अड्डा बना रखा है,जहां शाम के बाद से ही नशेड़ी जमा होकर गांजा, भांग सहित स्मैक जैसे नशे का पान करते हैं। बथनाहा के कोसी कॉलोनी स्थित जिस बंद पड़े सिंचाई कार्यालय में आग लगी वह ड्रेनेज कार्यालय सिंचाई प्रमंडल नरपतगंज के नियंत्रण के अधीन है।बथनाहा में बगल में ही हात लगता है।जहां देर रात तक लोगों को आवाजाही होती है और इसी क्रम में देर रात आग की लपट देखकर थानाध्यक्ष और फायर बिग्रेड टीम को सूचना दी गाय।जो मौके पर पहुंचकर एक घंटे के मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

बहुमत के साथ बनेगी भाजपा की सरकार : डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा

एजेंसी

नागौर । लोकसभा चुनाव 2024 के छह चरणों के मतदान संपन्न होने के बाद सभी राजनीतिक दलों की ओर से लगातार जीत के दावे किए जा रहे हैं। कोई 400 पार के दावे कर रहा है, तो कोई अब विपक्षी खेमे से उठकर सत्ता पक्ष में शामिल होने को लेकर आश्वस्त नजर आ रहा है। ऐसे में 'देश की जनता' सत्ता की चाबी किसे सौंपती है, यह तो फिलहाल चार जून को नतीजे के दिन ही साफ हो पाएगा, लेकिन उससे पहले राजस्थान के डिप्टी सीएम की कमान संभाल रहे प्रेमचंद बैरवा ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने यह दावा ऐसे वक्त में किया है, जब छह चरणों के मतदान संपन्न हो चुके हैं। अब महज एक चरण का मतदान शेष है। दरअसल, डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा नागौर और मेड़ता दौरे पर गए, जहां उनका मेड़ता के विधायक लक्ष्मण राम कलरू सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने राजस्थानी साफा पहनाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान, डिप्टी सीएम ने इस लोकसभा चुनाव में जहां बीजेपी की जीत का दावा किया, वहीं दो टूक कहा कि इंडिया गठबंधन ताश के पत्तों की तरह धराशायी होगा।

उन्होंने कहा कि बीजेपी राजस्थान की सभी 25 सीटों पर जीत का पताका फहराएगी। इस कार्यक्रम में उप-जिला प्रमुख शोभाराम जयपाल, उप प्रधान राजवीर जाजड़ा, नवरतनमल सिंघवी, पवन पड़तानी, राजू माली, नारायण पारीक, मंगलाराम आदि भाजपा कार्यकर्ता नेता शामिल हुए।

आंखें हैं अनमोल, इन्हें दें खास केयर

आंखें बहुत अनमोल होती है। आंखों से हम प्राकृतिक नजारों का मज़ा लेते हैं। इसलिए इनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। अगर हम इनकी अच्छे से केयर करें तो काफी हद तक आंखों की परेशानियों से निजात पाई जा सकती है। अच्छा खान-पान,विटामिन-ए युक्त आहार और कुछ अन्य बातों का ध्यान रखकर हम अपनी आंखों की सुंदरता बरकरार रख सकते हैं। आज हम आपको ऐसे टिप्स बताते हैं जिसकी मदद से आप अपनी आंखों की अच्छे से देखभाल कर सकते हैं।

1. आंखों की सफाई

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए इनकी सफाई रखना बहुत जरूरी है। कई बार आंखों में जलन, खुजली, पानी आना, आंखों का लाल होना जैसी समस्या भी आ सकती है। इसके लिए आप आंखों को दिन में 3-4 बार ठंडे पानी से अच्छीं तरह से धोएं।

2. पौष्टिक भोजन अपने आहार में विटामिन -ए , प्रोटीन वाले भोजन शामिल करें जैसे दूध, पनीर, मक्खन,अंडे,फल शामिल करें।

3. खाली पेट पानी पीएं

सुबह उठकर पानी पीने से शरीर में से विषैले तत्व बाहर निकल जाते है। दिन में 8-9 गिलास पानी-पीना आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

4. अच्छी नींद डाक्टरों के अनुसार दिन में 8 घंटे की नींद लेना बहुत जरूरी है। इससे आंखों को आराम मिलता है और काले घेरे भी कम हो जाते है।

5. कंप्यूटर से उचित दूरी

कंप्यूटर पर काम करते वक्त स्क्रीन से दूरी बनाएं रखें। लगातार आंखे गडाकर न बैठे बीच-बीच में इन्हे थोडा आराम भी दें। कंप्यूटर पर काम करते समय अपनी कुर्सी को कंप्यूटर की ऊंचाई के हिसाब से रखें।

6. आंखों का चेकअप

अगर आपको देखने में परेशानी हो रही है या सिर में दर्द होता है तो आपनी आंखों का चेकअप जरूर करवाएं। खासकर डायबिटीज के रोगियों को समय-समय पर आंखों का चेकअप जरूर करवाना चाहिए।

7. अच्छी क्वालिटी का मेकअप

आंखों पर हमेशा बढिया क्वालिटी का ही मेकअप यूज करें। काजल और शैडो का कम से कम इस्तेमाल करें। रात को सोने से पहले आंखों का मेकअप जरूर हटाएं।

8. चश्में का करें इस्तेमाल

आंखों में थकान होने पर गुलाब जल में रूई भिगोकर आंखों पर रखने से आंखों को राहत मिलती है। धूप में घर से बाहर जाते समय सूरज की तेज किरणो से बचने के लिए आंखो पर चश्मे जरूर लगाएं।

चेहरे को बेदाग बनाने के लिए आसान और घरेलू नुस्खे

बेदाग चेहरा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है लेकिन कई बार धूल-मिट्टी की वजह से चेहरे की चमक गायब हो जाती हैं। दरअसल, धूल-मिट्टी हमारे चेहरे के रोम छिद्रों में फंस जाती है जो बाद में ब्लैकहेडस के रूप में हमारे सामने आते हैं। भद्दे दिखाई देने वाले इन ब्लैकहेडस से ज्यादातर परेशानी टीनएजर लड़के-लड़कियों को होती है। इससे छुटकारा पाने के लिए वे महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन प्रॉडक्ट्स में कैमिकल्स काफी मात्रा में होते हैं जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं इसलिए बेहतर होगा अगर इसका उपचार घरेलू नुस्खों से किया जाए। इससे न केवल ब्लैकहैड्स दूर होंगे बल्कि स्किन भी ग्लोइंग दिखेगी।

-बेकिंग सोडा चेहरे से ब्लैकहेड्स दूर करने का एक कारगार तरीका है। यह रोम छिद्रों में जमी गंदगी को बाहर कर चेहरे को पूरी तरह से साफ करता है। -दालचीनी और हल्दी को नींबू के रस में मिलाकर चेहरे पर लगाने से भी ब्लैकहेड्स दूर किए जा सकते हैं। -ओट मील और दही के मिश्रण को चेहरे पर लगाने से जिद्दी ब्लैकहैड्स भी दूर हो जाते हैं।

- नींबू का रस त्वचा की टैनिंग और दाग-धब्बों को हटाने में बेहद असरदार है। इससे ब्लैकहैड्स भी आसानी से निकल जाते हैं। -ग्रीन टी पीने और इसका पैक चेहरे पर लगाने से ब्लैकहैड्स पूरी तरह से साफ हो जाते हैं। -शहद ड्राई स्कि?न को नमी तो देता ही है, इसी के साथ वह ब्लैकहैड्स को खत्म करके पोर्स में कसावट भी लाता है, जिससे चेहरा ग्लोइंग नजर आता है।

गर्मियों में मेकअप करने के लिए अपनाएं ये 6 टिप्स

गर्मियों के मौसम में हमें अपनी त्वचा का खास ध्यान रखना पड़ता है। इस मौसम में हमें अपनी त्वचा के हिसाब से ही मैच करता हुआ मेकअप करना होता है ताकि हमारा मेकअप ज्यादा समय तक टिका रहें और खराब न हो। ऐसे मौसम में हमे अपनी स्किन को सॉफ्ट, लाइट और शाइनी रखने के लिए वाटरप्रूफ और लाइट मेकअप का ही इस्तेमाल करना चाहिए। ज्यादा गर्मी में लड़कियां ग्लैमरस लुक पाने के लिए सन प्रोटैक्शन मेकअप व नैचुरल लुक का मेकअप ही पसंद करती हैं। यह मेकअप हमारे चेहरे पर पिंपल्स और डार्क सर्कल्स को होने से बचातें हैं। आज हम आपको गर्मियों में मेकअप करने के लिए आसान से टिप्स बताएगें। तो आइए जानते हैं...

- अगर आपका रंग सांवला है तो आप मेकअप में डीप यलो या रिच गोल्डन टोन फाउंडेशन का इस्तेमाल करें।

- फेयर कॉम्प्लेक्शन वालों को नैचुरल लुक पाने के लिए टिंटेड मॉइश्चराइजर का ही प्रयोग करना चाहिए।

- गर्मियों के मौसम में कम से कम मेकअप करें और बालों की क्लीन और अच्छी लुक पाने के लिए पीछे की ओर ही रखें। - अगर आपके पास आंखों का मेकअप करने के लिए समय कम है तो ब्राउन आईशैडो का डार्क शेड ही लगाएं और ब्रश की सहायता से अपने आईलिड पर काफी सारा मस्कारा लगाएं। इसी तरह से आप आंखों में काजल लगा लें।

- अगर आप गर्मियों के मौसम में किसी पार्टी में जा रही है तो लाइट मेकअप करें। लाइट मेकअप मे काजल, ब्लश ऑन और न्यूड लिप्स आपको हॉट लुक देंते हैं।

- सिंपल लुक के लिए आप अपने चेहरे पर स्किन टोन से मैच करता हुआ फाउंडेशन लगाएं औप बाद में इसे ठीक करने के लिए थोड़ा सा पाउडर लगाएं। आप अपनी चिक्स पर पीच शेड का ब्लशर और होठों पर पीच या पिंक शेड की लिपस्टिक ही लगाएं। - कॉलेज जाने वाली लड़कियां आईशैडो का इस्तेमाल न करें। वह आंखों पर पतला सा आईलाइनर और मस्कारा लगाएं। यह आपकी आंखों की धूप में सुरक्षा करता है।

सुंदरता बढ़ाए हर्बल बाथ

आज हमारी लाइफ इतनी ज्यादा भाग-दौड़ वाली एवं अव्यवस्थित होती जा रही है कि त्वचा की ताजगी एवं चेहरे की खूबसूरती कहीं खोने लगी है। ऐसे में यदि आप हर्बल बाथ अर्थात शाही स्नान करें तो आप को अद्भुत तरो-ताजगी तो महसूस होगी ही, साथ ही बेमिसाल खूबसूरती भी मिलेगी।

क्लियोपेट्रा बॉडी पॉलिशिंग

इतिहास की सब से खूबसूरत महिलाओं में शुमार मिस्र की महारानी क्लियोपेट्रा हमेशा खूबसूरत बने रहने के लिए दूध से स्नान किया करती थी। हालांकि यहां क्लियोपेट्रो बॉडी मसाज का अर्थ बॉडी पॉलीशिंग से है, जिस में दूध का भी इस्तेमाल किया जाता है। इस में अनेक प्राकृतिक एवं हर्बल तत्वों को मिश्रित कर मलमल के कपड़े की एक पोटली तैयार की जाती है, फिर उसे गुनगुने गाढ़े दूध में डिप कर के बॉडी मसाज दी जाती है। इस प्रकार की मसाज से बॉडी की डैड स्किन निकल जाती है, टैनिंग रिमूव हो जाती है तथा त्वचा में **कोमलता एवं निखार आता है।**

रॉयल थाई मसाज रॉयल थाई मसाज तेलों के बगैर होने वाला ड्राई मसाज है। इस मसाज में हथेली, कुहनी और पैर से दाब लगाते हैं। रॉयल थाई मसाज में हर्बल चीजों की पोटली से मालिश की जाती है। यदि किसी को तेल से एलर्जी हो तो वह भी इस ड्राई मसाज का लाभ उठा सकता है।

हर्बल मिल्क बाथ बॉडी मसाज कराने के बाद मिल्क बाथ लेना भी जरूरी है। यह बाथ भी शारीरिक थकान, दर्द एवं टैनिंग तो रिमूव करेगा ही, साथ ही पूरे शरीर की त्वचा भी निखर जाएगी। यह ठंडक का भी एहसास कराता है।

4 लीटर दूध में चुटकी भर पिसी कच्ची हल्दी, 2 छोटे चम्मच मुलैठी पाऊडर, थोड़ा-सा अमलतास, आधा छोटा चम्मच सल्फर,आधा चम्मच सरेवा, थोड़ी गुलाब की पंखुडियां, 2 चम्मच गुलाब जल एवं 1 चम्मच लाल चंदन, इन सब को दूध में डाल कर तब तक उबालें, जब तक कि दूध दो-अढ़ाई लीटर न रह जाए। अब इस मिश्रण को लोटे में डाल कर फ्रैश गुलाब की पंखुडियां मिला कर बादाम ऑयल शरीर पर लगाने के बाद धार बनाती हुई डालती जाएं और दूसरे हाथ से मसाज भी देती जाएं।

किलियन म्बाप्पे को चुपके से क्या बोले फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन

एजेंसी

फ्रांस एक रोमांचक फ्रेंच कप फाइनल मैच में, पेरिस सेंट-जर्मेन एफ.सी. ओलंपिक लियोनिस पर 2-1 से जीत के साथ विजयी हुआ। ओस्मान डेम्बेले ने 22वें मिनट में एक शानदार गोल किया, जिससे एक कड़े मुकाबले का मंच तैयार हो गया। फैबियान रुइज़ ने 34वें मिनट में गोल करके पीएसजी की बढ़त बढ़ा दी। 55वें मिनट में जेक ओ%ब्रायन के गोल की मदद से लियोन ने बहादुरी से वापसी की, लेकिन पीएसजी की रक्षापंक्ति मजबूत रही और उसने जीत सुनिश्चित कर ली। पीएसजी ने अपनी आक्रामक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए 28 शॉट्स और 69त्न पजेशन के साथ खेल में अपना दबदबा बनाया।रियल मैड्रिड में शामिल होने की महत्वाकांक्षा के साथ, एमबीप्पे ल्योन के खिलाफ कूप डी फ्रांस फाइनल के लिए तैयारी कर रहे थे। खेल से पहले, मैक्रॉन ने सुरंग में स्ट्राइकर के साथ छोटी सी बातचीत की। हालाँकि मैक्रॉन के सटीक शब्द अज्ञात हैं, ऐसा लगता है कि वह एमबीप्पे को अलविदा कह रहे थे क्योंकि वह स्पेन की यात्रा के लिए तैयार हो रहे थे। एक अधिक उम्र के खिलाड़ी के रूप में 2024 ओलंपिक में फ्रांस का प्रतिनिधित्व करने की स्ट्राइकर की क्षमता का स्पष्ट रूप से रियल मैड्रिड और मैक्रॉन द्वारा पता लगाया गया है, जिनकी एमबीप्पे के करियर में व्यापक रुचि है। यह स्पष्ट करने की आवश्यकता है कि क्या उनका अगला क्लब क्लब इसकी अनुमति देगा।पीएसजी में एमबीप्पे का समय एक उज्ज्वल नोट पर समाप्त हुआ, जिसमें उन्होंने अपने विदाई खेल में फ्रेंच कप जीता।

तलाक की अफवाहों के बीच, हार्दिक पंड्या टी20 विश्व कप के लिए टीम में शामिल होंगे

नई दिल्ली । भारत के उप-कप्तान हार्दिक पंड्या आगामी पुरुष टी20 विश्व कप से पहले दोपहर को न्यूयॉर्क में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम से जुड़ेंगे। शनिवार रात मुंबई से न्यूयॉर्क के लिए प्रस्थान करने वाले भारतीय टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के पहले बैच के दृश्यों में पंड्या एक उल्लेखनीय चूक थी। क्रिकबज की एक रिपोर्ट में कहा गया, वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से हार के साथ आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस का अभियान समाप्त होने के बाद पंड्या एक अज्ञात स्थान पर विदेश में छुट्टियां मना रहे थे, और अब लिंक करने के लिए न्यूयॉर्क जा रहे हैं। 1 जून से शुरू होने वाले शोपीस इवेंट के लिए भारतीय टीम के साथ। पंड्या के लिए आईपीएल 2024 में एक कठिन समय था, जहां वह टखने की चोट के बाद अपने निराशाजनक हरफनमौला प्रदर्शन के लिए लगातार सुर्खियों में थे और यहां तक कि घर और बाहर दोनों खेलों में भीड़ द्वारा उनकी आलोचना भी की गई थी।

बल्ले से, हार्दिक ने आईपीएल 2024 के 14 मैचों में 18 की औसत और 143.05 के स्ट्राइक-रेट से सिर्फ 216 रन बनाए। गेंद के साथ, उन्होंने 10.75 की इकॉनमी-रेट और 35.18 की औसत से 11 विकेट लिए।

भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से हट गए

नई दिल्ली । ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 26 मई को दो सप्ताह पहले प्रशिक्षण के दौरान मांसपेशियों में चोट लगने का हवाला देते हुए ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 से बाहर होने का विकल्प चुना। चोपड़ा ने एक्स को लिखा और लिखा, सभी को नमस्कार! हाल ही में एक थ्रोइंग सत्र के बाद, मैंने ओस्ट्रावा में प्रतिस्पर्धा नहीं करने का फैसला किया क्योंकि मुझे अपने एडक्टर में कुछ महसूस हुआ। मुझे अतीत में इसके साथ समस्याएं हुई हैं और इस स्तर पर इसे आगे बढ़ाने से मुझे नुकसान हो सकता है। चोट। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट कर दूं कि मैं घायल नहीं हूं लेकिन मैं ओलंपिक वर्ष के दौरान कोई जोखिम नहीं लेना चाहता इसलिए यह फैसला लेना पड़ा। एक बार जब मुझे लगेगा कि यह पूरी तरह से ठीक हो गया है तो मैं प्रतियोगिताओं में वापसी करूंगा। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद (एसआईसी)। ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 एथलेटिक्स मीट 28 मई को चेक गणराज्य में होगी।

बाबर आजम रोहित शर्मा को पछाड़कर टी20आई में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए

बर्मिंघम। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम भारत के कप्तान रोहित शर्मा को पछाड़कर टी20ई में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। बाबर ने एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान के दूसरे टी20 मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। शनिवार को मैच की दूसरी पारी में बाबर ने औसत प्रदर्शन किया. उन्होंने 26 गेंदों पर 123.08 की स्ट्राइक रेट से 32 रन बनाए और रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। उन्होंने 4 चौके लगाए लेकिन उनके प्रयास मेन इन ग्रीन को जीत दिलाने में मदद नहीं कर सके।टी-20 में रोहित ने 151 मैच और 143 पारियां खेलीं, जहां उन्होंने 139.97 की स्ट्राइक रेट से 3974 रन बनाए। जबकि बाबर ने 118 मैचों और 111 पारियों में हिस्सा लेकर 129.91 की स्ट्राइक रेट से 3987 रन बनाए। केवल भारत के करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली ही रोहित और बाबर से आगे हैं। कोहली वर्तमान में 4037 रनों के साथ टी20आई में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच दूसरे टी20आई मैच को याद करते हुए, पाकिस्तान द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने पर, इंग्लैंड ने इन-फॉर्म ओपनर फिल साल्ट को सिर्फ 13 रन पर ऑलराउंडर इमाद वसीम के हाथों खो दिया, शाहीन अफरीदी ने लॉन्ग-ऑन पर एक अच्छा कैच लपका।

केकेआर ने जीता आईपीएल 2024 का खिताब, हैदराबाद को दी आठ विकेट से करारी शिकस्त

एजेंसी

चेन्नई। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में कोलकाता की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से हरा दिया। केकेआर ने आईपीएल के इतिहास में तीसरी बार यह ट्रॉफी अपने नाम की है। इससे पहले केकेआर ने साल 2012 व 2014 में आईपीएल ट्रॉफी जीती थी।

चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन केकेआर के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की और हैदराबाद की पूरी टीम को 18.3 ओवर में 113 रन पर ऑलआउट कर दिया। इसके बाद कोलकाता की टीम ने लक्ष्य को सिर्फ 10.3 ओवर्स में हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता को दूसरे ओवर में सलामी बल्लेबाज सुनील

नरेन के रूप में पहला झटका लगा। नरेन ने 6 रन बनाए। इसके बाद रहमानुल्लाह गुरबाज और वेंकटेश अय्यर ने तेजी से रन बटोरते हुए मैच को एकतरफा कर दिया। वेंकटेश ने 26 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 52 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने 32 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों के मदद से 39 रन बनाए। इनके अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 6 रन बनाए। कोलकाता ने मात्र 10.3 ओवर में दो विकेट पर 114 रन बनाकर जीत दर्ज कर ली।

हैदराबाद की तरफ से इस मैच में गेंदबाजी में पैट कमिंस और शहबाज अहमद ने 1-1 विकेट हासिल किया। इससे पहले फाइनल मैच में हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। टीम की शुरुआत खराब रही।सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 2 रन और ट्रेविस हेड बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद राहुल त्रिपाठी भी मैच में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और 9 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तो हैदराबाद की पारी पूरी तरह लड़खड़ा गई। नीतीश रेड्डी 13 रन, एडेन मार्करम 20 रन, एनरिक क्लासन 16 रन, शाहबाज अहमद 8 रन, अब्दुल समद 4 रन, पैट कमिंस 24 रन, जयदेव उनादकट ने 4 रन बनाए। पूरी टीम 18.3 ओवर में 113 रन पर ढेर हो गई। केकेआर के लिए आंद्रे रसेल ने सबसे ज्यादा तीन विकेट झटके जबकि मिचेल स्टार्क, हर्षित राणा ने दो-दो विकेट और वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती एवं सुनील नारायण को एक-एक सफलता मिली।

कांनीनजुकु राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में आरबी अकादमी के खिलाड़ियों ने 7 स्वर्ण सहित जीते 10 पदक

एजेंसी

वाराणसी। महाराष्ट्र के डी. सी. स्कूल खंडाला में आयोजित कांनीनजुकु राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में वाराणसी स्थित आर. बी. अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए 7 स्वर्ण सहित 10 पदक जीते। प्रतियोगिता का आयोजन 25 मई 2024 को हुआ था इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के कांनीनजुकु आर. बी. मार्शल आर्ट्स एकडेमी के 6 खिलाड़ियों ने उत्तर प्रदेश की ओर से प्रतिभाग किया था। अकादमी के कोच अरविन्द कुमार ने बताया कि अकादमी के खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के अलग - अलग वर्गों में 7 स्वर्ण , 1 रजत और 2 कांस्य पदक के साथ कुल 10 पदक जीते । ऋषिका रयान और वेदान्त मिश्रा ने काता और कुमिते में स्वर्ण, आरुषि वर्मा ने काता में स्वर्ण और कुमिते में कांस्य पदक, खुशी मजुमदार ने काता में कांस्य और कुमिते में स्वर्ण, अदिति सोनकर ने कुमिते में स्वर्ण पदक और शिवानी गुप्ता ने कुमिते में रजत पदक जीता।

कोच अरविन्द ने बताया कि ऋषिका रयान को बेस्ट कराटेका का अवार्ड भी मिला। यह अवार्ड जापान से आये मुख्य प्रशिक्षक सोके कोइची यामामुरा, सेंसेई केनतारो यामामुरा और क्योशी परमजीत सिंह के द्वारा प्रदान किया गया।

एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय जिमनास्ट बनीं दीपा करमाकर

एजेंसी

नई दिल्ली। दीपा करमाकर ने ताशकंद में चल रहे एशियाई महिला कलात्मक जिमनास्टिक चैंपियनशिप के वॉल्ट स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके साथ ही वह एशियाई महिला कलात्मक जिमनास्टिक चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय जिमनास्ट बन गईं।

30 वर्षीय दीपा, जो क्वालिफिकेशन में 12.650 के साथ आठवें स्थान पर थीं, ने फाइनल में अपने दो प्रयासों में कुल मिलाकर 13.566 का स्कोर बनाया। उनके बाद दो उत्तर कोरियाई, किम सोन ह्यांग (13.466, 0.100 की पेनल्टी के बाद) और जो क्योंग ब्योल (12.966) थीं। 2015 में

हिरोशिमा में कांस्य (14.725) के बाद यह दीपा का चैंपियनशिप में दूसरा पदक था। आशीष कुमार (फ्लोर एक्सरसाइज, कांस्य, सूरत, 2006) और प्रणति नायक (वॉल्ट, उलानबटार, 2019 और दोहा, 2022 में कांस्य पदक) अन्य भारतीय हैं, जिन्होंने एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीते हैं। यह दीपा का उल्लेखनीय प्रदर्शन था, जो चोटों, दो घुटनों की सर्जरी और डोपिंग उल्लंघन के लिए 21 महीने के निलंबन से वापसी कर रही थीं।

आईपीएल 2024 का खिताब जीतने पर ममता बनर्जी, जय शाह ने केकेआर को दी बधाई

एजेंसी

चेन्नई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने अपना तीसरा इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम को बधाई दी है। श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में केकेआर ने चेपॉक में टूर्नामेंट के फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हराकर अपना तीसरा खिताब जीता।

ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा, कोलकाता नाइट राइडर्स की जीत ने पूरे बंगाल में जश्न का माहौल बना दिया है। मैं आईपीएल के इस सीज़न में रिकॉर्ड तोड़ने वाले प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और फ्रेंचाइजी को व्यक्तिगत रूप से बधाई देना चाहती हूं। आने वाले वर्षों में ऐसे और अधिक आकर्षक प्रदर्शन के लिए

शुभकामनाएं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने केकेआर और फ्रेंचाइजी के कप्तान श्रेयस अय्यर को उनके विजयी सीजन के लिए बधाई दी। उन्होंने बड़ी संख्या में आने और 17वें संस्करण को सफल बनाने के लिए प्रशंसकों को भी धन्यवाद दिया।

जय शाह ने एक्स पर लिखा, 2024 टाटा आईपीएल जीतने के लिए केकेआर को बधाई! टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार निरंतरता दिखाई और टीम का शानदार नेतृत्व करने के लिए श्रेयस अय्यर को बधाई। एक बार फिर, बड़ी संख्या में आने और इसे एक सफल सीजन बनाने के लिए प्रशंसकों को धन्यवाद।

आईसीसी टी-20 विश्व कप से बाहर हुए वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज को अपने टी20 विश्व कप अभियान से पहले उस समय करारा झटका लगा जब ऑलराउंडर जेसन होल्डर चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा सीरीज खेल रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओबेद मैककॉय को होल्डर के प्रतिस्थापन के रूप में नामित किया गया है। होल्डर को काउंटी चैम्पियनशिप में वॉर्सेस्टरशायर के लिए खेलते समय चोट लगी थी।

हालाँकि, क्रिकेट वेस्टइंडीज की विज्ञप्ति में चोट की प्रकृति या उनके ठीक होने की समयसीमा के बारे में नहीं बताया गया है। मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा, जेसन हमारे सेट-अप में एक अनुभवी खिलाड़ी हैं। उनकी अनुपस्थिति निस्संदेह मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह महसूस की जाएगी। हम उम्मीद करते हैं कि जेसन जल्द ही पूरी तरह से फिट होकर हमारे पास आएंगे। उन्होंने

आगे कहा, हालांकि जेसन जैसी क्षमता वाले खिलाड़ी को खोना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन हमें ओबेद मैककॉय की क्षमताओं पर भरोसा है। ओबेद ने अपने प्रदर्शन में उल्लेखनीय कौशल और वादा दिखाया है, और यह अवसर उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने की अनुमति देगा। हमारा मानना है कि वह टीम में एक नई और गतिशील ऊर्जा लाएंगे।

सीडब्ल्यूआई ने पांच रिजर्व खिलाड़ियों का एक पूल भी नामित किया है, जिसमें से टीम में बाद में चोट लगने पर एक प्रतिस्थापन खिलाड़ी को चुना जाएगा। टी20

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा सीरीज खेल रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओबेद मैककॉय को होल्डर के प्रतिस्थापन के रूप में नामित किया गया है।

विश्व कप के सह-मेजबान और दो बार के चैंपियन अपने अभियान की शुरुआत 2 जून को पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ करेंगे।

वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार है: रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्ज़ारी जोसेफ (उप-कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज़, शिमरोन हेटमायर, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरन, शाई होप, आंद्रे रसेल, रोमारियो शेफर्ड, ओबेद मैककॉय, अकील होसेन, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड।

फाइनल हारने के बाद रोने लगीं काव्या मारन, वीडियो वायरल

एजेंसी

नई दिल्ली । आईपीएल के 17वें सीजन का खिताब कोलकाता नाइटराइडर्स ने अपने नाम किया। फाइनल में कोलकाता ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से मात दी। सनराइजर्स हैदराबाद की हार के बाद टीम की ऑनर काव्या मारन अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाई और स्टैंड में रोने लगीं। काव्या का इमोशनल वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। कोलकाता की घातक गेंदबाजी के आगे हैदराबाद

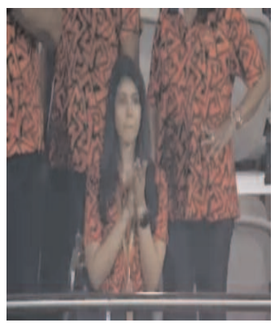

113 रन बनाकर सिमट गई। कप्तान पैट कमिंस ने सर्वाधिक 24 रन बनाए। केकेआर ने 10.3 ओवर में 114 रन बनाकर मैच जीत लिया। वेंटकेटश अय्यर ने नाबाद 52 रन बनाए। गुरबाज ने 39 रन की पारी खेली।

हैदराबाद की हार के बाद फ्रेंचाइजी की सीईओ काव्या मारन भावुक हो गईं। वह अपनी भावनाओं को काबू न कर सकीं और रोने लगीं। उनकी आंखों से छलकते आंसू कैमरे में कैद हो गए। अब काव्या का इमोशनल वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो को शेयर करते हुए एक यूजर ने लिखा कि रुला दिया बेचारी को। वहीं, कई फैंस ने उन्हें दिलासा दिया। हालांकि, काव्या अपने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए तालियां बजाती हुई भी दिखीं।

विराट कोहली आईपीएल 2024 की मैथ्यू हेडन की टीम में तीन भारतीयों में से एक

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच फाइनल मुकाबले से पहले टूर्नामेंट की अपनी आईपीएल टीम में विराट कोहली, संजू सैमसन और जसप्रित बुमरा को नामित किया है। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को ब्रॉडकास्टर के आधिकारिक एक्स हैंडल पर अपनी 12 सदस्यीय टीम का खुलासा किया। उन्होंने अपनी टीम के ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर सुनील नरेन और ट्रैविस हेड को चुना. नरेन सीजन में कोलकाता के लिए एक शतक और तीन अर्द्धशतक सहित 482 रन बनाकर शीर्ष पर बने हुए हैं। दूसरी ओर, हेड ने फाइनलिस्ट के लिए 567 रन बनाए और टूर्नामेंट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए एक शतक और चार अर्धशतक भी बनाए। दिग्गज क्रिकेटर ने नंबर के लिए कोहली का नाम लिया. रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ अपने शानदार आईपीएल सीज़न के बाद

तीसरा स्थान। एलिमिनेटर में अपना अभियान समाप्त होने के बाद वह टूर्नामेंट में अग्रणी रन-स्कोरर के रूप में समाप्त हुए। 15 मैचों में कोहली ने एक शतक और पांच अर्धशतक समेत 741 रन बनाए.

मध्यक्रम में हेडन ने राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन (531 रन) और रियान पराग (573 रन), लखनऊ सुपर जाइंट्स के निकोलस पूरन (499 रन) और हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन (463 रन) की जोड़ी को शामिल किया. स्पिन विभाग में राजस्थान के युजवेंद्र चहल (18 विकेट) और केकेआर के वरुण चक्रवर्ती (20 विकेट) को जगह दी गई है, जबकि मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (20 विकेट) के साथ राजस्थान के आवेश खान (19 विकेट) और संदीप के. तेज गेंदबाजी विभाग का नेतृत्व करें. , शर्मा (13 विकेट)।

हेडन की टूर्नामेंट की टीम- सुनील नरेन, ट्रैविस हेड, विराट कोहली, संजू सैमसन, निकोलस पूरन, रयान परान, हेनरिक क्लासेन, युजवेंद्र चहल, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रित बुमरा, अवेश खान, संदीप शर्मा।

फ्रेंच ओपन 2024 : नाओमी ओसाका ने शुरुआती दौर में लूसिया ब्रॉन्ज़ेटी को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने इटली की लूसिया ब्रोंजेटी से जोरदार वापसी करते हुए तीन साल में रोलांड गैरोस में अपनी पहली जीत हासिल की। जापान की ओसाका, जो हाल ही में मातृत्व अवकाश से लौटी हैं, ने दुनिया की 67वें नंबर की खिलाड़ी के अंतिम प्रतिरोध पर काबू पाते हुए 6-1, 4-6, 7-5 से जीत हासिल की।पेरिस के क्ले कोर्ट में ओसाका की वापसी को काफी उम्मीदें थीं, क्योंकि दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी का लक्ष्य फ्रेंच ओपन में अपना रिकॉर्ड सुधारना था, जहां वह कभी भी अंतिम 32 से आगे नहीं बढ़ पाई थीं। मैच की शुरुआत तूफानी कोर्ट फिलिप-चैटरियर पर हुई। जहां ओसाका ने तेजी से नियंत्रण हासिल कर लिया और लगातार पांच गेम जीतकर पहला सेट केवल 27 मिनट में समाप्त कर दिया।हालाँकि, ब्रोंज़ेटी को आसानी से आउट नहीं किया जाना था। शुरुआत में ओसाका की शक्तिशाली सर्विस के खिलाफ संघर्ष करने के बाद, इटालियन ने दूसरे सेट में अपनी लय हासिल कर ली। दृढ़ता

के साथ, ब्रॉन्ज़ेटी ने 5-4 पर एक महत्वपूर्ण ब्रेक प्वाइंट को बदल दिया, जिससे निर्णायक को मजबूर होना पड़ा और मैच को अप्रत्याशित चरमोत्कर्ष पर ले आया।अंतिम सेट में ओसाका मजबूत स्थिति में थी और 4-0 से आगे थी, लेकिन ब्रॉन्ज़ेटी ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। फिर भी, ओसाका का लचीलापन चमक गया क्योंकि उसने ब्रॉन्ज़ेटी की सर्विस को एक बार फिर तोड़ दिया, अपनी बढ़त हासिल कर ली और अंत में दो घंटे की लड़ाई को पूरा करने के लिए मैच को पूरा किया।आगे देखते हुए, ओसाका को दूसरे दौर में एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जहां वह गत चैंपियन और भारी खिताब की प्रबल दावेदार इगा स्वियाटेक से भिड़ने के लिए तैयार है। स्वियाटेक, जो अपने शुरुआती मैच में फ्रांस की लिओलिया जीनजीन से भिड़ेंगी, ओसाका के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा का प्रतिनिधित्व करती है, लेकिन मैच टूर्नामेंट का मुख्य आकर्षण होने का वादा करता है।टूर्नामेंट में कहीं और, लातवियाई नौवीं वरीयता प्राप्त जेलेना ओस्टापेंको रोमानियाई जैकलिन क्रिस्टियन पर 6-4, 7-5 से जीत के साथ आगे बढ़ीं। 2017 चैंपियन का अगला मुकाबला जर्मनी की तात्जाना मारिया या डेन क्लारा टौसन से होगा। 30वीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की दयाना यास्त्रेम्स्का ने सेट की कमी से उबरते हुए ऑस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड अजला टोमलजानोविक को 3-6, 6-3, 6-3 से हराया।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग में अर्जेंटीना से 0-3 से हार गई

एजेंसी

एंटवर्प। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग के बेल्जियम चरण में अपना जीत का सिलसिला जारी रखा और रविवार को यहां अर्जेंटीना के खिलाफ 0-3 से हार गई।बेल्जियम चरण के अंतिम मैच में भारत के लिए अर्जेंटीना के लिए सेलिना डि सैंटो (पहला मिनट), मारिया कैंपॉय (39वां) और मारिया ग्रैनाटो (47वां मिनट) ने गोल किए।अर्जेंटीना पहले ही मिनट में आगे बढ़ गया, भारतीय हाई प्रेस को भेदते हुए और शूटिंग सर्कल में घुस गया, जहां डि सैंटो ने ग्रेनाट्टो के शॉट में विक्षेपित होकर अपना पहला गोल किया।जैसे ही भारत को अपने हाफ से बाहर खेलने के लिए संघर्ष करना पड़ा, अर्जेंटीना के प्रभुत्व का दौर शुरू हुआ, जिसके परिणामस्वरूप खेल के आठ मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे अपनी बढ़त बढ़ाने में असफल रहे।भारत ने एक साथ कुछ पास देना शुरू किया और खेल में आ गया। उन्होंने अर्जेंटीनी गोलकीपर क्लारा बारबेरी को कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया, जब उदिता ने सर्कल में एक कम ड्राइव की, लालरेम्सियामी को पाया, जो करीब से गोल करने में विफल रही।अर्जेंटीना ने दूसरे क्वार्टर में कार्यवाही पर नियंत्रण हासिल कर लिया, जिससे कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन बिचू देवी खारीबाम और सलीमा टेटे की सतर्क जोड़ी ने गेंद को नेट से बाहर रखने में मदद की।शूटिंग सर्कल में एक दुर्लभ भारतीय आक्रमण के परिणामस्वरूप पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन दीपिका की ड्रैग फ्लिक को आसानी से रोक दिया गया।

शेष क्वार्टर में अर्जेंटीना ने कड़ी मेहनत की लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने मजबूती बनाए रखी और दूसरे हाफ में स्कोर 0-1 बनाए रखा।भारत को तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह गोल करने का मौका बनाने में असफल रहा।अर्जेंटीना को 39वें मिनट में सफलता मिली, जब कैंपॉय ने बाएं विंग से गेंद उठाई और कुछ चुनौतियों से बचते हुए सर्कल में प्रवेश किया और सविता पुनिया को छकाते हुए अपनी बढ़त दोगुनी कर दी।क्वार्टर के आखिरी मिनट में भारत को गोल करने का मौका मिला लेकिन नवनीत कौर के टॉमहॉक को बारबेरी ने बचा लिया।अंतिम क्वार्टर शुरू होते ही अर्जेंटीना को पेनल्टी कॉर्नर मिला और ग्रेनाट्टो ने अगस्टिना गोर्जेलानी के फ्लिक को सविता के ऊपर से गोल में डालकर अपनी बढ़त बढ़ा दी।

अर्जेंटीना ने गोल के बाद तीव्रता बढ़ा दी और ग्रैनाटो के माध्यम से कई मौके बनाकर भारत को पीछे धकेल दिया, लेकिन एक लचीली भारतीय बैकलाइन किसी भी आगे की प्रगति को विफल करने में कामयाब रही।भारतीय महिला हॉकी टीम अब अपने अगले मैच में 1 जून को लंदन में जर्मनी से भिड़ेगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग में अर्जेंटीना से 0-3 से हार गई

एजेंसी

एंटवर्प। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग के बेल्जियम चरण में अपना जीत का सिलसिला जारी रखा और रविवार को यहां अर्जेंटीना के खिलाफ 0-3 से हार गई।बेल्जियम चरण के अंतिम मैच में भारत के लिए अर्जेंटीना के लिए सेलिना डि सैंटो (पहला मिनट), मारिया कैंपॉय (39वां) और मारिया ग्रैनाटो (47वां मिनट) ने गोल किए।अर्जेंटीना पहले ही मिनट में आगे बढ़ गया, भारतीय हाई प्रेस को भेदते हुए और शूटिंग सर्कल में घुस गया, जहां डि सैंटो ने ग्रेनाट्टो के शॉट में विक्षेपित होकर अपना पहला गोल किया।जैसे ही भारत को अपने हाफ से बाहर खेलने के लिए संघर्ष करना पड़ा, अर्जेंटीना के प्रभुत्व का दौर शुरू हुआ, जिसके परिणामस्वरूप खेल के आठ मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे अपनी बढ़त बढ़ाने में असफल रहे।भारत ने एक साथ कुछ पास देना शुरू किया और खेल में आ गया। उन्होंने अर्जेंटीनी गोलकीपर क्लारा बारबेरी को कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया, जब उदिता ने सर्कल में एक कम ड्राइव की, लालरेम्सियामी को पाया, जो करीब से गोल करने में विफल रही।अर्जेंटीना ने दूसरे क्वार्टर में कार्यवाही पर नियंत्रण हासिल कर लिया, जिससे कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन बिचू देवी खारीबाम और सलीमा टेटे की सतर्क जोड़ी ने गेंद को नेट से बाहर रखने में मदद की।शूटिंग सर्कल में एक दुर्लभ भारतीय आक्रमण के परिणामस्वरूप पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन दीपिका की ड्रैग फ्लिक को आसानी से रोक दिया गया।

शेष क्वार्टर में अर्जेंटीना ने कड़ी मेहनत की लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने मजबूती बनाए रखी और दूसरे हाफ में स्कोर 0-1 बनाए रखा।भारत को तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह गोल करने का मौका बनाने में असफल रहा।अर्जेंटीना को 39वें मिनट में सफलता मिली, जब कैंपॉय ने बाएं विंग से गेंद उठाई और कुछ चुनौतियों से बचते हुए सर्कल में प्रवेश किया और सविता पुनिया को छकाते हुए अपनी बढ़त दोगुनी कर दी।क्वार्टर के आखिरी मिनट में भारत को गोल करने का मौका मिला लेकिन नवनीत कौर के टॉमहॉक को बारबेरी ने बचा लिया।अंतिम क्वार्टर शुरू होते ही अर्जेंटीना को पेनल्टी कॉर्नर मिला और ग्रेनाट्टो ने अगस्टिना गोर्जेलानी के फ्लिक को सविता के ऊपर से गोल में डालकर अपनी बढ़त बढ़ा दी।

अर्जेंटीना ने गोल के बाद तीव्रता बढ़ा दी और ग्रैनाटो के माध्यम से कई मौके बनाकर भारत को पीछे धकेल दिया, लेकिन एक लचीली भारतीय बैकलाइन किसी भी आगे की प्रगति को विफल करने में कामयाब रही।भारतीय महिला हॉकी टीम अब अपने अगले मैच में 1 जून को लंदन में जर्मनी से भिड़ेगी।

आलिया भट्ट

से अदिति राव तक, कान्स में Payal Kapadia की ऑल वी इमेजिन एज लाइट को अवॉर्ड मिलने पर गदगद हुए सितारे

इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत का डंका बजा। बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जहां अनसूया सेनगुप्ता को मिला, वहीं ऑल वी इमेजिन एज लाइट को ग्रैंड प्रिक्स अवॉर्ड से नवाजा गया है।कान्स के मंच पर 30 साल बाद भारतीय फिल्म को अवॉर्ड मिला है। इस फिल्म का निर्देशन भारतीय मूल की पायल कपाड़िया ने किया है। उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। फिल्म को अवॉर्ड मिलने से बॉलीवुड सितारे बहुत खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की डायरेक्टर और टीम को बधाई दी है.

जीत से गदगद हुईं आलिया भट्ट

पायल कपाड़िया की इस फिल्म को कान्सके मंच पर अवॉर्ड पाने से आलिया भट्ट बहुत खुश हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा-शंसा स्वीकार कीजिए। कितनी शानदार उपलब्धि है। पूरी टीम को बधाई।

फरहान और कियारा ने दी बधाई

फरहान अख्तर ने लिखा, बहुत-बहुत बधाई। पायल कपाड़िया और टीम ऑल वी इमेजिन एज लाइट। कान्स ग्रैंड प्रिक्स जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म। इसके अलावा कियारा आडवाणी ने भी फिल्म को अवॉर्ड मिलने पर बधाई दी है।

गर्व से फूलीं अदिति राव

हीरामंड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी ने तो इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म की जीत पर एक लम्बा-चौड़ा नोट लिखकर एतिहासिक जीत पर बधाई दी है। अदिति ने लिखा, 卐यह समय एतिहासिक है, जहां सिर्फ हमारे देश का शोर बढ़ रहा है। यह पहली बार निर्देशक द्वारा बनाई गई एक स्वतंत्र फिल्म है जिसने कान्स में ग्रांड प्रिक्स अवॉर्ड जीता है। प्लीज थोड़ा रुकिये और खड़े होकर इस उपलब्धि की सराहना करें। यह भारत में अच्छे सिनेमा की लड़ाई का सर्वोच्च गौरव है। यह फिर से हो सकता है, लेकिन पायल कपाड़िया की शानदार उपलब्धि के प्रभाव के बिना नहीं।

कान्स पर भारत के जलवे से खुश शेखर कपूर

फिल्ममेकर शेखर कपूर ने एक्स पर फिल्म और डायरेक्टर को बधाई देते हुए कहा, 卐पायल कपाड़िया की ऑल इमेजिन एज लाइट ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड प्रिक्स जीता। उनके और उनकी टीम के लिए यह बहुत सम्मान की बात है। ऐसा लगता है कि यह कान्स में भारत का साल है। यह है इस साल भारतीय सिनेमा का तीसरा और सबसे बड़ा पुरस्कार।

Cannes में अवॉर्ड जीतने के बाद PM मोदी ने दी पायल कपाड़िया को बधाई, बोले- ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व है

डायरेक्टर पायल कपाड़िया इन दिनों सातवें आसमान पर है। इस खुशी का कारण हैं उनकी फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइटको कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 में अवॉर्ड से नवाजा गया है।

ऑल वी इमेजिन एज लाइट ने कान्स का इस फिल्म फेस्टिवल का दूसरा सबसे बड़ा अवॉर्ड अपने नाम किया है। ऐसे में सोशल मीडिया पर उन्हें ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डायरेक्टर और उनकी पूरी टीम का बधाई दी हैं।

पीएम मोदी ने दी बधाई

पायल कपाड़िया ने कान्स में अपना परचम लहराया और इस फिल्म फेस्टिवल का दूसरा सबसे बड़ा अवॉर्ड अपने नाम किया। ऐसे में रविवार 26 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने एक्स अकाउंट पर पूरी टीम का बधाई देते हुए लिखा, भारत को पायल कपाड़िया पर उनके काम ऑल वी इमेजिन एज लाइट के लिए 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड प्रिक्स जीतने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व है।

एफटीआईआई की पूर्व छात्रा, उनकी उल्लेखनीय प्रतिभा वैश्विक मंच पर चमकती रहती है, जो भारत में समृद्ध रचनात्मकता की झलक देती है। यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल उनके असाधारण कौशल का सम्मान करता है बल्कि भारतीय फिल्म निर्माताओं की नई पीढ़ी को भी प्रेरित करता है।

8 मिनट तक मिला था स्टैंडिंग अवेशन

बता दें, कान्स फिल्म फेस्टिवल में ऑल वी इमेजिन एज लाइट इसका प्रीमियर 23 मई को हुआ था, जिसे देखकर लोगों ने इसे स्टैंडिंग ओवेशन मिला। मूवी खत्म होने के बाद 8 मिनट तक लोगों ने खड़े होकर इसके लिए

तालियां बजाई थी। ये नजारा देख स्टार कास्ट बेहद इमोशनल होती दिखाई दी थी।

क्या है फिल्म की कहानी

ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट की कहानी एक नर्स प्रभा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे लंबे समय के बाद उसके पति से तोहफा मिलता है। इसमें प्रभा के अपने पति के साथ संबंध काफी समय से खराब हैं। वहीं, उसकी रूममेट अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ वक्त गुजारने के लिए प्राइवेट रूम देखती हैं। फिर एक दिन दोनों रोड ट्रिप पर जाती हैं, जहां उनकी लाइफ में नया मोड़ आता है।

फिल्म की स्टार कास्ट

पायल कपाड़िया फिल्म में कनी कुश्रुति, ऋषु हरूण, दिव्या प्रभा, छाया कदम और अजीस जैसे स्टार्स ने काम किया है।

आर्यन खान ने खत्म की डेब्यू सीरीज स्टारडम की शूटिंग, बॉबी देओल ने बजाईं तालियां

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने अपनी पहली वेब सीरीज स्टारडम की शूटिंग पूरी कर ली है. आर्यन पापा शाहरुख की तरह एक्टिंग में करियर नहीं बनाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने निर्देशन के फील्ड में कदम रखा है. अब उनकी डेब्यू सीरीज़ की शूटिंग भी पूरी हो गई है. जब से आर्यन की वेब सीरीज़ की खबरें आई हैं तभी से फैंस बॉलीवुड के इस सबसे फेमस स्टार किड की सीरीज का इंतज़ार कर रहे हैं.वेब सीरीज़ स्टारडम की रैप-अप पार्टी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में दिख रहा है कि आर्यन खान एक तीन मंजिला केक काट रहे हैं और उन्हें सीरीज की कास्ट और क्रू मेबर्स ने चारों ओर से घेरा हुआ है. इस दौरान वहां स्टारडम में काम कर रहे बॉबी देओल भी नजर आ रहे हैं. आर्यन के केक कटिंग के दौरान सभी लोग वहां तालियां भी बजाते दिखाई दे रहे हैं.

क्या होगी कहानी ?

आर्यन खान के इस डायरेक्टोरियल डेब्यू में ग्लैमर की दुनिया को करीब से दिखाया जाएगा. इस सीरीज़ में फिल्म इंडस्ट्री के सितारों की जिंदगी, उनके करियर के उतार-चढ़ाव और बड़ा स्टार बनने की ललक लिए सितारों का संघर्ष की कहानियां दिखाई जाएगी. खास बात ये है कि निर्देशन के अलावा इस सीरीज का लेखन भी आर्यन खान ने खुद ही किया है.सीरीज में लक्ष्य लालवानी लीड रोल में नज़र आने वाले हैं. सीरीज़ में बॉबी देओल और मोना कपूर जैसे सितारे भी दिखेंगे. यही नहीं सीरीज़ में किंग खान यानी शाहरुख खुद भी दिखाई देंगे. शाहरुख, रणबीर कपूर और रणवीर सिंह जैसे सितारों का इसमें कैमियो होगा.सीरीज़ की शूटिंग खत्म करने के बाद आर्यन खान, पिता शाहरुख, मां गौरी, छोटे भाई अबराम और बहन सुहाना के साथ आईपीएल का फाइनल मैच देखने के लिए चेन्नई पहुंच गए हैं. चेन्नई में रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच फाइनल मुकाबला होना है.

एक साथ दो फिल्में प्रमोट करने की निंजा टेक्निक कोई कार्तिक आर्यन से सीखे, सामने आया ऐसा वीडियो

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन इस साल दो बड़ी फिल्में लेकर आने वाले हैं. पहली फिल्म है 'चंदू चैंपियन' और दूसरी है 'भूल भुलैया 3'. इन दोनों फिल्में का उनके तमाम फैन्स को इंतजार है. कुछ समय पहले ही 'चंदू चैंपियन' का ट्रेलर सामने आया था, जिसे काफी पसंद किया गया. उसके बाद इस फिल्म से 'सत्यानास' के नाम से एक गाना भी रिलीज हुआ. अब उसी गाने पर कार्तिक मस्ती करते नजर आए हैं.कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है. वीडियो में कार्तिक 'भूल भुलैया 3' वाले रूह बाबा के गेटअप में नजर आ रहे हैं. उनके साथ इस वीडियो में राजपाल यादव भी दिख रहे हैं. वो छोटे पंडित के लुक में नजर आ रहे हैं. दोनों वीडियो में 'सत्यानास' गाने का स्टेप करते नजर आ रहे हैं.

अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है. एक साथ इन दोनों फिल्मों को प्रमोट करने का कार्तिक का तरीका लोगों को पसंद आ रहा है. अगर बात दोनों फिल्मों की करें तो 'चंदू चैंपियन' 14 जून को रिलीज होने वाली है. ये एक स्पोर्ट्स ड्रामा बायोपिक फिल्म है, जोकि साल 1972 के पैरालंपिक में भारत को गोल्ड मेडल दिलाने वाले मुरलीकांत पेटकर पर बेस्ड है. उनकी दूसरी फिल्म 'भूल भुलैया 3' है, जो इसी साल दीवाली के मौके पर रिलीज होने वाली है.

भूल भुलैया 3 में ये सितारे भी हैं

कार्तिक और राजपाल यादव के अलावा 'भूल भुलैया 3' में और भी कई सितारे नजर आने वाले हैं. कार्तिक के अपोजिट इसमें तृप्ति डिमरी हैं. वहीं माधुरी दीक्षित और विद्या बालन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. 'भूल भुलैया' के पिछले पार्ट ने लोगों को खूब एंटरटेन किया था. वर्ल्डवाइड 265 करोड़ से ज्यादा के कलेक्शन के साथ ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. अब उसी तरह की उम्मीद तीसरे पार्ट से भी है. देखना होगा कि इस फिल्म के जरिए वो कैसा परफॉर्म करते हैं.